रविवार

14 अप्रैल 2024

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

मंच पर ही रोने लगे राजद नेता, टिकट कटने से नाराज थे पूर्व सांसद

2

कांग्रेस की नई सूची में 16 नाम, मंडी से विक्रमादित्य चुनावी मैदान में

- चंडीगढ़ लोकसभा सीट के अलावा, गुजरात की चार, हिमाचल प्रदेश की दो और ओडिशा की नौ लोकसभा सीट के लिए उम्मीदवारों का एलान किया गया

एजेंसी/नई दिल्ली

कांग्रेस ने शनिवार को लोकसभा चुनाव के लिए 16 और उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी। सूची में चंडीगढ़ लोकसभा सीट के अलावा, गुजरात की चार, हिमाचल प्रदेश की दो और ओडिशा की नौ लोकसभा सीट के लिए उम्मीदवारों का एलान किया गया है। इसके साथ ही पार्टी ने गुजराज की पांच विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव के लिए भी उम्मीदवारों का एलान कर दिया है।पार्टी ने हिमाचल की मंडी लोकसभा सीट पर भाजपा उम्मीदवार और बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत के खिलाफ हिमाचल प्रदेश के मंत्री विक्रमादित्य सिंह को टिकट दिया है। विक्रमादित्य सिंह कांग्रेस की हिमाचल प्रदेश इकाई की प्रमुख प्रतिभा सिंह के बेटे हैं।हिमाचल प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह ने कहा कि हमने राज्य के 2-3 नाम शॉर्टलिस्ट किए थे, उन पर चर्चा हुई। अब राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे किस पर मुहर लगाते हैं, ये उन पर निर्भर है। प्रतिभा सिंह ने ये भी बताया कि मंडी सीट पर इस बार किसी नौजवान को उतारने की बात थी। यहां से विक्रमादित्य सिंह के नाम पर सहमति बनी है। विक्रमादित्य, प्रतिभा सिंह और पूर्व सीएम वीरभद्र सिंह के बेटे हैं।

कांग्रेस ने मनीष तिवारी को चंडीगढ़ से दिया टिकट

नई दिल्ली। नई सूची में कांग्रेस ने रेल मंत्री पवन बंसल का टिकट कटा दिया है। आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर कांग्रेस ने शनिवार को एक ओर उम्मीदवारों की सूची जारी की। इस बार पार्टी ने 16 उम्मीदवारों के नामों का एलान किया। इसमें वरिष्ठ कांग्रेस नेता मनीष तिवारी को चंडीगढ़ से उम्मीदवार घोषित किया है। कांग्रेस केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में उनके नाम पर अंतिम मुहर लगी है। इससे पहले 2019 लोकसभा चुनाव में इस सीट पर पूर्व रेल मंत्री पवन बंसल को पार्टी ने उम्मीदवार घोषित किया था। जो भाजपा उम्मीदवार किरण खेर से 46 हजार 970 वोट से हार गए थे।बता दें कि मनीष तिवारी की सीट बदल दी है। वह फिलहाल श्रीआनंदपुर साहिब से सांसद हैं, लेकिन इस बार वह चंडीगढ़ से लड़ेंगे। पूर्व में वह लुधियाना से भी सासंद रह चुके हैं। इस बार तिवारी यहां से भाजपा के संजय टंडन को टक्कर देंगे। बता दें कि मनीष तिवारी की सीट बदल दी है। वह फिलहाल श्रीआनंदपुर साहिब से सांसद हैं, लेकिन इस बार वह चंडीगढ़ से लड़ेंगे। पूर्व में वह लुधियाना से भी सासंद रह चुके हैं। इस बार तिवारी यहां से भाजपा के संजय टंडन को टक्कर देंगे।

सुषमा स्वराज की बेटी बांसुरी बनी नई दिल्ली सीट से भाजपा की प्रत्याशी

एजेंसी/नई दिल्ली

नई दिल्ली सीट से भाजपा कैंडिडेट बांसुरी स्वराज ने कहा कि यहां से उम्मीदवार बनाया जाना इनाम नहीं, जिम्मेदारी है। मैं तीन नेताओं से बहुत प्रभावित रही हूं। मेरी दिवंगत मां सुषमा स्वराज, पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। 2024 के लोकसभा चुनाव में बांसुरी भाजपा की तरफ से सबसे युवा उम्मीदवार हैं। बांसुरी ने ये भी कहा कि मुझे मीनाक्षी लेखी का पूरा सपोर्ट है। नई दिल्ली सीट पर भाजपा ने इस बार मीनाक्षी का टिकट काटकर बांसुरी को दिया है। बांसुरी के मुताबिक, हमारी पार्टी में टिकट कटता नहीं, टिकट दिया जाता है। ये संयोग है कि मुझे टिकट मिला। मेरा यह पूरा प्रयास रहेगा कि जनता के दिलों में उतर कर उनका वोट लूं। जनता का विश्वास जब तक नहीं जीत लेती। तब तक चैन से नहीं बैठूंगी। यह मेरा स्वभाग्य है कि पार्टी ने मुझपर भरोसा जताया है।

कांग्रेस झूठी बातें फैलाकर लोगों को कर रही है गुमराह

शाह बोले... राहुल ऐसे यान हैं, जो 20 बार लॉन्च हुए, हर बार फेल रहे

- मोदीजी का नारा है बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ और कांग्रेस एक ही नारा लेकर चली है, बेटा बचाओ-पीएम बनाओ
- लालू राज में बिहार का क्या हाल था, किसी से छुपा नहीं है।शाम में कोई घर से बाहर नहीं निकलता था

एजेंसी/अलवर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी ने बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान भी हाथ में लिया है। मोदी जी कहते हैं बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओ और कांग्रेस एक ही नारा लेकर चली है, बेटा बचाओ-पीएम बनाओ। सोनिया गांधी का पूरा ध्यान राहुल बाबा को पीएम बनाने में है। आपके बेटे-बेटियों पर ध्यान नहीं हैं। राहुल बाबा एक ऐसे यान हैं, जो 20 बार लॉन्च हुए और हर बार लॉन्चिंग फेल हुई है। अब ऐसी स्थिति आ गई है कि राहुल बाबा को लॉन्च करते-करते कांग्रेस पार्टी आज पूरी लॉन्च नहीं हो पा रही है। शाह अलवर के खैरथल में शनिवार शाम को सभा को संबोधित कर रहे थे। गौरतलब है कि अलवर लोकसभा सीट पर इससे पहले महंत बालकनाथ सांसद थे, जिन्होंने 2023 विधानसभा चुनाव में तिजारा विधानसभा सीट से चुनाव लड़ा और जीते। अब भाजपा ने भूपेंद्र यादव को अलवर लोकसभा सीट से उम्मीदवार बनाया है। उनका मुकाबला कांग्रेस के उम्मीदवार ललित यादव से होगा। कांग्रेस पार्टी गलतफहमी फैला रही है। विशेषकर दलित और आदिवासी भाइयों में। भाजपा आरक्षण समाप्त करने वाली है। आरक्षण चाहे दलित का हो, आदिवासी का हो या पिछड़े वर्ग का हो, भाजपा इसका समर्थन करती है। हम न आरक्षण समाप्त करेंगे और न किसी को समाप्त करेंगे देंगे। कांग्रेस झूठी बातें फैलाकर लोगों को गुमराह करने का काम कर रही है। पीएम खुद आरक्षण के सबसे बड़े समर्थक हैं।कांग्रेस ओबीसी वर्ग की विरोधी पार्टी है। पिछड़ा वर्ग से कांग्रेस ने सालों तक अन्याय किया। काका साहेब कालेलकर और मंडल कमीशन की रिपोर्ट को दबाकर रखा। मोदी ने आकर ओबीसी कमीशन को संवैधानिक मान्यता देने का काम किया। केंद्र के सारे दाखिलों में 27 प्रतिशत रिजर्वेशन ओबीसी समाज को देने का काम मोदी ने किया। हमारे देश का नाम दुनिया में करने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ओबीसी समाज से आते हैं और 27 से ज्यादा ओबीसी मंत्री कैबिनेट में हैं। शाह बोले- ईआरसीपी मोदी सरकार की गारंटी शाह बोले- मैं जानता हूं ईस्टर्न राजस्थान में पानी की बहुत किल्लत है। मैं आपको बड़ी बात कहकर जाता हूं। ईआरसीपी मोदी सरकार की गारंटी है,जो जल्द ही पूरा होने वाला है। ये प्रोजेक्ट पूरा होते ही सूखी धरती हरी-भरी हो जाएगी। 500 साल की किल्लत पूरी हो जाएगी।

गहलोत की बहू बोलीं-वैभव हारे तो माली जाति हारेगी

जयपुर। लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान पूर्व सीएम अशोक गहलोत की बहू हिमांशी गहलोत के बयान सियासी चर्चा का मुद्दा बन गए हैं। हिमांशी गहलोत ने जालोर लोकसभा सीट पर वैभव गहलोत के प्रचार के दौरान सैनी समाज के लोगों के बीच इमोशनल कार्ड का सहारा लेते हुए कहा कि आपने माली लड़के को हरवा दिया तो आगे आपके समाज को टिकट नहीं मिलेगा। आजकल गारंटी नहीं होती, लेकिन मैंने तो शादी भी आपके समाज के लड़के से की है, इसलिए मेरा हक बनता है कि आपसे बात करूं। हिमांशी गहलोत ने कहा- आपके यहां खुद के समाज के लड़के को टिकट मिला है। हमारे समाज के लोग राजनीति में बहुत कम हैं। अब वक्त आ गया है, इस बात को समझने की जरूरत है। हमारे समाज के पूरे भारत में कितने तो मुख्यमंत्री हैं बता दीजिए कितने मंत्री हैं और कितने ही राजनेता हैं, जो अच्छे पदों पर बैठे हैं। अगर मेरे माली लोग ही एक माली लड़के को हरा देंगे तो क्या कोई कभी टिकट देगा। हमें अपने समाज के बच्चों को आगे बढ़ाना है।

संदेशखाली में हुआ था मानवाधिकार का उल्लंघन, एनएचआरसी ने मांगी रिपोर्ट

कलकत्ता।राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में मौके का दौरा करने पर पाया कि वहां मानवाधिकारों का उल्लंघन हुआ है। मौके का दौरा कर दी गई रिपोर्ट में कहा गया है कि पीड़ितों पर अत्याचार के कई मामले सामने आए हैं जिससे साफ पता चलता है कि इसकी रोकथाम में सरकारी अधिकारियों की लापरवाही के चलते मानवाधिकारों का उल्लंघन हुआ। अत्याचार के कारण पीड़ित हुए खामोश आरोपितों द्वारा किये गए कथित अत्याचार के कारण ऐसा माहौल बन गया है कि पीड़ित खामोश हो गए हैं और डराने धमकाने व आतंक के चलते पीड़ितों में न्याय पाने के प्रति अनिच्छा पैदा हो गई है। पीड़ित गांव वालों को हमला, धमकी, यौन शोषण, भूमि कब्जा का सामना करना पड़ा और जबरन अवैतनिक श्रम करना पड़ा। इन परिस्थितियों में उन्हें संदेशखाली क्षेत्र और राज्य के बाहर आजीविका की तलाश के लिए मजबूर होना पड़ा।आयोग ने पीड़ितों के मन में भरोसा जगाने और उनके पुनर्वास व कल्याण के लिए रिपोर्ट में कई सिफारिशें की हैं। एनएचआरसी ने रिपोर्ट में की गई सिफारिशों पर पश्चिम बंगाल सरकार से आठ सप्ताह में कार्रवाई रिपोर्ट मांगी है। इसके अलावा एनएचआरसी ने कहा है कि संदेशखाली में महिलाओं के यौन शोषण और भूमि पर कब्जे के मामले पर हाई कोर्ट में सुनवाई चल रही है ऐसे में आयोग सुनवाई में हस्तक्षेप के अनुरोध के साथ हाई कोर्ट में अर्जी दाखिल करेगा। महिलाओं के यौन शोषण और जमीन पर कब्जे के मामले सामने आये थे और दोषियों पर कार्रवाई को लेकर वहां की महिलाओं ने जबरदस्त प्रदर्शन किया था।

पहले चरण का चुनाव चरम पर, राहुल-प्रियंका की संयुक्त रैली अभी तक उत्तर प्रदेश में भी नहीं

एजेंसी/नई दिल्ली

पहले चरण के लोकसभा चुनाव का मतदान 19 अप्रैल को है। किंतु अभी तक कांग्रेस की ओर से राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे समेत दूसरे प्रदेश के भी पार्टी के किसी बड़े नेता की रैली या सभा पश्चिमी उत्तर प्रदेश में नहीं तय की जा सकी है। वहीं अभी तक गठबंधन की भी कोई रैली प्रस्तावित नहीं की जा सकी है। जबकि पहले चरण के लिए 17 अप्रैल को प्रचार थमेगा। कांग्रेस प्रदेश में इंडिया गठबंधन में चुनाव लड़ रही है। पहले चरण में हालांकि वह सिर्फ एक सहारनपुर सीट पर ही चुनाव लड़ रही है। काफी कवायद के बाद भी पार्टी अभी तक पहले चरण में किसी बड़े नेता की एक भी रैली या सभा नहीं कर पाई है। पार्टी की ओर से पिछले दिनों यह कहा गया था कि जल्द ही बड़े नेताओं के कार्यक्रम लग रहे हैं। वहीं इंडिया गठबंधन में भी राहुल-अखिलेश की सभा आयोजित की जाएगी। किंतु पहले चरण का चुनाव प्रचार अब आखिरी चरण में पहुंच गया है। अभी तक किसी भी बड़े नेता का कार्यक्रम पश्चिमी उत्तर प्रदेश में नहीं मिल पाया है। वहीं पार्टी के दूसरे प्रदेश के भी कोई बड़े नेता प्रचार के लिए नहीं आ सके हैं। हालांकि पार्टी के मीडिया विभाग के चेयरमैन डॉ. सीपी राय ने कहा कि 16 अप्रैल को प्रियंका गांधी की सहारनपुर में रोड शो की तैयारी है। उम्मीद है कि जल्द ही केंद्रीय नेतृत्व इनका व अन्य नेताओं का कार्यक्रम फाइनल करेगा। दूसरे चरण में कई नेताओं की सभा, रैली व गठबंधन के नेताओं के साथ सभाएं होंगी। प्रदेश प्रभारी व प्रदेश के नेताओं ने डाला डेरा राष्ट्रीय नेताओं का भले ही पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कार्यक्रम न मिल पाया हो। लेकिन प्रदेश के नेताओं ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश में डेरा डाल दिया है। एक तरफ जहां प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय लोकसभावार बैठक व समीक्षा कर रहे हैं। साथ ही जनसंपर्क सभाएं भी कर रहे हैं। वहीं प्रदेश अध्यक्ष अजय राय व प्रमोद तिवारी जनसंपर्क व सभा कर रहे हैं। जबकि बृजलाल खाबरी, नसीमुद्दीन सिद्दीकी आदि के जनसंपर्क व सभा का कार्यक्रम तय कर दिया गया है।

प्रदेश में सुविधाओं में किए गए आमूलचूल बदलाव, 80 में 80 सीट का है लक्ष्य

गेमचेंजर होगा 'विकसित भारत का विकसित उत्तर प्रदेश' नारा

- हर जनसभा में विकसित उत्तर प्रदेश की छवि प्रस्तुत कर यूपी के मतदाताओं को आकर्षित कर रही डबल इंजन सरकार
- यूपी में विकास के मुद्दे पर सीएम योगी का पलड़ा अन्य दलों पर भारी, प्रदेश की जनता का भी मिल रहा है भरपूर समर्थन

केटी न्यूज ब्यूरो/लखनऊ

आम चुनाव 2024 की चुनावी जनसभाओं में इस बार उत्तर प्रदेश का जिक्र विकसित भारत के विकसित उत्तर प्रदेश के रूप में हो रहा है। पीएम मोदी से लेकर सीएम योगी तक अपनी जनसभाओं में विकसित उत्तर प्रदेश पर विशेष रूप से फोकस कर रहे हैं। इसके माध्यम से प्रदेश की जनता को डबल इंजन की सरकार में उत्तर प्रदेश में हुए बड़े बदलावों के विषय में जानकारी दी जा रही है। उन्हें बताया जा रहा है कि विगत 7 वर्षों में डबल इंजन की सरकार ने प्रदेश के इंफ्रास्ट्रक्चर से लेकर अवस्थापना सुविधाओं में जो आमूलचूल कार्य किए हैं, उससे प्रदेश का माहौल बदला है। अच्छी कनेक्टिविटी से प्रभावित होकर देश और दुनिया के निवेशक उत्तर प्रदेश आ रहे हैं। लाखों करोड़ रुपए का निवेश धरातल पर उतर रहा है। लाखों रोजगार के अवसर उत्पन्न हो रहे हैं। पीएम मोदी और सीएम योगी ने इसी विकास और बदलाव को आगे भी जारी रखने के लिए इस बार 80 में 80 सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है। जानकारों की मानें तो इस लक्ष्य को प्रदेश की जनता का भी समर्थन मिल रहा है। कुल मिलाकर इन चुनावों में यह नारा गेमचेंजर बनेगा, इसकी पूरी संभावना है।आम चुनाव 2024 भी इससे अलग नहीं है। ये वो मुद्दा है, जिस पर भाजपा को अपनी विपक्षी पार्टियों पर भारी बढ़त हासिल है। खासतौर पर उत्तर प्रदेश की बात करें तो सीएम योगी ने विगत सात वर्ष में यूपी में विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं। इस दौरान प्रदेश के इंफ्रास्ट्रक्चर, अवस्थापना सुविधाओं और कनेक्टिविटी में बड़ा सुधार हुआ है। पीएम मोदी के मार्गदर्शन और सीएम योगी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में 6 एक्सप्रेसवे संचालित हो रहे हैं, जबकि 7 निमार्णाधीन हैं। इस तरह देश के कुल एक्सप्रेसवे कवर क्षेत्र में अकेले उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी 55 प्रतिशत से ज्यादा की हो गई है। यही नहीं, उत्तर प्रदेश, देश में सर्वाधिक हवाई अड्डों वाला राज्य भी है। यहां 4 अंतर्राष्ट्रीय और 11 घरेलू एयरपोर्ट संचालित हो रहे हैं, जबकि 6 निमार्णाधीन हैं। इसके अतिरिक्त, देश में घोषित दो डिफेंस कॉरिडोर में से एक उत्तर प्रदेश में स्थापित हो रहा है। इसमें 6 नोड (अलीगढ़, आगरा, कानपुर, लखनऊ, झांसी और चित्रकूट) को चिन्हित किया गया है। लखनऊ नोड में ब्रम्होस तथा झांसी नोड में भारत डायनामिक्स की इकाइयां स्थापित हो रही हैं। इसके साथ ही, 10 केंद्र पोषित व 7 राज्य पोषित कुल 17 नगरों का स्मार्ट सिटी के रूप में विकास हो रहा है। प्रदेश सरकार नोएडा की तर्ज पर बुंदेलखंड में औद्योगिक शहर बनाने की दिशा में भी कार्य कर रही है। यूपी की कनेक्टिविटी सिर्फ हाईवे और एयरपोर्ट के माध्यम से ही नहीं बल्कि मेट्रो और जलमार्ग से भी संभव हो पा रही है। प्रदेश में 4 शहरों (गौतमबुद्धनगर, लखनऊ, कानपुर, आगरा) में मेट्रो दौड़ रही है तो काशी, मेरठ, प्रयागराज, गोरखपुर, झांसी एवं बरेली में मेट्रो परियोजना क्रियान्वित किए जाने की तैयारी हो रही है। लखनऊ में दूसरे चरण के तहत मेट्रो के विस्तार की कार्यवाही की जा रही है।

निवेशकों के लिए ड्रीम डेस्टिनेशन बना प्रदेश

उत्तर प्रदेश निवेशकों का ड्रीम डेस्टिनेशन बन गया है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 में देश और दुनिया से करीब 40 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए थे, जिसके माध्यम से करोड़ों नौकरी व रोजगार का सृजन होने की संभावना है। इन निवेश प्रस्तावों में से हाल ही में संपन्न ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी 4.0 के माध्यम से 10.24 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्तावों का क्रियान्वयन प्रारंभ हो चुका है। इसके माध्यम से हजारों युवाओं को रोजगार प्राप्त होने जा रहे हैं। इससे पूर्व इन्वेस्टर्स समिट 2018 में 4.28 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए थे।

तेजस्वी यादव ने देश की जनता के लिए 24 वचन दिए

राजद का घोषणापत्र जारी, इंडी सरकार बनी तो खत्म करेंगी अग्निवीर योजना

केटी न्यूज/पटना

लोकसभा चुनाव 2024 के लिए पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद के छोटे बेटे और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने राष्ट्रीय जनता दल का घोषणा पत्र जारी कर दिया है। उन्होंने राजद कार्यालय में प्रेस वार्ता की और राजद के वरीय नेताओं के साथ घोषण पत्र जारी किया। तेजस्वी यादव ने देश की जनता के लिए 24 वचन दिए। तेजस्वी यादव ने कहा कि मैं लंबे समय से नौकरी, महंगाई, गरीबी और बेरोजगारी के बारे में बोल रहा हूं। लेकिन, प्रधानमंत्री जनमुद्दों और काम की बात का नोटिस ही नहीं लेते। उन्हें तो बस अपने मन की बात सुनानी है। 10 वर्षों में उन्होंने बिहार को क्या दिया। अपने वादे पूरे क्यों नहीं किए। इन पर नहीं बोलते, वो मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए इधर-उधर की बातें करते है। बिहार की जनता बहुत समझदार है। एक करोड़ लोगों को सरकारी नौकरी दी जाएगी तेजस्वी यादव ने बड़ा एलान करते हुए कहा कि अगर इंडी गठबंधन की सरकार बनी तो पूरे देश में एक करोड़ लोगों को सरकारी नौकरी दी जाएगी। पूरे देश में 30 लाख पद रिक्त पड़े हैं। उसको तो भरेंगे ही। लेकिन, 70 लाख पदों का सृजन करेंगे। आपलोग जानते हैं नौकरी, बेरोजगारी सबसे बड़ा मुद्दा है। भाजपा के लोगों ने दो करोड़ नौकरी हर साल देने का वादा किया था। हमलोग सच्चे लोग हैं। जो कहते हैं, वह करते हैं। 15 अगस्त से नौकरी की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। बिजली की दर 200 यूनिट फ्री बिजली दी जाएगी। तेजस्वी यादव ने कहा कि आगामी रक्षा बंधन से देश के गरीब महिला को एक लाख सहायता देगें। साथ ही 500 रुपया गैस सिलेंडर का दाम पूरे देश में कर दिया जाएगा। तेजस्वी यादव ने अग्निवीर योजना को खत्म करने की बात कही।

राजद के घोषणा पत्र पर सियासत, चिराग बोले... किस तरह नौकरी दी जाती थी, यह जनता को पता है

पटना। राष्ट्रीय जनता दल के घोषणा पत्र पर बिहार में सियासत शुरू हो गई है। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने कहा कि राजद के घोषणा पत्र पर निशाना साधा। बिना नाम लिए उन्होंने तेजस्वी यादव और उनके परिवार पर हमला भी बोला। चिराग पासवान ने कहा कि एक करोड़ लोगों को नौकरी अगर दे सकते हैं हैं तो लंबे समय तक इन्हीं के परिवार के लोग बिहार की सत्ता में रहे। और, उस वक्त कैसे नौकरियां बांटी गई, यह सबको पता है। हकीकत तो यह है कि इनलोगों को जब भी सत्ता मिलती है तो यह लोग बहाना बनाना शुरू कर देते हैं और कहने लगते हैं कि यह गठबंधन का वादा नहीं हमारा वादा था और जब हमारी सरकार आएगी तब इसे पूरा किया जाएगा। तेजस्वी यादव द्वारा एक करोड़ रोजगार देने की घोषणा पर चिराग पासवान ने कहा कि यह पहली बार आपको मौका नहीं मिला। आपको परिवार के दो-दो लोग लंबे समय तक मुख्यमंत्री रह चुके हैं। उस समय अगर विकास होता तो आज बिहार पिछड़ा राज्य नहीं कहलाता। यह सबको समझ आ रहा है कि खाने के दांत कौन से हैं और दिखाने के दांत कौन से हैं। तेजस्वी यादव द्वारा एक करोड़ रोजगार देने की घोषणा पर चिराग पासवान ने कहा कि यह पहली बार आपको मौका नहीं मिला। आपको परिवार के दो-दो लोग लंबे समय तक मुख्यमंत्री रह चुके हैं। उस समय अगर विकास होता तो आज बिहार पिछड़ा राज्य नहीं कहलाता।

मंच पर ही रोने लगे राजद नेता, टिकट कटने से नाराज पूर्व सांसद ने लालू-तेजस्वी पर लगाए आरोप

केटी न्यूज/अररिया

राष्ट्रीय जनता दल में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। पहले ही कुछ विधायकों ने एनडीए का दामन थाम लिया था। अब लोकसभा टिकट करने पर कोई पार्टी छोड़ रहा तो कोई पार्टी के खिलाफ नाराजगी जता रहा। 24 घंटे के अंदर दो ऐसे खबर सामने आए जिसने लालू की पार्टी को बड़ा झटका दे दिया। पहले खबर यह है कि पूर्व राज्यसभा सांसद अहमद अशफाक करीब ने राजद छोड़ दी। इतना ही नहीं उन्होंने राजद पर मुसलमानों के अधिकार को छीनने का भी आरोप लगा दिया। दूसरी खबर पूर्व केंद्रीय गृह राज्य मंत्री दिवंगत तस्लीमुद्दीन के बड़े बेटे और राजद के पूर्व सांसद सरफराज आलम से जुड़ी है। उनका वीडियो खूब वायरल हो रहा है। वारयल वीडियो में पूर्व सांसद सरफराज आलम मंच पर रोते हुए दिख रहे हैं। वहीं उनके समर्थक आंसू पोंछते दिख रहे हैं। रोते-रोते सरफराज ने लालू और तेजस्वी यादव पर गंभीर आरोप भी लगा दिया। उन्होंने लालू प्रसाद और तेजस्वी यादव पर पैसे लेकर टिकट बांटने का आरोप लगाया।बता दें कि सरफराज आलम के छोटे भाई शाहनवाज आलम को राजद ने अररिया लोकसभा सीट से टिकट दिया है। सरफराज आलम अररिया लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ना चाहते थे। इसको लेकर सरफराज आलम पिछले कई महीनों से तैयारी में जुटे थे। अचानक राजद ने उनके छोटे भाई को टिकट दे दिया। सरफराज आलम इससे काफी नाराज हो गए। मंच पर अपने पिता दिवंगत तस्लीमुद्दीन को याद कर रोने लगे। अब उनका यह वीडियो वायरल हो रहा है। इसके बाद और सियासत गरमा गई है। विदित हो कि तस्लीमुद्दीन आलम लालू यादव के काफी करीबियों में गिने जाते थे। कई अहम फैसलों में उनका योगदान रहता था। वहीं अब उनके बेटों के बीच खींचतान शुरू हो गई है।

गया में ट्रेन का इंजन बेपटरी, चालक ने सिग्नल की अनदेखी की

गया। गया जंक्शन पर शनिवार की शाम ट्रेन का इंजन बेपटरी हो गया। प्रथम दृष्ट्या में घटना का कारण चालक के द्वारा सिग्नल ओवर शूट कर देना बताया जा रहा है। रेलवे सूत्रों के अनुसार शनिवार की शाम गया जंक्शन पर चेन्नई एग्मोर एक्सप्रेस आई थी। ट्रेन के आने के बाद इसके रेक को वाशिंग पीट लाइन पर ले जाना था। इसके लिए लाइट डीजल इंजन को शंटिंग कर प्लेटफार्म संख्या 7 के पास से आगे बढ़ाया रहा था। इसी दौरान लाल सिग्नल को चालक ने ओवरशूट कर दिया। इसके बाद कुछ दूर आगे बढ़ने के बाद एक मोटर पॉइंट को बर्स्ट करते हुए इंजन आगे बढ़ने लगी और देखते ही देखते इंजन बेपटरी हो गई। रेलवे सूत्रों के अनुसार इंजन के अगले ट्रॉली के छः चक्के बेपटरी हो गये। घटना 18:50 के आसपास की बताई जा रही है। दुर्घटना की जानकारी मिलते ही दुर्घटना राहत ट्रेन(एआरटी) के कर्मचारी तत्काल वहां पहुंच गए। अभी तक राहत कार्य जारी है। इस दुर्घटना की प्रारंभिक जांच के लिए एक टीम गठित की गई है।

बिहार में 4 आईएएस अफसरों का तबादला

पटना। चुनाव आचार संहिता के बीच बिहार में अफसरों के ट्रांसफर-पोस्टिंग का दौर जारी है। शनिवार को 4 आईएएस अधिकारियों का तबादला किया गया है।राजस्व एवं भूमि सुधार के सचिव दयानिधान पांडेय को लघु जल संसाधन विभाग का सचिव बनाया गया है। आयुक्त गिरिवर दयाल सिंह को राजस्व पार्षद भेजा गया है। आईएएस असीमा जैन को नगर विकास विभाग के सचिव और आईएएस अनिल झा ईख आयुक्त बनाए गए हैं। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के सचिव के साथ-साथ चकबंदी निदेशक की भी जिम्मेदारी उनके पास है।

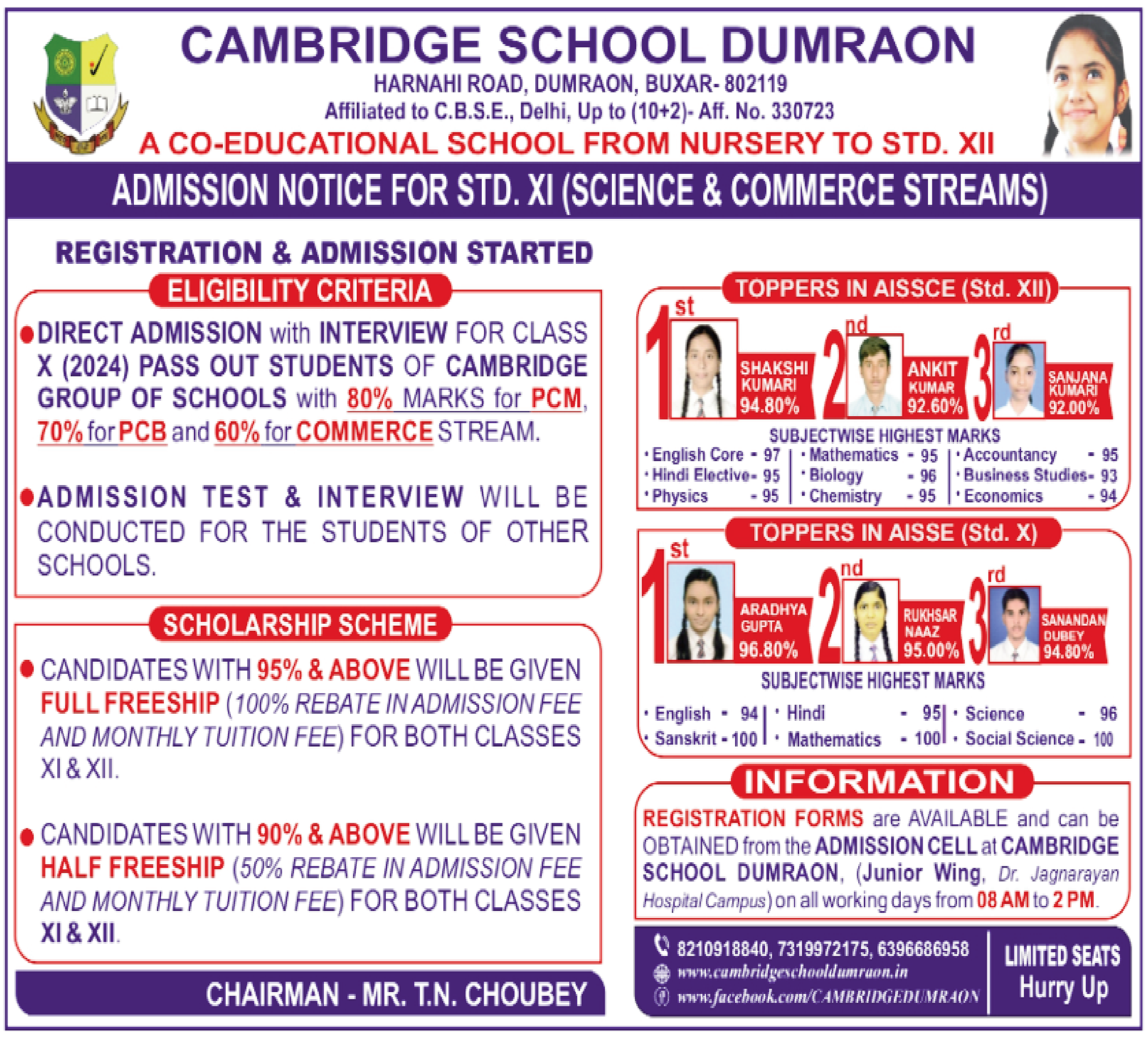

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

रामनवमी से पहले भगवा झंडो से पटा शहर, महावीरी जुलूस की तैयारी तेज

केटी न्यूज/डुमरांव

चैत्र रामनवमी का त्योहार 17 अप्रैल को मनाया जाएगा। भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव की खुशी में मनाए जाने वाले इस त्योहार को ले डुमरांव में गजब का उत्साह रहता है। पिछले कई दशकों से महाबीरी झंडा पूजा समिति द्वारा चैत्र रामनवमी के मौके पर विशाल महावीरी झंडा जुलूस निकाला जाता है। इसकी तैयारी एक पखवाड़े पहले से ही शुरू हो गई है। दूसरी तरफ रामनवमी नजदीक आते ही शहर को माहौल भी राममय बन गया है। बाजार से लेकर दुकान तक भगवा झंडो से पट गए हैं। डुमरांव की मुख्य मंडी राजगोला रोड में सड़क के दोनों किनारे संचालित होने वाले फुटपाथी दुकानों में करीब एक दर्जन दुकानों पर भगवान श्रीराम व उनके अनन्य भक्त वीर हनुमान के झंडे बिक रहे है। पूजन सामग्री की दुकानें भी सज गई है। इसके अलावे राजगोला रोड को भगवा झंडो से पाट दिया गया है। जो देखने में काफी आकर्षक लग रहा है। यही हाल स्टेशन रोड का भी है। स्टेशन रोड में भी जगह जगह भगवा झंडे नजर आ रहे है। दुकानों पर खरीददारों की भींड़ भी उमड़ रही है। बता दें कि रामनवमी पर विशाल जुलूस निकलने के साथ ही लोगों के घरों में भी पूजा होती है तथा भगवा झंडे लगाए जाते हैं। रामनवमी के नजदीक आते ही दुकानदारों की खुशी भी बढ़ गई है। **45 वर्षो से चली आ रही है परंपराः** डुमरांव में रामनवमी पर डुमरांव में महाबीरी झंडा पूजा समिति द्वारा पिछले 44 वर्षों से भव्य महाबीरी झंडा जुलूस निकाला जाता है। समिति से जुड़े मनोज केशरी व कृष्ण मुरारी केशरी ने बताया कि इसकी शुरूआत वर्ष 1980 से हुई थी। तब से आज तक इस परंपरा का निर्वहन किया जाता है। प्रत्येक साल भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव की खुशी में पूरे दिन कई तरह के कार्यक्रम आयोजित होते है। सुबह में जहां छठिया पोखरा के पास परंपरागत शस्त्रों की पूजा की जाती है तो दिन में लोग एक दूसरे को रामनवमी की बधाई देते है। वही शाम ढलने से पहले ही राजगढ़ के विशाल फाटक से हाथी, घोड़े, उंट के साथ कई तरह की झांकियों के साथ विशाल जुलूस निकलता है, जो पूरे शहर का भ्रमण करने के बाद संपन्न होता है। इस जुलूस में झांकियों के अलावे युवा तलवार, लाठी, भाला आदि परंपरागत हथियारों पर भी अपना कौशल दिखाते है। जुलूश व झांकी में पूरा शहर उमड़ता है। इस बार भी इस आयोजन की तैयारी जोर शोर से हो रही है।

राजपरिवार भी होता है शामिलः

रामनवमी पर जो विशाल जुलूस निकला है, उसमें राज परिवार भी शामिल होता है। राजगढ़ परिसर में राजपरिवार की मौजूदगी में ही जुलूस निकाले जाने की परंपरा रही है। आज भी डुमरांव का शाही परिवार पूरे साल इस दिन का इंतजार करता है। राज परिवार से जुड़े सूत्रों की मानें तो राज परिवार को महावीरी झंडा पूजा समिति द्वारा आयोजित किए जाने वाले इस जुलूस से विशेष लगाव है तथा हर साल राज परिवार के लोग बढ़ चढ़कर अपनी भागीदारी निभाते है। पूरा शहर भक्तिमय हो जाता है।

एक नजर

बक्सर से राष्ट्रीय समाज पार्टी के प्रत्याशी बने जय सिंह

बक्सर। राष्ट्रीय समाज पार्टी बक्सर संसदीय क्षेत्र से चुनाव लड़ेगी। पार्टी ने जय सिंह को अपना उम्मीद्वार घोषित किया है। शनिवार को रासपा की एक बैठक बक्सर स्थित पार्टी कार्यालय में आयोजित की गई थी। जिसमें पार्टी के बिहार प्रदेश अध्यक्ष गोपाल पाठक तथा प्रदेश उपाध्यक्ष एस के यादव के द्वारा जय सिंह को बक्सर लोकसभा का प्रत्याशी घोषित किया गया। बैठक का कार्यक्रम का संचालन युवा नेता टिशू कुमार ने किया। उन्होंने कहा कि बक्सर संसदीय क्षेत्र में महादेव जनकर साहब के सपने को साकार करने के लिए हम लोग हरपल तैयार है। बक्सर लोकसभा की जो दुर्दशा हो गई है, उसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता है। राजनैतिक दलों ने बक्सर को सिर्फ चारागाह बनाकर छोड़ दिया है। चुनाव के बाद किसी को यहां की जनता की सुधि नहीं रहती है। टिशु ने कहा कि मेरा पहला लक्ष्य यही है कि बक्सर की जनता को बक्सर के विकास के लिए जागरूक किया जाए, ताकि बक्सर की जनता सही प्रत्याशी को चुन सकें। मौके पर चंदन कुवंर, संतोष गिरी, धनु कुमार, राहुल सिंह, आयूश सिंह, प्रदेश प्रधान, महासचिव डॉ पंकज कुमार, जमुई जिलाध्यक्ष शंकर शाह सहित प्रदेश स्तर के आधा दर्जन पदाधिकारी व दर्जनों स्थानीय कार्यकर्ता मौजूद थे।

शराब के नशे में हंगामा कर रहा युवक गिरफ्तार

नावानगर। सिकरौल पुलिस ने थाना क्षेत्र के चमिला गांव में शराब के नशे में हंगामा कर रहे एक युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में कोर्ट भेज दिया है। गिरफ्तार युवक उक्त गांव के बीरबहादूर ठाकुर बताया जाता है। थानाध्यक्ष ने बताया कि ग्रामीणों ने सूचना दिया था कि एक युवक शराब पीकर हंगामा मचा रहा है। सूचना पर सिकरौल पुलिस ने उक्त गांव पहुंच शराब के नशे में हंगामा कर रहे युवक को गिरफ्तार कर स्थानीय सीएचसी में मेडिकल जांच कराया। मेडिकल जांच में अल्कोहल सेवन की पुष्टि होने पर उसे न्यायिक हिरासत में कोर्ट भेज दिया है। वही भदार गांव में पुलिस ने छापेमारी कर कोर्ट वारंटी महेंद्र तुरहां को जेल भेज दिया है।

भाजपा प्रत्याशी ने किया डुमरांव विधानसभा के दर्जन भर गांवों का किया दौरा, मांगा समर्थन

डुमरांव। शनिवार को भाजपा प्रत्याशी मिथिलेश तिवारी ने डुमरांव विधानसभा क्षेत्र के दर्जनों गांवों का दौरान किया। इसके पहले स्टेशन के पास स्थित होटल आनंद बिहार में उन्होंने एनडीए के घटक दलों के कार्यकताओं के साथ बैठक कर चुनाव जीतने की रणनीति बनाई। बैठक का नेतृत्व जदयू के प्रदेश महासचिव सह होटल संचालक विनोद राय ने किया। यहां से सभी कार्यकर्ता एक साथ क्षेत्र में चुनाव प्रचार के लिए निकले। इस संबंध में जानकारी देते हुए जदयू नेता विनोद राय ने बताया कि डुमरांव के बड़ी संगत मठिया में भी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक हुई। वहां से क्षेत्र के भदार, सिकरौल बाजार तथा उसके आस पास के एक दर्जन गांवों में जनसंपर्क अभियान चलाया गया। उन्होंने कहा कि इस बार भी बक्सर संसदीय क्षेत्र से एनडीए प्रत्याशी मिथिलेश तिवारी की जीत तय है। वही भाजपा प्रत्याशी ने कहा कि पिछले दस वर्षों में प्रधानमंत्री के रूप में नरेन्द्र मोदी के कार्यों से क्षेत्र की जनता का झुकाव एनडीए के पक्ष में है। उन्होंने कहा कि विरोधियों के पास कोई मुद्दा नहीं बचा है। बैठक के दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष भोला सिंह, जदयू के दिनेश सिंह, बीरेन्द्र सिंह लाला, संतोष चौधरी, सिमरी प्रखंड अध्यक्ष नंदजी राम, कृष्णा सिंह, सत्यानंद कुशवाहा, केसठ प्रखंड अध्यक्ष, लोजपा रामविलास के जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह समेत एनडीए के घटक दलों के दर्जनों अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

यूपी के युवक से 7.12 लाख रूपए बरामद

चौगाई। मुरार पुलिस ने वाहन चेकिंग अभियान के दौरान यूपी के एक युवक के पास से सात लाख 12 हजार 500 रूपए बरामद किए है। यह पैसा उसके बाइक के डिग्गी में था, जिसके संबंध में युवक द्वारा संतोषजनक जबाव नहीं दिए जाने पर पुलिस ने उक्त रूपए को जब्त कर लिया। बाद में थाना में सीओ गौतम कुमार की मौजूदगी में उक्त रूपए को सीज किया गया है। युवक की पहचान उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले के जमानियां गांव निवासी सोनू कुमार गुप्ता के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार मुरार थानाध्यक्ष कमल नयन पांडेय थाना क्षेत्र के फफदर मोड़ के पास वाहन चेकिंग अभियान चला रहे थे। इसी दौरान उक्त युवक अपनी बाइक से वहां पहुंचा। पुलिस ने उसे रोक जब तलाशी ली तो उसके डिग्गी से पांच-पांच सौ के नोटों के बंडल बरामद हुए। युवक उस रूपए के संबंध में ठोस जबाव नहीं दे सका। जिसे बाद में सीओ की मौजूदगी में सीज कर लिया गया है। गौरतलब है कि आदर्श आचार संहिता लागू होते ही क्षेत्र में मॉदक पदार्थों, शराब तथा नोट के ढुलाई पर रोक लगाने के लिए पुलिस पूरी तरह से मुश्तैद हो गई है। इसके पहले भी मुरार पुलिस दो युवको से हजारों रूपए बरामद कर चुकी है। इस कार्रवाई से चोरी छिप्पे मोटी रकम लेकर चलने वालों की मुश्किलें बढ़ गई है।

खबरें फटाफट

चौसा में तीन जगहों पर लगेगा हाई मास्ट लाइट

चौसा। चौसा नगर पंचायत क्षेत्र अब दुधिया रौशनी से जगमग होगा। एसटीपीएल कंपनी के सौजन्य से तीन जगहों पर हाई मास्ट लाईट लगाने का निर्णय लिया है। चौसा में बन रहे 1320 मेगावाट बक्सर थर्मल पॉवर प्लांट के निर्माण कम्पनी एसटीपीएल के सौजन्य से चौसा में तीन जगहों पर हाई मास्ट लाइट लगाने जा रही है। ऊक्त जानकारी चौसा बीडीओ अशोक कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि नगर के अखौरीपुर गोला तिमुहानी, चौसा यादव मोड़ व धार्मिक स्थल महर्षि चयवन मुनी स्थल स्थित महादेवा घाट पर हाई मास्ट लाइट लगाए जाएगें। इसके लिए जगह का चयन कर लिया गया है।

छठ ब्रतियों ने ग्रहण किया खरना का प्रसाद

डुमरांव। चैती छठ को लेकर शहर से लेकर गांव तक भक्तिमय बना हुआ है। शनिवार को ब्रतियों ने खरना प्रसाद को ग्रहण कर फिर 36 घंटे का उपवास शुरू कर दिया। ब्रती के खाने के बाद खरना को प्रसाद के रूप में परिवार के लोगों और संगे.साथियों के बीच बांटा गया। कहावत है कि खरना के प्रसाद खाने वाले जीवन दिघार्यु हो जाता है। केवल ब्रती ही खरना के प्रसाद को स्वयं बना कर ग्रहण करते हैं। इसमें किसी का सहयोग नहीं लिया जाता है। खरना का प्रसाद खाने के लिए घर के लोग आश्रा तो लगाए ही रहते हैंए जिनके घर पूजा नहीं होता वह भी ब्रती के घर पहुंच जाते हैं। शनिवार को सूर्यास्त के बाद जिनके घरों में पूजा हो रही थीए खरना का प्रसाद खाने के लिए लोग पहुंचे हुए थे। कुछ ऐसे भी थेए जो घर प्रसाद ले जाने के लिए बर्तन भी लाए हुए थे। ब्रती जानते हैं कि खरना के प्रसाद लेने के लिए लोग आएंगे। लिहाजा प्रसाद को कुछ ज्यादा ही बनाया जाता है।

बोले डीआईजी...बिना अनुमति नहीं निकलेगा कोई भी जुलूस

रामनवमी जुलूस में हथियारों के प्रदर्शन व डीजे बजाने पर रहेगा प्रतिबंध : डीआईजी

- रामनवमी जुलूस व लोकसभा चुनाव की तैयारियों का डीआईजी ने किया समीक्षा, बिहार यूपी सीमा का निरीक्षण कर दिए कई आवश्यक निर्देश

केटी न्यूज/बक्सर

शहाबाद रेंज के डीआईजी नवीन चंद्र झा शनिवार को बक्सर में थे। वे याह एसपी तथा जिलेभर के पुलिस पदाधिकारियों के साथ बैठक कर रामनवमी जुलूस व लोकसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा किए। वही एसपी ने बिहार व यूपी सीमा का निरीक्षण कर सुरक्षा के लिहाज से कई आवश्यक निर्देश दिए। बैठक की शुरुआत में डीआईजी ने जिले के दोनों डीएसपी के अलावे थानाध्यक्षों से रामनवमी जुलूस व आगामी लोकसभा चुनाव पर विधि व्यवस्था के मद्देनजर अब तक की तैयारियों की पड़ताल की। इस दौरान डीआईजी ने पुलिस पदाधिकारियों को कई बिंदुओं पर आवश्यक निर्देश भी दिए। वही उन्होंने कहा कि आदर्श आचार संहिता लागू है। ऐसे में बिना अनुमति कही से भी रामनवमी का जुलूस नहीं निकलेगा। डीआईजी ने कहा कि जुलूस में डीजे बजाने तथा हथियारों के प्रदर्शन पर भी रोक रहेगी। डीआईजी ने पुलिस पदाधिकारियों को रामनवमी के दौरान उपद्रव फैलाने या साजिश रचने वाले शरारती तत्वों तथा अपराधियों की गतिविधि पर नजर रखने का निर्देश दिया। वही उन्होंने रामनवमी जुलूस को शांतिपूर्ण निपटाने के लिए कई आवश्यक निर्देश भी दिए। हालांकि, बक्सर पुलिस की तैयारियों से डीआईजी संतुष्ट दिखे। समीक्षा बैठक में एसपी मनीष कुमार, दोनों अनुमंडलों के डीएसपी, सभी सर्किल इंस्पेक्टरों के अलावे बक्सर टाउन थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा, डुमरांव थानाध्यक्ष अनिशा राणा समेत जिले के सभी थानों के थानाध्यक्ष मौजूद थे। लोस चुनाव की तैयारियों की समीक्षा कर दिए निर्देश।

चुनाव में कोषांगों की जगह सुरक्षित करने के लिए अधिकारी पहुंचे डुमरांव

केटी न्यूज/डुमरांव

चुनाव को लेकर प्रशासनिक सरगर्मी बढ़ गई है। एक तरफ जहां मतदान केन्द्रों को सुरक्षित कर उसकी कमी को दूर किया जा रहा हैए वहीं दूसरी तरफ कोषांगों के गठन और पुलिस बल को ठहने के लिए स्थलों के चयन के लिए निरीक्षण किया जा रहा है। इसको लेकर शनिवार को जिला कल्याण पदाधिकारी ने डुमरांव का दौरा किया। उन्होंने नगर के लगभग एक दर्जन सरकारी व निजी स्कूलों के साथ कॉलेजों निरीक्षण करते हुए संस्था के प्राचार्य से बात की और सारी बातों की जानकारी ली। पुराना भोजपुर मध्य विद्यालय, डुमरांव राज हाईस्कूल कैम्ब्रिज स्कूल, सुमित्रा महिला कॉलेज सहित अन्य का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया की चुनाव को लेकर सारी तैयारी चल रही है। बाहर से पुलिस बल आएंगे उनको ठहराना होए जहां सारी सुविधाएं मौजूद रहे। आगे कोई परेशानी नहीं हो, इसलिए सारी तैयारी की जा रही है। ताकि शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव संपन्न हो सके।

बाबा ब्रह्मेश्वरनाथ तालाब में डूबने से हुई किशोर की मौत

ब्रह्मपुर। शुक्रवार की शाम ब्रह्मपुर के बाबा ब्रह्मेश्वरनाथ शिवमंदिर के पीछे स्थित शिव गंगा सरोवर में अपने दोस्तों के साथ नहा रहे एक 13 वर्षीय किशोर की डूबने से मौत हो गई। इसकी जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों की सूचना पर पहुंची पुलिस तथा स्थानीय प्रशासन ने शाम से ही गोताखोरों के माध्यम से शव की तलाश शुरू करवाई। लेकिन, जब देर रात तक शव का पता नहीं चला तो स्थानीय प्रशासन ने इसकी सूचना बिहटा स्थित एसडीआरएफ की टीम को दी। सूचना पर पहुंची एसडीआरएफ की टीम ने शनिवार को चार घंटे के प्रयास के बाद शव को खोज निकाला। शव निकलते ही मृतक की मां फूलकुमारी देवी समेत पूरा परिवार चित्कार कर उठा। मृतक की पहचान ब्रह्मपुर थाना क्षेत्र के निमेज गांव निवासी संतोष यादव के 13 वर्षीय पुत्र निरंज कुमार के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार वह शिव मंदिर के बगल में ही अपने नाना भोला यादव के घर रहकर पढ़ाई करता था। बताया जाता है कि शुक्रवार की शाम खेलने के दौरान वह अपने चार दोस्तों के साथ तालाब के किनारे पहुंचा तथा सभी नहाने लगे। इसी दौरान निरंजन गहरे पानी में चला गया तथा डूबने लगा। जबतक उसके साथ नहा रहे लड़के कुछ समझते तथा मदद की गुहार लगाते तबतक निरंजन उनकी आंखों से ओझल हो गहरे पानी में समा गया था।

चैत्र नवरात्र में मां काली के दरबार में उमड़ती है भक्तों की भीड़, होती हैं मुरादें पूरी

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव नगर के पश्चिमी छोर पर बने मां काली का मंदिर प्राकृतिक छंटा के गोद मे बसा है। चैत्र नवरात्र के दौरान मां के दरबार में भक्तों की अपार भीड़ होती है। नवरात्र के सप्तमी तिथि को मां कालरात्रि की पूजन वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ की जाती है। इस दौरान हजारों भक्त मां के चौखट पर मत्था टेक अपने मंगल भविष्य की कामना करते है। काली आश्रम में मां काली मंदिर के अलावे नवदुर्गा, शिव-पार्वती, हनुमत लला आदि की सुशोभित प्रतिमाएं स्थापित की गयी है। मां के दरबार मे सुबह-शाम महाआरती का आयोजन होता है। जिसमें भक्त शामिल होते है।

सावन माह के सप्तमी तिथि को मां का वार्षिकोत्सव पूजन मनाया जाता है। जिसमें अपार भीड़ के साथ दूर-दराज से भी श्रद्धालुओं की भीड़ पहुंचती है। मंदिर की महिमा को लेकर बुजुर्ग बताते है कि करीब दो सौ वर्ष पहले बहेलिया समाज ने मंदिर की स्थापना की थी। उस समय दुर्गम रास्तों से गुजरकर मां के दरबार मे पहुंचना पड़ता था। जैसे-जैसे भक्तों की तादाद बढ़ी वैसे-वैसे मां के रास्ते सुगम होते गये। काली आश्रम पंचित समिति द्वारा भव्य मंदिर का निर्माण हुआ। बताया जाता है कि मां के दरबार में शुद्ध मन से मांगी गयी मुरादें पूरी होती हैं। शहरवासी हर शुभ कार्यों से पहले मां के दरबार में माथा टेक शुरूआत करते है। काली आश्रम समिति के अध्यक्ष भगवानजी वर्मा ने बताया कि निशा पूजन के बाद मां काली की एक विशेष पूजा आयोजित की जाती है। उसके बाद कुंवारी कन्याओं का विधि-विधान के साथ पूजन कर महाप्रसाद का भोग अर्पण किया जाता है।

टेस्ट बुक के एमडी ने किया स्कूलों का किया निरीक्षण, किताब व बेंच-डेस्क की ली जानकारी

- निरीक्षण के दौरान किताबों व बेंच-डेस्क की बच्चों से जानकारी ली

केटी न्यूज/डुमरांव

टेस्ट बुक के एमडी सन्नी सिन्हा ने जिले के विभिन्न स्कूलों का निरीक्षण कर बच्चों की पढ़ाई और बैठने के लिए बेंच-डेस्क की जानकारी हासिल की। उन्होंने जहां किताब नहीं गया थाए वहां शीघ्र भेजने का आदेश दिया। इतना ही नहीं कुछ स्कूलों में बेंच व डेस्क की कमी भी मिलीए इस पर हेडमास्टर की क्लास लगी। उन्होंने इस दरम्यान बच्चों से सवाल भी पुछा, किसी का जवाब सही मिला तो किसी का जवाब ही नहीं मिला। उनके आने की सूचना को लेकर स्कूलों में पूरे दिन हड़कंप मचा रहा। उनके साथ डीपीओ मो शारीक डीईओ अनिल द्वेदीए डीपीएम संतोष कुमार भी उनके साथ चल रहे थे। एमडी ने स्कूल में पहुंच कर बच्चों से बात किया। अधिकारियों ने उन्हें बताया कि अभीतक 119 स्कूलों में कोर्स की किताबों को भेजा जा चुका है। शेष बचे स्कूलों में शीघ्र ही किताब पहुंचा दिया जाएगा। कुछ ऐसे स्कूल हैंए जहो किताब अधिक चला गया हैए उस स्कूल से किताबों को मंगाकर उन बच्चों के बीच वितरित कर दिया जाएगा जिन्हें नहीं मिल पाया है। विदित हो कि सरकार का यह प्रयास है कि बच्चों को हर तरह से बेहतर सुविधा मिले। उनकी पढ़ाई किसी भी स्तर से बाधित नहीं हो। बच्चों को सर्वागणिक विकास के लिए सरकार प्रतिबंध है।

लग्न में शादी-विवाह वाले भी करते है खरीदारी, सड़को पर लगा देते है वाहन

फोरलेन पर लगती है सब्जी मंडी, चार घंटे बाधित रहता है आवागमन

- कृषकों और खरीदारों की भीड़ और वाहनों के सड़कों पर ही खड़ा करने से करीब हर रोज चार घंटे राष्ट्रीय राजमार्ग पर आवागमन रहता है बाधित

केटी न्यूज/डुमरांव

अनुमंडल के नया भोजपुर स्थित एनएच 922 फोरलेन मुख्य सड़क पर इन दिनों सब्जी बेचने वालों की भरमार लगी रहती है। लग्न में बारातियों और नाते-रिश्तेदार को ताजी सब्जियां खिलाने की चाह को लेकर शादी-विवाह वाले लोग भी खरीदारी करने पहुंचते है। आसपास के दर्जनों गांवों से आये कृषक अपने खेत मे उपजे सब्जियों को राष्ट्रीय राजमार्ग पर ही रखकर खरीद-बिक्री करते है। कृषकों और खरीदारों की भीड़ और वाहनों के सड़कों पर ही खड़ा करने से करीब हर रोज चार घंटे राष्ट्रीय राजमार्ग पर आवागमन बाधित रहता है। ऐसी स्थिति में अचानक वाहनों के रफ्तार बढ़ने से कभी भी हादसा होने का भय बना रहता है। हादसों से बचाव और सावधानी को लेकर नया भोजपुर के समाजसेवियों ने अनुमंडल प्रशासन से इस मामले में हस्तक्षेप करने की गुहार लगायी है। बताया जाता है कि नया भोजपुर में बाइपास के समीप एक निजी जमीन पर सब्जी मंडी लगता है। सब्जी बेचने वाले कृषक राष्ट्रीय राजमार्ग पर आकर भी अपना कारोबार करने लगे है। जानकारों का कहना है कि इस मंडी में हर रोज करीब लाखों रुपये के सब्जी का थोक कारोबार होता है। इस कारोबार से जुड़े आसपास के दो दर्जन से अधिक गांवों के कृषक अपने खेतों में उपजी सब्जी को छोटे-बड़े वाहनों से लेकर राष्ट्रीय राजमार्ग पर पहुंचते है और करीब चार घंटे तक गुलजार रहने वाली इस मंडी में अपने कारोबार को कर लौट जाते है। इस अवधि में छोटे-बड़े वाहनों के परिचालन में बाधा पहुंचती है और किसी तरह वाहन इस मंडी को पार करते है। इस संबंध में एसडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी ने बताया कि सब्जी मंडी के पास कई बार स्थानीय थाना को लगाया गया। पुलिस बल को देख कृषक और खरीदार सड़क छोड़ देते है लेकिन पुलिसकर्मियों के हटते ही स्थिति ज्यों की त्यों बन जाती है। स्थानीय थाना को गश्ती करने का निर्देश दिया गया है।

मतदान प्रतिशत बढ़ाने को लेकर मतदाताओं को जागरूक करेगी सुमित्रा कॉलेज की छात्राएं

केटी न्यूज/डुमरांव

सुमित्रा महिला कॉलेज की छात्राएं मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए लोगों को जागरूक करेगी। इसको लेकर शनिवार को राष्ट्रीय सेवा योजना के बैनर तले बक्सर संसदीय क्षेत्र में मतदान की दर में गिरावट व निवारण विषय पर एक परिचर्चा का आयोजन किया गया। परिचर्चा की शुरूआत करते हुए कॉलेज की प्राचार्या डॉ शोभा सिंह ने कहा कि बिहार में मतदान की प्रतिशत राष्ट्रीय औसत से बहुत कम है। बक्सर में यह 54 प्रतिशत ही है। यह एक स्वस्थ एवं मजबूत लोकतंत्र के लिए चिंता का विषय है। कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो शंभुनाथ शिवेंद्र ने बिहार से लगातार हो रहे युवाओं के पलायन को इसका मुख्य कारण बताया। वहीं प्रो डॉ सुभाष चंद्रशेखर ने कहा कि जिले में पलायन की समस्या ने गंभीर रूप ले लिया है। बेरोजगारी एवं बदहाल शिक्षा व्यवस्था इसका मुख्य कारण है। राष्ट्रीय सेवा योजना की कैंपस एम्बेसडर चंचल कुमारी, तमन्ना कुमारी, सीनू कुमारी, प्रियांशी कुमारी, ज्योति कुमारी, रानी कुमार, पूजा कुमारी, बेबी कुमारी आदि ने कहा कि बक्सर संसदीय क्षेत्र में मतदान एक जून को है। ऐसे में मतदाताओं को मतदान केंद्रों पर जाने के लिए प्रेरित करना होगा। जिससे मतदान प्रतिशत के साथ लोकतंत्र की मजबूती बढ़ सके। मौके पर प्रो श्रीकांत सिंह, प्रो प्रमोद कुमार सिंह, प्रो मनोज कुमार, प्रो दिनेश सिंह यादव सहित अन्य मौजूद थे।

खरना के साथ 36 घंटे का निर्जला छठ व्रत शुरू, आज पहला अर्घ्य

♦ सप्तमी को उदीयमान सूर्य अर्घ्य के साथ छठ व्रत होगी संपन्न

केटी न्यूज/बिक्रमगंज

लोक आस्था का महापर्व चैती छठ पूजा के दूसरे दिन शनिवार को व्रतियों ने खरना का प्रसाद ग्रहण किया। जिसके बाद 36 घंटों का निर्जला व्रत शुरू हो गया। व्रती रविवार को अस्ताचलगामी व सोमवार को उदयगामी सूर्य को अ?र्घ्य देंगे । खरना पूजा के लिए व्रतियों ने सुबह से ही तैयारी की थी। जो शाम होते ही रोटी और गुड़ की खीर बनाकर विधिवत पूजन व अर्चन कर भगवान भास्कर को भोग अर्पित किया। तत्पश्चात व्रतियों ने भी प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान घर की महिलाओं ने छठी मैया के पारंपरिक गीत गाए। छठ व्रतियों ने बताया कि पहला अर्घ्य से एक दिन पूर्व शाम में स्नान कर विधि विधान से रोटी और गुड़ से बनी खीर का प्रसाद तैयार किया जाता है।

खीर के अलावा मूली, केला भी होता है। इन सभी को साथ रखकर ही पूजा की जाती है। साथ ही मिट्टी के चूल्हे पर आम की लकड़ी जलाकर प्रसाद तैयार किया जाता है। जिसे भगवान भास्कर की पूजा अर्चना करने के बाद प्रसाद ग्रहण करने की परंपरा है। गौरतलब है कि चार दिवसीय इस अनुष्ठान में साफ सफाई और पवित्रता का खास ख्याल रखा जाता है। चैती छठ पर्व का अपना एक ऐतिहासिक महत्व है।

इस पर्व को प्रकृति का त्योहार भी कहा जाता है, रविवार को छठ व्रतियों द्वारा डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। जबकि सप्तमी तिथि सोमवार को उगते हुए सूर्य को अर्घ्य दिए जाने के बाद पूजा का समापन कर व्रत का पारण किया जाएगा। पर्व में व्रती लगातार 36 घंटे का निर्जला व्रत रखती हैं जो अपने आप में बड़ी बात है। छठ पर्व में सूर्य देव की पूजा की जाती है और उन्हें अर्घ्य दिया जाता है जो धरती पर जीवन के स्त्रोत है।

एक नजर

फौजी के घर मे कीमती सामान की चोरी

जहानाबाद। स्थानीय थाना क्षेत्र के डैडी गांव में शुक्रवार की रात अज्ञात चोरो ने एक सीआरपीएफ जवान के घर से भीषण चोरी कर लिया। इस दौरान चोरों ने घर में घुसकर गहने, जेवरात समेत लगभग पांच लाख से अधिक संपत्ति की चोरी कर लिया। मामले का पता गृहस्वामी को शनिवार की सुबह चल पाया। इस संदर्भ में पीड़ित सीआरपीएफ के जवान अरुण कुमार ने बताया कि वह अपने पैतृक गांव में पिछले कुछ दिनों से परिवार के साथ मौजूद नहीं थे। उनके पिता राजेंद्र दास शुक्रवार की शाम घर से खाना खाकर दलान में सोने चले गए घर में अकेली उनकी भाभी सो रही थी रात्रि के अंधेरे में चोरों ने घर के बाहर से सीढ़ी का सहारा लेकर छत से घर में प्रवेश कर गए और घर में सोई भाभी के कमरे को बाहर से बंद कर दिया और ताला तोड़कर उनके घर में रखा सोने चांदी के जेवरात पचास हजार रुपए नगद समेत लगभग 5 लख रुपए से अधिक की संपत्ति को चुरा। चोरी होने का पता उन्हें शनिवार की सुबह चला जब उनकी भाभी जागी बाहर से दरवाजा बंद रहने के कारण वह जोर-जोर से चिल्लाने लगी और उनके पिता घर में प्रवेश किया तो पाया कि अरुण कुमार के दो कमरे का दरवाजा खुला है जानकारी पाकर अपने घर पहुंचकर सीआरपीएफ का जवान ने पाया कि उनके सभी मूल्यवान संपत्ति अज्ञात चोरों ने चुरा लिया है। परिजनों के द्वारा तत्काल इस बात की सूचना घोसी थाने को दी गई जहां मौके पर पहुंची घोसी पुलिस के द्वारा सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है। पीड़ित के द्वारा घोसी थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराया गया है।

बालू लदे ट्रैक्टर की ठोकर से बाइक सवार भाई-बहन समेत तीन जख्मी

आरा। आरा-छपरा फोरलेन पर बड़हरा थाना क्षेत्र के बबुरा पुल के समीप शनिवार की दोपहर तेज रफ्तार बालू लदे ट्रैक्टर ने बाइक में ठोकर मार दी। उसमें बाइक सवार भाई-बहन समेत तीन लोग जख्मी हो गए। घायलों में बाइक चला रहे युवक को गंभीर चोटें आयी है, जबकि भाई-बहन मामूली रूप से जख्मी हो गए। गंभीर रूप से जख्मी युवक का इलाज आरा सदर अस्पताल में कराया जा रहा है। घायलों में कोईलवर गांव निवासी मो.अशरफ अली का पुत्र मो.अख्तर अली, तरारी थाना क्षेत्र के सैदनपुर गांव निवासी मैनुद्दीन अंसारी का पुत्र मेराज अंसारी और सिकरहटा थाना क्षेत्र के चकिया गांव निवासी नौशाद अंसारी की पत्नी खुशबून खातून है। मेराज अंसारी और खुशबून निशा रिश्ते में रिश्ते में सगे भाई-बहन हैं। मो. अख्तर अली खुशबूबन खातून का ननदोई बताया जा रहा है। खुशबून खातून ने बताया कि शनिवार की सुबह वह अपने भाई मेराज अंसारी के साथ अपने गांव से कोईलवर अपने ननद के घर आई थी। वहां से ननदोई मो.अख्तर अली और भाई मेराज अंसारी के साथ डीएलएड की परीक्षा देने सारण जा रही थी। बबुरा पुल के नीचे सामने से आ रहे बालू लदे अनियंत्रित ट्रैक्टर ने उनकी बाइक में ठोकर मार दी। उससे बाइक चला रहे मो.अख्तर अली गंभीर रूप से जख्मी हो गया। वहीं हादसे में वह और उसका भाई मेराज अंसारी मामूली रूप से जख्मी हो गए।

छींटाकशी का विरोध करने पर युवती की पिटाई

आरा। उदवंतनगर थाना क्षेत्र के चौराई गांव में छींटाकशी का विरोध करने पर एक युवती की पिटाई कर दी गई। उसमें वह गंभीर रूप से जख्मी हो गई। उसका इलाज आरा सदर अस्पताल में कराया जा रहा है। जख्मी युवती उसी गांव की संध्या कुमारी बतायी जा रही है। युवती की बड़ी बहन ने बताया कि शुक्रवार की शाम वह चापाकल पर बर्तन धो रही थी। उसी दौरान पड़ोस के एक युवक द्वारा उस पर टोनबाजी की जा रही। तब उसने घर के लोगों से इसकी की। परिजन इस शिकायत को लेकर उदवंतनगर थाना पहुंचे। उसके बाद थाना द्वारा आरोपित युवक और उसके परिजनों को बुलाया गया। वहां समझौते के बाद मामला शांत हो गया। तब युवक द्वारा कहा गया कि मामला खत्म हो गया है। आओ बाइक से घर छोड़ देता हूं। उसके बाद वह उस युवक के साथ बाइक से घर लौटने लगी। उस दौरान युवक द्वारा उसे धक्का देकर खेत में गिरा दिया और उसकी बेल्ट से पिटाई कर दी। उससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गई।

खबरें फटाफट

शराब के साथ महिला कारोबारी को पुलिस ने भेजा जेल

काराकाट (रोहतास)। काराकाट प्रखंड अंतर्गत कछवां थाना क्षेत्र के ग्राम पहरमा लख दलित मोहल्ला से चुलाई शराब के साथ दो दलित महिला कारोबारी को उत्पाद विभाग की पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। जानकारी देते हुए अनुमंडलीय उत्पाद निरीक्षक भिखारी कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर काराकाट प्रखंड अंतर्गत कछवां थाना के ग्राम पहरमा लख दलित मोहल्ला से छापेमारी कर दो दलित महिला कारोबारी के पास से पांच-पांच यानी कुल मिलाकर 10 लीटर चुलाई शराब बरामद किया गया। साथ ही साथ दो दलित महिला कारोबारी को भी गिरफ्तार कर संबंधित मामला दर्ज करते हुए जांच के उपरांत सासाराम जेल भेज दिया गया।

इंटर की छात्रा ने गुस्से में ब्लेड से काटा हाथ, किन्नर ने पहुंचाया अस्पताल

आरा। आरा रेलवे स्टेशन के चार नंबर प्लेटफार्म शनिवार की सुबह गुस्से में इंटर की एक छात्रा ने ब्लेड से खुद का हाथ काट लिया। उससे वह जख्मी हो गयी और खून से लहूलुहान हो गई। उसके बाद वह बेहोश होकर पड़ी थी।तब कुछ किन्नरों द्वारा उसे इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल पहुंचा गया। जख्मी छात्रा अरवल जिले की रहने वाली बताई जा रही है। बताया जा रहा कि शुक्रवार को उसके घर में किसी बात को लेकर उसकी कहासुनी हुई थी। तब वह गुस्से में घर से भागकर आरा रेलवे स्टेशन आ गई थी। शनिवार की सुबह गुस्से में उसने अपने बाएं हाथ के कलाई की नस ब्लेड से काट ली। उससे वह बुरी तरह लहूलुहान हो गई और बेहोश होकर गिर पड़ी।? उसके रास्ते से गुजर रही किन्नरों द्वारा जख्मी हालत उसे इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया।

प्रधानाध्यापक ने बच्चों को पढने के लिए किया जागरूक

मैट्रिक - इंटर परीक्षा में अव्वल आए छात्रों को किया गया सम्मानित

♦ अव्वल आये बच्चों को बीईओ ने उज्वल भविष्य की दी बधाई

केटी न्यूज/बिक्रमगंज (रोहतास)

थाना क्षेत्र अंतर्गत जमोढी पंचायत के उत्क्रमित उच्च मध्य विद्यालय में शनिवार को सत्र 2024 के मैट्रिक व इंटर परीक्षा में अव्वल आए छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। जिस सम्मान समारोह कार्यक्रम में पुरुस्कृत

होते ही छात्रों ने खुशी व्यक्त की। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी सुधीर कांत शर्मा व प्रधानाध्यापक सुनील कुमार सिंह सहित मुखिया मनोज कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उदघाटन किया। वही प्रधानाध्यापक सुनील कुमार के नेतृत्व में शनिवार को विद्यालय परिसर में सम्मान समारोह के साथ अभिभावक गोष्ठी का कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जिसके तहत उन्होंने उपस्थित अभिभावक से आग्रह करते हुए बताया कि वह अपने बच्चों को नियमित विद्यालय आने के लिए हमेशा प्रेरित करें। ताकि उनका पढ़ाई के प्रति उज्वल भविष्य संवर सकें। विगत दिन बिहार विद्यालय परीक्षा समिति द्वारा प्रकाशित रिजल्ट में मैट्रिक परीक्षा में विद्यालय के छात्रा में रौशनी कुमारी 375 अंक के साथ प्रथम, निशा कुमारी 361अंक के साथ सेकेंड, मोनिका कुमारी 343 अंकों के साथ तृतीय जबकि छात्र में 418 अंक के साथ पवन प्रथम स्थान, नितेश सेकेंड स्थान, अजीत कुमार तृतीय स्थान पर रहें। वही इंटर साइंस में प्रियंका कुमारी तृतीय स्थान, तृषा पांडे सेकेंड स्थान जबकि सुदीक्षा मिश्रा 471अंको के साथ रोहतास टॉपर के साथ पूरे बिहार में सातवें स्थान पर रही।

वही इंटर कला परीक्षा में साहिना परवीन प्रथम व छात्र में रितिक कुमार विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त कर सकें। इस अवसर पर सभी छात्रों को प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी सुधीर कांत ने बच्चों को फूल माला पहना विद्यालय प्रसस्ति पत्र,मेडल, कलम,कॉपी देते हुए उन्हें सम्मानित करते हुए बताया बच्चें देश सहित अपने माता-पिता के सहारा है। जिनके भविष्य को संवारने में शिक्षा ही एकमात्र अनमोल रत्न है। जबकि मौके पर विद्यालय प्रधानाध्यापक सुनील ने भी बच्चों को फूल माला पहना, प्रसस्ति पत्र, कलम, कॉपी सहित अंगवस्त्र भेट कर उन्हें मिठाई खिला सम्मानित करते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की।

मौके पर प्रधानाध्यापक ने अभिभावक को संबोधित करते हुए बताया कि बच्चों के माता-पिता उनके उजव्वल भविष्य के लिए उन्हें नियमित विद्यालय भेजें। ताकि वह स्कूल पहुंच अनुभवी शिक्षकों के सहारे अपने भविष्य को संवार सके। वही मुखिया मनोज ने बताया कि उत्क्रमित उच्च मध्य विद्यालय,जमोढी पूरे रोहतास जिला में शिक्षा का अलख जगाते हुए एक नई गाथा लिखा रहा। शिखर पर पहुंच रहा है। अवसर पर विद्यालय के अन्य बच्चों सहित आए अतिथियों को भी स्मानित किया गया। कार्यक्रम अवसर पर विद्यालय शिक्षक भानु प्रताप सिंह, रूबी कुमारी, रीता कुमारी, माधुरी कुमारी, संजय कुमार मिश्रा, सिदेश्वर सिंह, विद्या कुमारी, अनिल कुमार गुप्ता सहित ग्रामीण जनता उपस्थित थें।

नगर पंचायत के गोड़ारी में प्रखंड स्तरीय इंडिया महागठबंधन की हुई बैठक

केटी न्यूज/काराकाट

काराकाट प्रखंड के नगर पंचायत के गोड़ारी में प्रखंड स्तरीय इंडिया महागठबंधन की बैठक आयोजित की गई। बैठक का नेतृत्व शाहाबाद के पोलित ब्यूरो सदस्य अमरनाथ यादव ने किया। बैठक में प्रखड के महागठबंधन के सभी पंचायत के अध्यक्षों व बूथ कमिटियों ने निर्णय लिया कि लोक सभा चुनाव 2024 में काराकाट संसदीय क्षेत्र के प्रत्याशी को जीत दिलाने पर विस्तार से चर्चा की गई। वही सभी बूथों पर जातिगत गणना पर वोटों की समीक्षा किया गया । पंचायत के सभी महागठबंधन के पंचायत अध्यक्षों से लेकर कार्यकताओं ने मतदान का आंकड़ा दिया । किस बूथ पर कितना मत किसको मिलेगा इसकी समीक्षा की गई । बैठक को सम्बोधित करते हुये काराकाट विधायक अरुण कुमार सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुये कहा कि बेरोजगारी चरम पर पहुंच चुकी है, शिक्षा का निजीकरण उद्योग धंधों को बेच कर आरक्षण को समाप्त किया जा रहा है। लोकतंत्र बचाओ, संविधान बचाओ, देश बचाओ पर प्रकाश डाला । कहा कि ईलेक्ट्रोरल बॉन्ड के रास्ते रिश्वत के रूप में चंदा का धंधा , पैसे पर वोट न बेचने,रोजगार नहीं तो वोट नहीं का नारा बुलंद किया । महागठबंधन के कार्यकताओं को लोक सभा चुनाव में महागठबंधन के काराकाट से सांसद प्रत्याशी को जिताने की अपील किया । मौके पर राजेंद्र यादव, हजारी सिंह, हीरालाल सिंह, राजीव रंजन सिंह, धर्मेंद्र सिंह, जगरनाथ प्रसाद, अवधेश सिंह, कामेश्वर सिंह, तुलसी यादव, रामनाथ कुशवाहा, बबन सिंह, डॉ नगेंद्र सिंह, अमित पाल, शिव कुमार शर्मा, भरत भूषण सिंह सहित महागठबंधन के कार्यकर्ता थे ।

मैट्रिक में फेल होने पर छात्र घर से हुआ फरार, परिजन परेशान

काराकाट (रोहतास)। मैट्रिक में फेल होने पर एक युवक घर से फरार हो गया । फरार युवक बुढ़वल गांव निवासी सुरेंद्र रजक का बेटा अमित कुमार बताया जाता है । पिता के बयान पर बेटा का गुम होने की रिपोर्ट थाना में दर्ज कराया गया। जो सुरेंद्र रजक ने दर्ज बयान में बताया है कि मैट्रिक परीक्षा में फेल होने पर 8 अप्रैल से बेटा घर से फरार हो गया। काफी खोजबीन किया गया लेकिन अभी तक कहीं पता नहीं चला तो थाना में गुमसुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराया हूं। थानाध्यक्ष फूलदेव चौधरी ने कहा की मामला संज्ञान में आया है गुमसुदगी का रिपोर्ट दर्ज कर खोज-बिन किया जा रहा है।

स्वीप मतदाता जागरूकता अभियान कार्यक्रम का आयोजन

केटी न्यूज/काराकाट

प्रखंड क्षेत्र के मानिकपरासी एवं किरही पंचायत में स्वीप कार्यक्रम के तहत मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया। उच्च माध्यमिक विद्यालय मानिकपरासी एवं उच्च माध्यमिक विद्यालय किरही,अमौरा में छात्र छात्राओं ने साइकिल रैली निकाल मतदाताओं को जागरूक किया। वही बीडीओ राहुल कुमार सिंह ने बताया कि जिला पदाधिकारी रोहतास नविन कुमार के निर्देश के मतदाताओं को जागरूक करने के लिए विद्यालयों द्वारा स्वीप कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इस कार्यक्रम के तहत उच्च माध्यमिक विद्यालय मानिक परासी और उच्च माध्यमिक विद्यालय किरहीं के छात्र-छात्राओं ने जागरूकता रैली निकाल मतदाताओं को जागरूक किया। कार्यक्रम में अंचलाधिकारी काराकाट,

प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी काराकाट, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी काराकाट, प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी काराकाट, बीपीएम जीविका एंव संबंधित पंचायत के बी एल ओ, विकास मित्र, पंचायत सचिव, पंचायत रोजगार सेवक, किसान सलाहकार,आंगनबाड़ी सेविका, जीविका दीदी, आशा कार्यकर्ता सहित अन्य वरीय पदाधिकारी शामिल थे।

रामनवमी को लेकर भगवा ध्वज से पटा बाजार

केटी न्यूज/बिक्रमगंज

रामनवमी पर्व नजदीक आते ही अनुमंडल क्षेत्र अंतर्गत सभी प्रखंडों के बाजारों में भगवा ध्वजों का बाजार गर्म हो गया है। जिसको लेकर बाजारों में जगह-जगह टेलरों की दुकानों में भगवा ध्वज सिलने का काम युद्धस्तर पर चल रहा है । वहीं कई दुकानों में रेडीमेड झंडे बिक रहे हैं । लोगों में रामनवमी पर्व को लेकर खासा उत्साह नजर आ रहा है। राम नवमी पर्व की तैयारियां युद्धस्तर पर चल रही हैं । पर्व के मद्देनजर राम भक्तों में भगवा ध्वज सिलवाने और उसे घरों व दुकानों की छतों पर लगाने की होड़ मची हुई है । बाजार भी भगवा ध्वजों से सज गया है। दुकानदारों ने भगवा ध्वजों की दुकानें सजा ली हैं, जहां जय श्रीराम लिखे हुए भगवा झंडों की जमकर बिक्री हो रही है। जो दुकानों में 10 से लेकर 200 रुपये तक के भगवा ध्वज उपलब्ध हैं। उधर शहर में सड़कों और छतों में सजावट को 10-10 मीटर तक के भगवा झंडे तैयार कराए जा रहे हैं। राम भक्तों ने कपड़े की खरीदारी कर टेलरों की दुकानों पर सिलवाने को भगवा ध्वजों का आर्डर दे रहें है। रामनवमी पर्व नजदीक आते ही टेलरों की चांदी कट रही है।

किशोर के भाई ने प्रेमिका के परिजनों पर हत्या करने का लगाया आरोप, दी तहरीर

फॉलोअप

- 10 अप्रैल को कमरे में संदिग्ध परिस्थितियों में किशोर का मिला था शव
- सिकंदरपुर कस्बा के डोमनपुरा मोहल्ले के पांडेय टोली का है मामला

केटी न्यूज/ बलिया

सिकंदरपुर कस्बा स्थित डोमनपुरा मोहल्ले के पांडेय टोली के एक कमरे में किशोर के संदिग्ध परिस्थितियों में मिले शव के मामले में मृतक किशोर के भाई ने पुलिस को तहरीर देकर भाई के प्रेमिका के परिजनों पर हत्या करने का आरोप लगाया है। भाई ने हत्या का मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की गुहार लगाई है। अब देखना यह है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हत्या या आत्महत्या किसकी पुष्टि होती है। हालांकि इस मामले में पुलिस सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल व अन्य साक्ष्य संकलन के आधार पर कार्रवाई तेज कर दिया है।

आपको बता दें कि सिकंदरपुर कस्बा के डोमनपुरा पांडेय टोली निवासी सुजीत पाण्डेय उर्फ मोटू 16 वर्ष पुत्र स्वर्गीय त्रिभुवन पाण्डेय उर्फ गाटर का शव 10 अप्रैल की दोपहर उसके करकटनुमा घर में चौकी पर संदिग्ध परिस्थितियों में पड़ा हुआ था। मृतक किशोर के माता-पिता की पहले ही मौत हो चुकी है। मृतक दो भाई हैं, दोनों भाई सोनीपत हरियाणा में रहते थे। मृतक किशोर अपने भाई से सिकंदरपुर जाने की बात कहकर निकला था। लेकिन बुधवार की दोपहर संदिग्ध परिस्थितियों में किशोर का शव कमरे में चौकी पड़ा हुआ था। मृतक किशोर के भाई सुनील पांडेय ने पुलिस को तहरीर देकर भाई के प्रेमिका के परिजनों पर हत्या करने का आरोप लगाया है। उल्लेख किया है कज अक्सर वह

सिकंदरपुर के मिल्की मोहल्ला निवासी एक लड़की से बात करता था। वह अपना मोबाइल भी उसी को दे दिया था। वह मेरे से सिकंदरपुर जाने के लिए कह कर निकला था और नौ अप्रैल को लड़की का फोन भी मेरे ऊपर आया था कि आपका भाई सिकंदरपुर नहीं पहुंचा है। जबकि मेरे आने के बाद पता चला कि मेरा भाई नौ अप्रैल को उसी के साथ सिकंदरपुर में कई जगह घूमते हुए देखा गया है। जबकि 10 अप्रैल को उसका शव संदिग्ध परिस्थितियों में चौकी पड़ा हुआ मिला। उसने आरोप लगाया है कि मेरे भाई की प्रेमिका के परिजनों हत्या कर मेरे ही घर में साक्ष्य छुपाने के उद्देश्य से फेंक दिया है। पीड़ित ने हत्या का मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। उधर, दबी जुबान मोहल्ले के भी लोग यही कह रहे हैं कि प्रेम प्रसंग के चलते ही किशोर की हत्या की गई है। मृतक किशोर का भाई रो-रो कर यही कह रहा है कि मेरा भाई मेरे साथ सोनीपत हरियाणा में रहता था और भी मेरे मोहल्ले के लड़के रहते थे। सूत्र की माने तो पुलिस सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल सहित अन्य साक्ष्य संकलन के आधार पर कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। इस मामले पुलिस जल्द ही खुलासा कर सकती है। इस बाबत सिकंदरपुर थानाध्यक्ष दिनेश कुमार पाठक ने बताया कि जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा जो भी होगा आप सभी को बता दिया जाएगा।

एक नजर

आधा दर्जन से ज्यादा किसानों की अगलगी में सात बीघा गेहूं की फसल जलकर राख

सिकंदरपुर। तहसील क्षेत्र के तेंदुआ गांव में शुक्रवार को भूसा बनाने वाली मशीन की चिंगारी से लगी आग में आधा दर्जन से ज्यादा किसानों की

करीब सात बीघा क्षेत्रफल में खड़ी गेहूं की फसल जल कर नष्ट हो गई। यदि गांव वालों ने ततपरता से आग पर काबू नही पाया होता तो क्षति काफी अधिक हुई होती।जानकारी के अनुसार भूसा बनाने वाली एक मशीन गांव के किसी किसान के खेत में भूसा बना रही थी।इसी दौरान मशीन से निकली चिंगारी उड़ कर किसान मुन्ना सिंह के खेत में पहुंच गई जिससे उसमे आग पकड़ लिया और खड़ी गेंहू की फसल धु धु कर जलने लगी।और तेज हवा बहने के कारण अगल बगल के खेतों में किसान सिलाल राजभर रामचंद्र राजभर सहित करीब आधा दर्जन खेतो में भी आग पकड़ लिया आग लगने की सूचना जैसे ही गांव में पहुची कि ग्रामवासी झुंड के झुंड घटना स्थल की तरफ दौड़ पड़े।घटना स्थल पर पहुंचे ग्रामवासियों ने अथक प्रयास कर करीब एक घंटे के बाद आग पर किसी प्रकार काबू पाया। सूचना दिए जाने पर हल्का लेखपाल स्मृति शर्मा कुछ देर में मौके पर पहुची।और पीड़ित किसानों की सूची बना कर शासन से हर सम्भव सहायता दिलाने का आश्वासन दिया।

भूसा बनाते वक्त मशीन की निकली चिंगारी से 10 बीघा गेहूं की खड़ी फसल जलकर हुई राख

चंदौली। इलिया थाना क्षेत्र के बरांव गांव में शनिवार की दोपहर में रैपर मशीन से भूसा काटते वक्त निकली चिंगारी से बरांव तथा बडौरा गांव के

किसानों की 10 बीघा गेहूं की खड़ी फसल जलकर राख हो गई। वहीं खेत में 50 बीघा गेहूं कटाई किया गया डांठ भी जल गया। सूचना के एक घंटा बाद पहुंची फायर ब्रिगेड के जवानों ने आग बुझाने में कामयाबी हासिल की। मगर तब तक लगभग नौ किसानों के गेहूं की खड़ी फसल जलकर राख हो चुकी थी। बड़ौरा गांव के किसान बसंत लाल का रैपर मशीन से भूसा कटाई का काम चल रहा था। इसी बीच रैपर मशीन से निकली चिंगारी पास के गेहूं की खड़ी फसल पर जा गिरी। और आग धीरे-धीरे आगे बढ़ने लगी जब तक ग्रामीण दौड़कर आग बुझाने में लगे लेकिन आग काफी दूर तक फैल चुकी थी। एक घंटा बाद पहुंचे फायर ब्रिगेड के जवानों ने आग बुझाने में कामयाबी हासिल की मगर तब तक बरांव गांव निवासी किसान शमशेर का 18 बिस्वा, गुप्तनाथ 15 बिस्वा, कृष्णदेव 15 बिस्वा,संतोष गुप्ता 15 बिस्वा,माधव साह 10 बिस्वा, दिनेश मौर्या 10 बिस्वा,भोनू गुप्ता का एक बीघा वहीं बड़ौरा गांव के किसान बसंत लाल का तीन बीघा और जयप्रकाश का डेढ बीघा गेहूं की खड़ी फसल जलकर राख हो गई। वहीं इन किसानों का गेहूं कटाई किया गया लगभग 50 बीघा खेत का डांठ भी आग की भेंट चढ़ गया। अग्निकांड में हुई फसल के नुकसान की सूचना चकिया तहसील को दे दी गई है। किसानों ने अग्निकांड में हुई फसल के नुकसान के क्षतिपूर्ति का मांग किया है।

खबरें फटाफट

अब्बास अंसारी कड़ी सुरक्षा के बीच कासगंज जेल रवाना

गाजीपुर। पूर्व विधायक मुख्तार अंसारी की मौत के बाद कई दिनों तक कालीबाग स्थित कब्र पर श्रद्धांजलि देने वालों का तांता लगा रहा। सपा मुखिया सहित छोटे- बड़े सैकड़ों नेता कालीबाग कब्रिस्तान पहुंचकर श्रद्धांजलि दिए। लेकिन बड़ा बेटा अब्बास अंसारी जनाजे को कंधा तक नहीं दे सका। कोर्ट में बार-बार पेरोल के लिए अर्जी दी गई, लेकिन बाद में किसी तरह पिता की कब्र पर फातिहा पढ़ने के लिए तीन दिन का कस्टडी पेरोल सुप्रीम कोर्ट से मिला, जो शनिवार को समाप्त हो गया। इसके बाद विधायक अब्बास अंसारी को पुलिस कासगंज जेल लेकर चली गई। बता दें कि मऊ विधायक अब्बास अंसारी गाजीपुर जनपद के युसूफपुर फाटक (अपने घर) तीन दिन के कस्टडी पेरोल पर आया था। समय पूरा होते ही शनिवार की सुबह अब?बास अंसारी को कड़ी सुरक्षा के बीच जिला कारागार से कासगंज जेल के लिए रवाना कर दिया गया। बता दें कि बीते दस अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर अब्बास अंसारी को पिता मुख्तार अंसारी के फातिहा कार्यक्रम में भाग लेने के लिए तीन दिन का कस्टडी पेरोल मिला था। जिसके तहत अब्बास अंसारी को गाजीपुर जेल लाया गया, इसके बाद उसे कालीबाग कब्रिस्तान में फातिहा कार्यक्रम में भाग लेने के लिए ले जाया गया।

पुलिस लाइन सभागार में अफसरों संग बैठक कर चुनाव की तैयारियों पर की बात

कानून व्यवस्था में खलल डालने वालों के खिलाफ होगी कड़ी कार्रवाई: डीआईजी

केटी न्यूज/चंदौली

पुलिस उप महानिरीक्षक वाराणसी परिक्षेत्र डा. ओम प्रकाश सिंह ने शनिवार को लोकसभा चुनाव को सकुशल संपन्न कराने के लिए पुलिस लाइन स्थित सभागार में पुलिस के अधिकारियों के साथ बैठक की और चुनाव की तैयारियों का जायजा लिया। कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए पुलिसकर्मियों को पाठ पढ़ाया। कहा कि कानून व्यवस्था में खलल डालने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। जनपद में अंतिम चरण में मतदान होना है। ऐसे में पुलिस प्रशासन अपने कर्तव्य के प्रति सचेत रहे।

डीआइजी ने वीवीआईपी, वीआईपी विजिट, नामांकन व मतगणना की व्यवस्था, बाहर से आने वाली फोर्स की सुविधा को लेकर पुलिस के अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा की। कहा कि पुलिस भ्रामक खबरों का तत्काल खंडन करे।

इंटरनेट मीडिया पर राजनीतिक दलों की ओर से चुनाव प्रचार करने की जानकारी देते हुए बताया कि इंटरनेट मीडिया की मानिटरिंग का काम भी निरंतर चल रहा है। इसके लिए विशेष टीम गठित की गई है। उन्होंने इंटरनेट मीडिया पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश अधिकारियों को दिया। पुलिस अधीक्षक डा. अनिल कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक अनिल यादव, विनय सिंह, समस्त क्षेत्राधिकारी, थाना प्रभारी मौजूद थे।

अंतरराज्यीय सीमा पर जांच के निर्देश

शांतिपूर्ण लोकसभा चुनाव को लेकर बिहार सीमा से उत्पाती आकर चुनाव में खलल ना डाल सकें, इसको लेकर सीमा की सुरक्षा का खाका तैयार करें। बिहार पुलिस से संपर्क कर बैरियर के स्थान व अन्य इंतजाम को पूरा कर लें। अंतरराज्यीय सीमा पर चेकिंग करें। साथ ही चुनाव ड्यूटी में लगाए गए सुरक्षाकर्मियों के रुकने के साथ और भी व्यवस्था को दुरुस्त कर लें। पोलिंग बूथों का चुनाव अफसर निरीक्षण कर लें, ताकि कोई भी कमी न रहने पाए।

असामाजिक तत्वों पर करें कार्रवाई

पुलिस उप महानिरीक्षक डा. ओमप्रकाश सिंह ने निर्देश दिया कि लोकसभा चुनाव को प्रभावित करने वाले असामाजिक तत्वों, अपराधियों पर प्रभावी कार्रवाई करें। हिस्ट्रीशीटर,जिला बदर और अभ्यस्त अपराधियों को पहचान कर उन्हें पाबंद करते हुए आवश्यक कार्रवाई करें। चुनाव से पहले जिले में सभी हथियार जमा करवाएं। अवैध शराब का निर्माण, बिक्री करने वालों पर सख्त कार्रवाई करें। पेशेवर बदमाशों के खिलाफ पुलिस अभियान चलाकर कार्रवाई करें। चुनाव में व्यवधान डालने वालों के सूची तैयार कर ली जाए और उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए।

फ्लाइंग स्क्वायड टीम चेक पोस्ट पर करे सघन जांच

डीआइजी ने कहा कि जनपद में आदर्श आचार संहिता प्रभावी है। सीमा सील कर अंतरराज्यीय जांच चौकी बनाकर वाहनों की सघनता से पड़ताल करें। समय-समय पर जानकारी दें कि आप एक वक्त में एक साथ पचास हजार रुपये से अधिक रकम लेकर न चलें, यदि बहुत आवश्यक है तो कागजात और कारण तत्काल बताएं, अन्यथा पैसा जब्त हो जाएगा।

बूथों का लिया जायजा

डीआइजी ने संवेदनशील बूथों का जायजा लिया। सुरक्षा व्यवस्थाओं को देखते हुए मातहतों को निर्देश दिया। प्राथमिक विद्यालय लौंदा व चंधासी स्थित मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर बूथों पर बिजली, पानी और मतदाताओं के चढ़ने उतरने की व्यवस्थाओं को देखा। बताया कि संवेदनशील और अति संवेदनशील बूथों पर अतिरिक्त फोर्स के साथ अर्द्धसैनिक बलों की तैनाती रहेगी।

पुलिस व पैरामिलिट्री फोर्स ने किया पैदल मार्च

गाजीपुर। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर भांवरकोल क्षेत्र में शनिवार को पुलिस क्षेत्राधिकारी अतर सिंह के नेतृत्व में पुलिस और पैरामिलिट्री फोर्स ने मिलकर पैदल मार्च निकाला। इस कम में क्षेत्र के सुखडेहरा, लोचाईन तथा अवथहीं आदि गांवों में संयुक्त बल व पुलिस ने घनी आबादी और संवेदनशील गांवों से गुजरते हुए पुलिस क्षेत्राधिकारी ने लोगों से संवाद कर असामाजिक तत्वों को कड़ा संदेश दिया। कहा कि चुनाव प्रभावित करने का यदि किसी ने प्रयास किया तो उनकी खैर नहीं। सीओ ने बताया कि यह रूटीन मार्च है जो आगे भी चलता रहेगा। चुनाव में पुलिस को सहयोग करने के लिए पैरामिलिट्री फोर्स एस एस बी की कंपनियां भांवरकोल पहुंच गई है। इस मौके पर सीओ अतर सिंह, थानाध्यक्ष प्रमोद कुमार सिंह, एस आई अश्वनी प्रताप सिंह, आकाश सिंह, नितेश यादव सहित पैरामिलिट्री के जवान शामिल रहे।

होम्योपैथिक चिकित्सा सेवा संघ ने होम्योपैथिक के जनक डा. हैनीमैन की मनाई जयंती

केटी न्यूज/चंदौली

प्रांतीय होम्योपैथिक चिकित्सा सेवा संघ जिला इकाई की ओर से शनिवार को मुख्यालय स्थित एक लान में होम्योपैथिक के जनक डॉक्टर सैमुअल हैनीमैन की जयंती धूमधाम के साथ मनाई गई। जहां पर होम्योपैथिक चिकित्सकों ने उनके चित्र पर माल्यार्पण किया और श्रद्धा सुमन अर्पित कर उन्हें याद किया।

इस दौरान डॉ बृजेश सिंह ने कहा कि शताब्दी होम्योपैथी की है। आज यह सीमित संसाधन में भी विश्व की नंबर दो की चिकित्सा पद्धति बन चुकी है जनहित में यह मानव के विकास की जीवन आवश्यकता है। जिला होम्योपैथिक चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर बजरंग प्रसाद ने कहा कि होम्योपैथिक चिकित्सा लोगों के लिए वरदान साबित हो रही है। इसके जनक डॉक्टर सैमुअल हनीमैन है। उन्होंने ही होम्योपैथी की दवा की खोज की थी, जो लोगों के लिए संजीवनी का काम किया। इस दौरान डॉक्टर इंदु रानी विश्वकर्मा, डॉ राजेंद्र प्रसाद रजक, डॉक्टर राज पाल, डॉक्टर पन्नालाल, डॉक्टर सावित्री, डॉ आलोक गुप्ता, डॉ रूपेश सिंह,डॉ विजय कुमार, त्रिभुवन नारायण उपस्थित रहे।

सड़क हादसे में एक वृद्ध की मौत, छह से अधिक घायल

केटी न्यूज/ बलिया

बांसडीह-मनियर मार्ग पर नारायणपुर नर्सरी के समीप टेंपो और पिकअप में जोरदार टक्कर हो गई। जिसमें एक वृद्ध की मौत हो गई। जबकि आधे दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। आसपास के लोगों ने सभी घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उपचार चल रहा है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। मृतक की शिनाख्त बांसडीह कोतवाली क्षेत्र के केवटलिया निवासी भोला साहनी 75 वर्ष के रूप में की गई। आपको बता दें कि टेंपो बांसडीह से सवारी लेकर मनियर की ओर जा रही थी। जैसे ही नारायणपुर नर्सरी के समीप पहुंची कि सामने से आ रही पिकअप से जोरदार टक्कर हो गई। जिसमें बांसडीह कोतवाली के केवतलिया निवासी भोला साहनी 75 वर्ष की मौके ही मौत हो गई। जबकि इसी गांव की उमा देवी 50 वर्ष पत्नी ओमप्रकाश, सरस्वती देवी 70 वर्ष पत्नी स्व बच्चा साहनी घायल हो गई। इसके अलावा चार-पांच लोगों को मामूली चोटें आई। जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद छोड़ दिया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया।

सुरेमनपुर स्टेशन के सकुर्लेटिंग एरिया के किराना दुकान के पास की है घटना

नकाबपोश बदमाशों ने ई-रिक्शा व टेम्पो चालक को मारी गोली, जख्मी

- एक ही बाइक पर मुंह बांधकर तीन की संख्या में पहुंचे थे बदमाश

केटी न्यूज/बैरिया

थाना क्षेत्र के सुरेमनपुर स्टेशन के सकुर्लेटिंग स्थित किराना की दुकान के पास कुछ खा रहे ई-रिक्शा व टेम्पो चालक को एक ही बाइक पर तीन की संख्या में शुक्रवार की रात करीब साढ़े नौ बजे पहुंचे नकाबपोश बदमाशों ने गोली मार दिया। संयोग अच्छा रहा कि गोली दोनों के पैर में जा लगी। जिससे वे लोग बाल-बाल बच गए। उधर, लोग कुछ समझ या कर पाते कि बदमाश तेज रफ्तार से भाग निकले। घटना के बाद अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को सीएचसी सोनबरसा पहुंचाया।

जहां से हालत नाजुक देख चिकित्सक ने दोनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। घायलों का नाम व पता अरमान 18 वर्ष पुत्र कयामुद्दीन निवासी७ कोटवा थाना बैरिया जिला बलिया तथा विशाल पासवान 24 वर्ष पुत्र भूवाली पासवान निवासी कोटवा थाना बैरिया जनपद बलिया है। सूत्रों की माने तो घटना के पीछे आशनाई का मामला प्रकाश में आ रहा है। बदमाश किसी और को मारने गए थे, लेकिन ई-रिक्शा व टेम्पो चालकों को जा लगी। खैर मामला जो भी पुलिस छानबीन में जुटी हुई है। आपको बता दें कि बैरिया थाना क्षेत्र के कोटवा गांव निवासी मोहम्मद अरमान एवं विशाल कुमार पासवान शुक्रवार की रात करीब साढ़े नौ बजे सुरेमनपुर रेलवे स्टेशन के सकुर्लेटिंग एरिया स्थित किराना की दुकान के पास कुछ खा रहे थे। इसी बीच एक ही बाइक पर तीन की संख्या में पहुंचे नकाबपोश बदमाशों ने दोनों को गोली मार दिया। जिससे दोनों घायल हो गए। अभी लोग कुछ समझ या कर पाते कि तब तक बदमाश आंखों से ओझल हो चुके थे। घायलों ने बताया कि हम लोग पहचान नहीं सके। वह कौन थे? क्यों गोली मारी? हम लोग समझ नहीं पाए। बताया कि हम लोगों की किसी से दुश्मनी भी नहीं है।उनका मकसद क्या था यह पता नहीं। कहा कि हम लोग ई-रिक्शा व टेंपो चलाकर अपने-अपने परिवार का भरण पोषण करते हैं।

बैरिया पुलिस करेगी कार्रवाई

बैरिया। राजकीय रेलवे पुलिस गोरखपुर पुलिस अधीक्षक डॉ.अवधेश सिंह ने पुछे जाने पर बताया कि घटना स्थल बैरिया थाना क्षेत्र में है,इसलिए बैरिया पुलिस को ही प्राथमिक की दर्ज कर कार्रवाई करनी चाहिए। मेरी बात बलिया के पुलिस अधीक्षक से हुई है,इसके लिए टीम गठित कर दी गई है बदमाश जल्दी ही पकड़े जाएंगे।

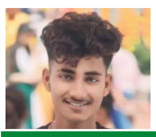

थानों में बैठक और सड़क पर मार्च का चल रहा दौर, समन्वय बनाने में जुटी पुलिस

♦ प्रभारी निरीक्षक दक्षिणटोला द्वारा ग्राम चौकीदारों की संगोष्ठी का किया गया अयोजन

केटी न्यूज/मऊ

आगामी लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 को लेकर जनपद मऊ में शाति/सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ बनाये रखने के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक इलामारन जी. के निर्देशन में जनपद में क्षेत्राधिकारी/ प्रभारी निरीक्षकों के नेतृत्व में भारी संख्या में अर्द्धसैनिक बल व जनपदीय पुलिस बल के साथ संवेदनशील / मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों, बाजार, भीड़-भाड़ वाले स्थानों एवं महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों के आस-पास रूट मार्च/ एरिया डामिनेशन कर आम शांति/ सुरक्षा व्यवस्था जनमानस में आश्वस्त किया गया। इसी शुक्रवार को थाना कम में दक्षिणटोला में राजकुमार सिंह, प्रभारी निरीक्षक दक्षिणटोला द्वारा ग्राम चौकीदारों की संगोष्ठी का अयोजन किया गया।

जिसमें काफी संख्या में ग्राम चौकीदार उपस्थित रहे। इस दौरान सभी से वार्ताकर उनकी समस्याओं के बारे में अपने-अपने ग्राम सभा में आदि के सम्बन्ध में पूछा गया तथा

लोक सभा चुनाव सामान्य निर्वाचन 2024 के बिंदुओं पर प्रकाश डालते हुए कहा सभी को अवगत कराया गया। साथ ही साथ अपने अपने गांवो में छोटी छोटी घटनाओं ,राजनीतिक विद्वेष, अवैध शराब / गांजा, सहित विभिन्न अपराधो पर दृष्टि बनाये रखने तथा अतिशीघ्र सूचित करने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही साथ थाना घोसी, थाना मधुबन व थाना कोपागंज में प्रभारी निरीक्षकों द्वारा पीस कमेटी मीटिंग का आयोजन किया गया। जिसमें उपस्थित संभ्रान्त व्यक्तियों, विभिन्न धर्मो के गुरूओं/ मौलवियों को शासन से प्राप्त आदेशों निदेर्शों से अवगत कराया गया तथा आगामी त्यौहारों को सकुशल सम्पन्न कराने को लेकर वातार्लाप किया गया तथा समस्याओं को सुना गया एवं आगामी त्यौहारों को शांतिपूर्वक, आपसी भाईचारे एवं सौहार्द के वातावरण में 2024 के विभिन्न बिन्दुओं पर विभिन्न अपराधों पर सतर्क मनाने की अपील की गयी।

एक नजर

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं खंड शिक्षा अधिकारी ने अभिभावकों एवं छात्रों को दिलाया संकल्प

मऊ। लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 के दृष्टिगत स्वीप कार्यक्रम के तहत आज जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संतोष कुमार उपाध्याय एवं खंड

शिक्षा अधिकारी धर्मेंद्र कुमार के नेतृत्व में विकासखंड रानीपुर के कंपोजिट विद्यालय कमथरी एवं शिक्षा क्षेत्र घोसी के कंपोजिट विद्यालय सिपाह में अभिभावकों एवं छात्र छात्राओं के साथ ही शिक्षकों को भी मतदान हेतु शपथ दिलाई गई। इस दौरान जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं खंड शिक्षा अधिकारी ने लोगों को मतदान के महत्व के बारे में बताते हुए शत प्रतिशत मतदान करने हेतु प्रयास करने की अपील भी की। इस दौरान जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं खंड शिक्षा अधिकारी के नेतृत्व में मतदाता जागरूकता रैलियां भी निकाली गई।इस पूरी प्रक्रिया के दौरान छात्र, अभिभावक, शिक्षकों सहित क्षेत्र के विशिष्ट गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे।

स्वीप कार्यक्रम में मतदाता जागरूकता के लिए मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन

गाजीपुर। जिला निर्वाचन अधिकारी आर्यका अखौरी के नेतृत्व में जनपद में चल रहे स्वीप कार्यक्रम में मतदाता जागरूकता अभियान के तहत

राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय गाजीपुर में मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय की छात्राओं ने अपनी हथेलियों पर मतदाता जागरूकता संबंधी विभिन्न स्लोगन का अंकन मेहंदी से लिखकर किया। इस मौके पर प्राचार्य प्रो. अनिता कुमारी ने विजेता प्रतिभागियों की घोषणा की तथा एक जून 2024 को होने वाले मतदान में बढ़- चढ़कर प्रतिभा करने और जनपद का मतदान प्रतिशत 75 प्रतिशत से ऊपर करने का आह्वान किया। मतदाता पहचान पत्र नहीं होने पर निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कोई भी पहचान पत्र देकर मतदान कर सकते हैं स्वीप-कोऑर्डिनेटर डा. अमित यादव ने बताया कि नामांकन के पूर्व तक छात्राएं, जो 18 वर्ष पूरी कर चुकी है। वह अभी फॉर्म-6 भरकर अथवा ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराकर मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कर सकती है। सहायक स्वीप को-ऑर्डिनेटर डा. हरिओम ने बताया कि यदि किसी व्यक्ति के पास मतदाता पहचान पत्र नहीं है, तो भी मतदाता सूची में नाम होने पर वह निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित अन्य पहचान पत्रों में से किसी को दिखाकर मतदान कर सकते हैं। प्राचार्य प्रो. अनीता कुमारी छात्राओं सहित सभी उपस्थित शिक्षक कर्मचारीयों को मतदान की शपथ दिलाई। इस मौके पर डॉ. नेहा कुमारी, डॉ. शशि कला, डॉ. निरंजन, डॉ. गजनफर सईद, डा. शिवानी आदि मौजूद रही। मतदाता जागरूकता अभियान के तहत जनपद में परमानंद, मनोरमा देवी, महिला महाविद्यालय, इब्राहिमपुर कला गंगौली, पीजी कालेज, गोरा बाजार गाजीपुर, हिंदू पीजी कॉलेज जमानियां में भी मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत मेंहदी प्रतियोगिता एवं मतदाता शपथ कार्यक्रम आयोजित किया गया।

खबरें फटाफट

विश्व हिंदू महासंघ ने विशाल भंडारे का किया आयोजन

गाजीपुर। मां कामाख्या धाम परिसर में शनिवार को पंचमी के दिन विश्व हिंदू महासंघ भारत द्वारा विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें हजारों की संख्या में कामाख्या धाम पधारे भक्तों ने मां के दर्शन के पश्चात प्रसाद ग्रहण किया। पूर्व नियोजित कार्यक्रम के अनुसार विश्व हिंदू महासंघ भारत के पदाधिकारीयो द्वारा मां कामाख्या धाम परिसर में शनिवार के सुबह नौ बजे से विशाल भंडारे के तहत पूड़ी, सब्जी और बुनिया को प्रसाद के तौर पर वितरण किया गया जिसमें दर्जनों की संख्या में युवाओं द्वारा प्रसाद ग्रहण करने पहुंचे भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया। उक्त अवसर पर डॉ. रजनीश सिंह, पप्पू सिंह, राहुल पांडेय, विपिन कुमार, राकेश यादव, निर्भय, चंद्रशेखर, जयप्रकाश, सोनू सिंह, मुकेश, योगेश, जयराम आदि लोग शामिल रहे।

मामूली विवाद को लेकर छह गांव से 12 लोगों का पुलिस ने किया शांति भंग में चालान

गाजीपुर। दुल्लहपुर थाना क्षेत्र के कोठिया गांव में सुरेंद्र चौहान और बिंदु चौहान का शांतिभंग में चालान किया गया। अकबर और पप्पू वर्मा का आपसी विवाद को लेकर शांति भंग में चालान किया गया। बखरा गांव में जमीनी विवाद को लेकर एक पक्षीय विनोद राम का शांति भंग में चालान किया। धर्मागतपुर गांव में आपसी विवाद को लेकर नूर मोहम्मद और समीम का शांति भंग में चालान किया गया। परसौली गांव में अजय यादव और वकील यादव का जमीनी विवाद में शांति भंग का चालान किया। भूड़कुड़ा थाना क्षेत्र के मंझनपुर गांव में एक युवक के मारपीट करने के आरोप में एक पक्षीय पुलिस ने अजय कुमार, रितेश और धर्मेंद्र कुमार का शांति भंग में चालान किया। दुल्लहपुर थाना अध्यक्ष राजेश बहादुर सिंह ने बताया कि छः गांव से 12 लोगों का शांति भंग में चालान किया गया।

मुख्यमंत्री ने मुरादाबाद से भाजपा उम्मीदवार कुंवर सर्वेश सिंह के पक्ष में की जनसभा

राजनीति का अपराधीकरण विकास में सबसे बड़ा बैरियर: सीएम योगी

♦ मुरादाबाद के सांसद पर बरसे योगी, बोले-वह कहता है कि हम कुछ भी ऐसा नहीं बोलेंगे, जो हिंदू समाज को अच्छा लगे

♦ यूपी में पैसे के अभाव में कोई उपचार से वंचित नहीं रहता: योगी

♦ सीएम ने विपक्ष पर मढ़ा आरोप, माफिया के सामने नाक रगड़ने वाले सुरक्षा नहीं दे सकते

केटी न्यूज/बढ़ापुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राजनीति का अपराधीकरण और माफिया प्रवृत्ति के तत्वों को प्रश्रय देना विकास में सबसे बड़ा बैरक है। 1980 में मुरादाबाद में भयंकर दंगा हुआ था। दर्जनों लोग मारे गए थे। लोगों ने उस समय से 2017 तक रिपोर्ट दबाकर रखी थी। मैंने इसकी जांच शुरू कराई तो दंगा कराने वालों के चेहरे उजागर हो गए। निर्दोष व्यापारी, हिंदू, सिख मारे गए थे पर कोई पूछने वाला नहीं था। 2016 में सहारनपुर में भी सिख विरोधी दंगा हुआ था पर दंगाई आज जान की भीख मांगते हुए छिपे-छिपे फिर रहे हैं।

भाजपा ने विकास व सुशासन का मॉडल दिया है। आज यूपी में न कर्फ्यू है, न दंगा है, यहां सब चंगा है। कर्फ्यू का स्थान अब कांवड़ यात्रा ने ले लिया है। उक्त बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहीं। उन्होंने शनिवार को मुरादाबाद लोकसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी कुंवर सर्वेश सिंह के पक्ष में जनसभा कर उन्हें चुनाव जिताने की अपील की। सीएम योगी ने मुरादाबादवासियों से मोदी जी को भी तीसरा कार्यकाल देने का आह्वान किया। सीएम ने कहा कि 2014 के पहले देश में गरीब भूखों मरता था। आज 80 करोड़ गरीबों को राशन मिल रहा है। कोई गरीब बीमार हो जाता था तो परिवार तबाह हो जाता था। यूपी में हमने व्यवस्था की है कि जिसके पास आयुष्मान कार्ड नहीं है, सांसद-विधायक या सामान्य आदमी भी पत्र लिख देता है तो सीधे उसके अकाउंट में पैसा भेज दिया जाता है यानी पैसे की कमी के कारण कोई उपचार से वंचित न रहने पाए। यूपी में केवल सादी दाल नहीं होगी, दाल में तड़का भी होगा। 10 करोड़ लोगों को फ्री में सिलेंडर मिले हैं तो हमने तय किया है कि यूपी में होली-दीवाली फीकी नहीं होगी, फ्री में एक-एक सिलेंडर भी देंगे।

माफिया के सामने नाक रगड़ने वाले सुरक्षा नहीं दे सकते

सीएम ने कहा कि कांग्रेस, सपा व बसपा के एजेंडे में विकास व गरीब कल्याण नहीं था। आस्था से खिलवाड़ करना यह जन्मसिद्ध अधिकार समझते थे। अपराधी व माफिया को गले का हार बनाकर जनता, बेटी-व्यापारियों की सुरक्षा में सेंध लगाते थे। भाजपा की सरकार जो कहती है, करके दिखाती है। अब माफिया-अपराधी जेल में हैं या जहन्नुम में। किसी बेटी-व्यापारी को धमकी देने की कोशिश अब कोई नहीं कर सकता है, क्योंकि उसे परिणाम मालूम है। यह सुरक्षा भाजपा ही दे सकती है। वे लोग यह सुरक्षा नहीं दे सकते हैं, जो माफिया के सामने नाक रगड़ते थे। बड़े-बड़े माफिया जिनकी कभी तूती बोलती थी, आज वे घिघियाते थे। उनकी हालत देख रहे हैं। कहते हैं कि जान बख्श हो, ठेली पर सब्जी लगाकर पेट भर लेंगे, लेकिन किसी की जमीन पर कब्जा नही करेंगे।

लखनऊ व दिल्ली में बैठी सरकार आपके हितों की चिंता करती है

सीएम योगी ने कहा कि मुरादाबाद का किसान हो या नौजवान, बेटी हो या व्यापारी, हर एक व्यक्ति इसलिए सुरक्षित है, क्योंकि आपके हितों की चिंता करने वाली सरकार दिल्ली और लखनऊ में बैठी है। हम जब अच्छा निर्णय लेते हैं तो अच्छा परिणाम भी आता है, जब बुरा निर्णय लेते हैं तो उसका खामियाजा भी भुगतना पड़ता है। सपा का सांसद कहता था कि मैं भारत मां की जय नहीं बोलूंगा। हम कुछ भी ऐसा नहीं बोलेंगे, जो हिंदू समाज को अच्छा लगे पर मैं बता देना चाहता हूं कि भारत की आस्था के साथ खिलवाड़ की छूट किसी को नहीं दी जा सकती है।

मुरादाबाद को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के हो रहे कार्य

सीएम ने कहा कि हमने यहां पहले ही मेडिकल कॉलेज दे रखा है। मुरादाबाद को विकास प्रक्रियाओं से जुड़ा देख अच्छा लगता है। कुंवर सर्वेश सिंह जब सांसद थे, तब उन्होंने एक कार्यक्रम आयोजित किया था। उस कार्यक्रम में आने के बाद मांग की थी कि मेरे मुरादाबाद में विश्वविद्यालय होना चाहिए। हमने गुरु जंभेश्वर के नाम पर मुरादाबाद को विश्वविद्यालय दे दिया है। मुरादाबाद में ओडीओपी व हस्तशिल्पियों को बढ़ाने के कार्यक्रम हो रहे हैं। मुरादाबाद को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के कार्य हो रहे हैं। दिल्ली से मुरादाबाद की दूरी को जोड़ने के लिए फोरलेन के कार्य हो रहे हैं। हम लोग विकास की बड़ी-बड़ी परियोजना लेकर आए हैं।

इस अवसर पर मुरादाबाद से भाजपा प्रत्याशी कुंवर सर्वेश सिंह, विधायक कुंवर सुशांत सिंह, मुरादाबाद के महापौर विनोद अग्रवाल, एमएलसी जयपाल सिंह व्यस्त, डॉ. हरि सिंह ढिल्लो, बिजनौर के भाजपा जिलाध्यक्ष भूपेंद्र चौहान आदि मौजूद रहे।

डीएम बोली- अपना फसल क्रय केंद्र पर ही किसान बेचे

गाजीपुर। डीएम आर्यका अखौरी ने कृषि अधिकारियों के साथ फतेहुल्लापुर क्षेत्र के एक किसान के गेहूं के खेत में क्रॉप कटिंग कराया। क्राप कटिंग प्रयोग के आधार पर जनपद में फसलों की औसत उपज और उत्पादन के ऑकड़े तैयार किए जाते हैं। इससे उत्पादन की सटीक आकलन प्राप्त की जाती है। क्राप कटिंग के प्रयोग के आधार पर ओलावृष्टि, भारी वर्षा एंव अन्य नुकसान से फसलों की बीमा की राशि निर्धारित की जाती है। इसी सिलसिले में आज जिलाधिकारी आर्यका अखौरी की उपस्थिति में ग्राम फतेउल्लाहपुर के निवासी फेकू राम के खेत का क्रॉप कटिंग कराया गया। जिलाधिकारी ने खेत का नक्शा एवं भू-अभिलेखों की जांच करते हुए काश्ताकार से बोए हुए फसल की जानकारी ली। क्रॉप कटिंग 43.3 वर्ग मीटर की गई, जिसमें 12.840 किग्रा गेहूं निकला। इस क्रम में कुल टोटल की दर से 36 कुंतल प्रति हेक्टेयर इस क्राफ्ट कटिंग के दौरान गेहूं निकला। जिलाधिकारी ने किसानो को अपने नजदीकी क्रय केन्द्रो पर फसल बेचने की सलाह दी। जिससे कि उन्हे अपने फसल का उचित मूल्य मिल सके। उन्होने किसान बन्धु से आग्रह किया कि किसी भी बिचौलियों के बहकावे न आये। जिलाधिकारी ने जनपद के सभी किसानो से अपने-अपने खेतो में पराली न जलाने की अपील की। मौके पर तहसीलदार सदर, कानून-गो अपर सांख्यिकी अधिकारी अनुराग जगत श्रीवास्तव, जिला कृषि अधिकारी उमेश कुमार मौजूद रहे।

बैसाखी के अवसर पर नाका हिंडोला स्थित गुरुद्वारे पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

रक्षा के लिए हुई थी खालसा पंथ की स्थापना: सीएम

♦ सीएम ने गुरु ग्रंथ साहिब के समक्ष टेका मत्था, प्रदेशवासियों को दी शुभकामनाएं

केटी न्यूज/लखनऊ

गुरु गोविंद सिंह महाराज ने वर्ष 1699 में देश और धर्म की रक्षा के लिए, शक्तिपुंज के रूप में खालसा पंथ की स्थापना की, जो आज दुनिया में बिना रुके, डिगे, झुके धर्म की ध्वज पताका को गौरव के साथ आगे बढ़ाने का कार्य कर रहा है। बैसाखी का पावन पर्व खालसा पंथ की स्थापना दिवस के रूप में एक नई प्रेरणा और प्रकाश का स्त्रोत है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को बैसाखी के अवसर पर राजधानी के नाका हिंडोला स्थित गुरुद्वारे में आयोजित कार्यक्रम में कही। इससे पहले उन्होंने गुरु ग्रंथ साहिब को मत्था टेका और प्रदेशवासियों संग सिख भाइयों-बहनों को बैसाखी की हार्दिक बधाई देते हुए शुभकामनाएं दी। इस दौरान उन्हें अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। वहीं उन्होंने भी प्रधान सेवादार गुरुद्वारा नजरबाग अयोध्या बाबा महेंद्र सिंह, गुरुनानक विद्यालय चंदन नगर की प्रिंसिपल रंजित कौर, गुरु नानक गर्ल्स इंटर कॉलेज बांसमंडी की प्रिंसिपल निशा तिवारी, खालसा इंटर कॉलेज के प्रिंसिपल वीरेंद्र सिंह को अंगवस्त्र पहनाने के साथ स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राजधानी लखनऊ सिख गुरुओं की तमाम स्मृतियों का केंद्र है। यहां पर गुरु तेग बहादुर महाराज आए थे और कुछ दिन गुजारे थे। उन्होंने कहा कि हम जब तक गुरु परंपरा का अनुसरण और आदेशों का पालन करेंगे, हम आगे बढ़ते रहेंगे। साथ ही सफलता की नई ऊंचाइयां प्राप्त होंगी। ऐसे में हमें गुरु परंपरा का अक्षरशः पालन करते हुए खालसा पंथ की स्थापना के उद्देश्य को पूरा करने के लिए सदैव कार्य करना है।

कार्यक्रम में प्रदेश सरकार के मंत्री सरदार बलदेव सिंह औलख, बीजेपी महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी, बीजेपी के वरिष्ठ नेता नीरज सिंह, गुरुद्वारा कमेटी के अध्यक्ष सरदार राजेंद्र सिंह बग्गा आदि मौजूद रहे।

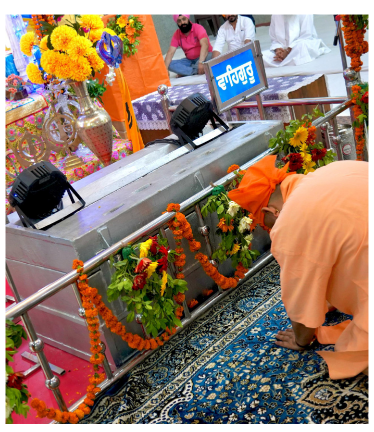

देश और धर्म की रक्षा के लिए गुरु गोविंद सिंह महाराज का योगदान प्रेरणा का केंद्र

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज का दिन हम सभी के लिए एक नई प्रेरणा का है, क्योंकि गुरु गोविंद सिंह महाराज ने देश और धर्म की रक्षा के लिए एक लीला रचते हुए खालसा पंथ की स्थापना की, जो एक नए पथ के सृजन का आधार बना। साथ ही यह दिन पूरे समाज के लिए स्मरणीय हो गया। गुरु गोविंद सिंह महाराज और सिख गुरुओं ने देश के साथ धर्म की रक्षा के लिए अनके योगदान दिये, जो आज और भविष्य के लिए भी हमारी प्रेरणा का एक महत्वपूर्ण केंद्र बिंदु है। सीएम योगी ने कहा कि सिख बंधुओं की मांग पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 26 दिसंबर को वीरबाल दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया। हम सभी इसका अभिनंदन करते हैं। यह हमारे युवाओं के लिए एक नई प्रेरणा है, जो देश और धर्म के लिए योगदान देगा, समाज उसके प्रति इसी रूप में नतमस्तक होगा। हम सभी देश के विभाजन की कीमत को जानते हैं क्योंकि गुरु नानक देव के पावन स्थल करतारपुर साहिब पर जाने के लिए काफी तकलीफों का सामना करना पड़ता था।

सुभाषितम्

शरीर को स्वस्थ रखना हमारा कर्तव्य है, वरना हम अपने दिमाग को स्वच्छ और मजबूत नहीं रख पाएंगे। - गौमत बुद्ध

करोड़ों के घोटालेबाज कुलगुरु

मध्य प्रदेश के राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलगुरु को करोड रुपए के गबन और घोटाले के आरोप में, पुलिस द्वारा फरारी के कई दिनों बाद उन्हें छत्तीसगढ़ के रायपुर से गिरफ्तार किया है। कुलगुरु को भोपाल लाया गया, न्यायालय ने उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। तथाकथित कुलगुरु ने छात्रों की फीस में बड़ा घोटाला किया। विश्वविद्यालय के बैंक खाते से रकम निकालकर अन्य खाते में ट्रांसफर करने फर्जी दस्तावेज तैयार कर करोड़ों रुपए का घोटाला किया है। 2017 से लेकर अभी तक करोड़ों रुपए के खरीदी और निर्माण घोटाले की अभी जांच नहीं हुई है। यदि इसकी जांच होगी तो यह घोटाला विश्वविद्यालयों के इतिहास का सबसे बड़ा घोटाला साबित होगा। मध्य प्रदेश सरकार ने कुलपति को कुलगुरु का पद नाम दिया है। यदि ऐसे कुलगुरु होंगे, तो भगवान ही मालिक हैं. 2017 में जब उनकी पहली बार नियुक्ति हुई थी। तब इन्होंने कहा था कि मैं सेवा करने के लिए आया हूं। उन्होंने बड़ा दावा करते हुए कहा था,हमारा मकसद छात्र हित है, नाकि स्वहित है. इन आदर्शवादी कुलगुरु की नियुक्ति राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कि निकटता के कारण हुई थी। तत्कालीन राज्यपाल ओम कोहली ने 2017 में उनकी नियुक्ति की थी। राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में 2000 छात्र पढ़ते हैं। इसके अलावा 375 इंजीनियरिंग कॉलेज और टेक्निकल कॉलेज विश्वविद्यालय से एफिलेटेड हैं। इसमें भी हजारों छात्र-छात्राएं शिक्षारत हैं. सरकार और संघ का आशीर्वाद होने के कारण प्रतिवर्ष करोड़ों रुपए के घपले और घोटाले इस विश्वविद्यालय में होते रहे हैं। भ्रष्टाचार की जो गंगा इस विश्वविद्यालय से निकल रही थी। उसमें सरकार और संघ के लोग भी उपकृत हो रहे थे। डॉ. सुनील कुमार को नियम विरुद्ध कुलपति बनाया गया था। यह सरकारी सेवा में थे, तथा इन्हें पढाने का कोई अनुभव नहीं था। यह कुलपति बन ही नहीं सकते थे। भाजपा के शासन में जिसे संघ और सरकार का आशीर्वाद मिल जाए, उसे वह हर पद मिल जाता है। जिसके लिए वह सक्षम नहीं होता है। यही कुल गुरु डॉक्टर सुनील कुमार के साथ हुआ। 2017 में नियम विरुद्ध वह कुलपति पद पर नियुक्त कर दिए गए। भ्रष्टाचार की गंगा में बहते हुए उन्होंने करोड़ों रूपया कमाया। 2021 में तत्कालीन राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने उन्हें दूसरी बार राज्यपाल नियुक्त कर दिया। दूसरी बार जब कुलपति बनाए गए थे। तब भी उनके ऊपर भ्रष्टाचार के बड़े-बड़े आरोप थे। इसी से अंदाजा लगाया जा सकता है, भ्रष्टाचार की इस गंगोत्री में किस-किस ने स्नान किया है। यह पता लगाया जाना भी जरूरी है। अकेले डॉ सुनील कुमार ही इसके दोषी नहीं है। सही मायने में केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय ईडी को इस मामले की जांच करनी चाहिए। मध्य प्रदेश सरकार को भी यह मामला ईडी को जांच के लिए सौंपना चाहिए। तब जाकर राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में 2017 से लेकर 2024 के बीच में हुए घपले घोटाले सामने आ सकेंगे। इसका पैसा किस-किस के पास गया है, यह भी उजागर हो सकेगा। भला हो उन छात्रों का, जिन्होंने कुलपति के भ्रष्टाचार के खिलाफ मोर्चा खोला, संघ का ही एक अनुवांशिक संगठन कुलपति डॉक्टर सुनील कुमार के विरुद्ध आंदोलन रत हो गया। बड़े दबाव में जांच की कार्रवाई हुई। जिसमें अभी केवल एक मामला ही उजागर हुआ है। विश्वविद्यालय के खाते से अन्य खाते में फर्जी तौर पर रकम ट्रांसफर करके जो घोटाला किया गया, वह लगभग 20 करोड रुपए करीब का है। यह एक छोटा सा गबन मामला है। विश्वविद्यालय की 2017 से लेकर अभी तक के वित्तीस मामलों की जांच कराई जाएगी, तो इसमें निर्माण कार्यों में और खरीदी में करोड़ों रुपए के घोटाले हर साल देखने को मिलेंगे। जिन कॉलेजों को विश्वविद्यालय द्वारा एफीलिएशन दिया गया है। उनसे भी प्रति कॉलेज लाखों रुपए की रिश्वत ली गई है। परीक्षा में भी भारी गड़बड़ी हुई हैं। प्रतिवर्ष इसमें भी करोड़ों रुपए की रिश्वत लिए जाने की चचाएं विश्वविद्यालय परिसर में हो रही हैं। विश्वविद्यालय की परीक्षाएं गोपनीय तरीके से होती हैं।

चिंतन-मनन

अमिट है कर्म का फल

यदि कर्म का फल तुरंत नहीं मिलता है तो यह नहीं समझना चाहिए कि उसके भले-बुरे परिणाम से हम सदा के लिए बच गये। कर्मफल ऐसा अमिट तथ्य है जो आज नहीं तो कल भुगतना ही पड़ेगा। कभी-कभी परिणाम में देर इसलिए होती है क्योंकि ईश्वर मानवीय बुद्धि की परीक्षा चाहता है कि व्यक्ति कर्त्तव्य धर्म समझने और निष्ठापूर्वक पालन करने लायक विवेक बुद्धि संचय कर सका है या नहीं। जो दंड भय बिना सदा सत्कर्मो तक सीमित रहता है, समझना चाहिए उसने सज्जनता की परीक्षा पास कर पशुता से देवत्व की ओर बढ़ने का शुभारंभ कर दिया। दंडभय से तो विवेक रहित पशु को भी अवांछनीय मार्ग पर चलने से रोका जा सकता है। मानवीय अंतःकरण की विकसित चेतना तभी अनुभव की जा सकेगी, जब वह कुमार्ग पर चलने से रोक सन्मार्ग के लिए प्रेरणा प्रदान करे। यदि हर काम का तुरंत दंड मिलता और ईश्वर बलपूर्वक किसी मार्ग पर चलने के लिए विवश करता तो फिर मनुष्य भी पशु-श्रेणी में होता और उसकी स्वतंत्र आत्म चेतना विकसित हुई या नहीं, इसका पता नहीं चलता। ईश्वर या खुदा ने मनुष्य को भले-बुरे कर्म की स्वतंत्रता इसीलिए दी है कि वह विवेक विकसित कर भले-बुरे का अंतर सीख पथ निर्माण में समर्थ हो। विवेक व कर्त्तव्य परायणता दो ही कसौटी हैं मनुष्यता के आत्मिक स्तर विकसित होने की। इस विकास पर ही जीवनोद्देश्य की पूर्ति और मनुष्य जन्म की सफलता निहित है। यदि ईश्वर को प्रतीत होता कि बुद्धियुक्त मनुष्य पशुओं जैसा ही मूर्ख रहेगा तो शायद उसने उसके लिए भी दंड की व्यवस्था सोची होती। झूठ बोलते ही जीभ में छाले पड़ने, चोरी करते ही हाथ में फोड़ा होने जैसे दंड की तुरत-फुरत व्यवस्था होती तो किसी के लिए भी दुष्कर्म करना संभव न होता लेकिन ऐसे में मनुष्य की स्वतंत्र चेतना, विवेक बुद्धि व आंतरिक महानता विकसित होने का अवसर ही न आता और आत्म विकास के बिना पूर्णता का लक्ष्य पाने की दिशा में प्रगति न होती।

भारत रत्न अम्बेडकर को मिली मसीहा की पहचान

- शिवप्रकाश

14 अप्रैल 1891 को महू (मध्यप्रदेश) छावनी में पिता सूबेदार रामजी सकपाल एवं माता भीमाबाई के परिवार में बाबा साहेब का जन्म हुआ था। कुशाग्र बुद्धि, अथकपरिश्रमी, शिक्षाविद, शोषित, वंचित, पीड़ितों के प्रति संघर्ष के कारण मसीहा के रूप में उनको पहचान मिली। आर्थिक विशेषज्ञ, श्रमिक नेता के साथ-साथ राष्ट्र भक्ति से ओत-प्रोत बाबा साहेब का जीवन था। सामाजिक समता एवं सामाजिक न्याय के प्रति जीवन पर्यंत संघर्ष करने वाले समाज उद्धारक बाबा साहेब थे। संविधान के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका होने के कारण सभी भारतीय उनको संविधान निमार्ता के रूप में स्मरण करते हैं।

इस बार डॉ भीमराव अंबेडकर जी के जन्मदिवस का प्रसंग उस समय आया है, जब हमारे देश में लोकसभा के लिए चुनाव का आयोजन हो रहा है। लगभग 97 करोड़ मतदाता अब आगामी पांच वर्ष के लिए 18वीं संसद का गठन अपने मतदान से करेंगे। 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने के बाद लगभग 2 करोड़ युवा मतदाता भी अपने मत का उपयोग कर अपने लिए सरकार चुनने का कार्य करने वाले हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने युवा मतदाताओं को संबोधित करते हुए कहा था कि 18 वर्षीय युवा 18वीं संसद को चुनने का कार्य करेंगे। इस समय समस्त राजनीतिक दल एनडीए एवं इंडी दो समूहों में विभाजित हो गए है। एनडीए का नेतृत्व प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के सक्षम हाथों में है, जो 10 वर्ष की अपनी उपलब्धियों के आधार पर देशभर के मतदाताओं से भाजपा एवं गठबंधन को वोट देने का आह्वान कर रहे हैं। वहीं अनिर्णित नेतृत्व के साथ एवं भाजपा सरकार की नीतियों का विरोध कर इंडी गठबंधन अपने लिए वोट मांग रहा है। नीर-क्षीर विवेक के आधार पर मतदाताओं ने अपने प्रतिनिधि एवं सरकार का चयन अपना शत-प्रतिशत मत देकर करना है। मतदान यह प्रत्येक मतदाता का राष्ट्रीय दायित्व है। कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र (न्याय पत्र) में वादा किया है कि कांग्रेस भोजन, पहनावे, प्यार एवं शादी जैसे व्यक्तिगत विषय पर हस्तक्षेप नहीं करेगी। यदि इस वादें के माध्यम से कांग्रेस देश में पिछले दिनों कर्नाटक के स्कूलों में हुए हिजाब घटनाक्रम एवं लव जिहाद की मानसिकता को समर्थन कर रही है, तब यह देश के लिये आत्मघाती कदम होगा। स्कूली छात्रों में परस्पर प्रेम, भाईचारा, समानता एवं अनुशासन लाने के लिए एक समान वेश निश्चित किया जाता है। ऐसी मांग का समर्थन छात्रों में वैमनस्यता का विष घोलने का कामकरेगा। यह क्रम केवल हिजाब तक न रुककर आगे कहाँ तक जाएगा यह कहना कठिन होगा। योजनाबद्ध तरीके से गैर मुस्लिम लड़कियों (हिन्दू, ईसाई) को प्रेम जाल में फंसाकर एवं बाद में नारकीय जीवन जीने के लिए मजबूर करना यह बहुसंख्यक समाज के साथ बहुत बड़ा षड्यंत्र है। इसी लव जिहाद की मानसिकता को केरल सहित देश के अनेक हिस्सों में सरकारी एजेंसियों ने भी उद्घाटित किया है। देश विभाजन का दंश झेल चुके समाज में यह पुनः विभाजन का भय पैदा करता है। यूरोप सहित दुनिया के अनेक देश ऐसे विषयों पर कठोर कानून बना रहे हैं। उत्तराखंड की भाजपा सरकार संविधान की भावना पूर्ति करते हुए समान नागरिक संहिता लायी है। संविधान सभा की बहस में श्री अल्लादिकृष्णा स्वामी एवं के.एम. मुंशी का समर्थन करते हुए बाबा साहेब अंबेडकर ने भी समान नागरिक संहिता का समर्थन करते हुए कहा था कि ह्लसमान नागरिक संहिता संविधान मसौदे का मुख्य लक्ष्य है। ह्ल सर्वोच्च न्यायालय ने भी अनेक बार अपने निर्णयों में इसके समर्थन में निर्देशित किया है। कांग्रेस अल्पसंख्यक वोट के कारण संविधान की भावना एवं सर्वोच्च न्यायालय के निर्णयों का विरोध कर रही है। कांग्रेस द्वारा अपने न्याय पत्र में कहा गया है कि देश में पिछले पांच वर्षों से भय का वातावरण है। लोगों को डराने-धमकाने के लिए कानूनों एवं एजेंसियों को हथियार बनाया जा रहा है। यह कहकर कांग्रेस सी.बी.आई., ई.डी. जैसे विभागों की भ्रष्टाचार के विरुद्ध होने वाली कार्रवाई पर ऊँगली उठा रही है। वास्तव में देखा जाए तो देश में नक्सलवाद एवं सीमावर्ती आतंकवाद कम हुआ है। गुंडे, बदमाश, आतंकवादी एवं आतंकवाद का समर्थन करने वाले भयांकित है। पहले सार्वजनिक स्थानों पर लिखा रहता था कि ह्लअनजान वस्तुओं को मत छुओ बम हो सकता हैह्ल,अब लिखा नहीं मिलता। सामान्य नागरिक निर्भय होकर अपना जीवन जी रहे हैं। भय का वातावरण यदि है तो भ्रष्टाचारियों में है जो देश की सम्पत्ति को अपनी संपत्ति मान बैठे थे। उनमे भय अच्छे प्रशासन का लक्षण है। परिवार के आधार पर चलने वाले दलों के नेताओं में अपने अस्तित्व के समाप्त होने का भय है। संविधान सभा की बहस के समय सभा के सदस्य श्री महावीर त्यागी ने चिंता व्यक्त करते हुए परिवारवाद की ओर इंगित करते हुए कहा था कि भविष्य में एक विशिष्ट वर्ग ह्लवृत्तिभोगी राजनीतिज्ञोंह्ल का जन्म होगा, जो की अपने जीवन यापन के लिए राजनीति पर ही आश्रित रहेंगे। देश में उपजी परिवारवादी पार्टी उनकी उस समय की चिंता का प्रकटरूप हैं। एजेंसियां दोषियों पर कार्यवाही करें यह उनसे अपेक्षित ही है। न्यायालयों के निर्णयों ने भी एजेंसियों का समर्थन किया है। शेड्यूल्ड कास्ट फेडरेशन के भवन निर्माण के लिए छपी रसीद बुकों के संग्रह के समय कार्यकताओं को संबोधित करते हुए बाबा साहेब ने कहा था कि ह्लपावती पुस्तकें न लौटाना एवं संपूर्ण संग्रह न जमा करना संगठन व जनता के साथ सरासर धोखा है। ऐसा धोखा कानूनन अपराध हैह्ल। बाबा साहेब के यह विचार भ्रष्टाचार के प्रति उनके दृष्टिकोण को प्रकट करते है। कांग्रेस भ्रष्टाचार का समर्थन कर देश के साथ बहुत बड़ा छल कर रही है। कांग्रेस द्वारा अपने न्याय पत्र में सामाजिक न्याय का संदेश देने वाले महापुरुषों को पाठ्यक्रमों में स्थान देने एवं बाबा साहेब डॉ अंबेडकर के नाम से भवन एवं पुस्तकालय खोलने का वायदा किया है। जबकि कांग्रेस का व्यवहार सदैव बाबा साहेब के प्रति उपेक्षा का ही रहा है। मुंबई एवं भंडारा चुनावों की विजय में कांग्रेस बाधक बनी। संसद के केंद्रीय कक्ष में उनकी चित्रपट लगाने की मांग को नेहरू जी ने खारिज किया। प्रधानमंत्री श्री जवाहर लाल नेहरु जी के व्यवहार से अपमानित होकर एवं समाज विरोधी नीतियों के कारण उन्होंने 1951 में मंत्रिमंडल से त्याग पत्र दिया था। उनको भारत रत्न के योग्य भी कांग्रेस ने नहीं समझा। भारतीय जनता पार्टी के समर्थन वाली प्रधानमंत्री श्री वी. पी. सिंह की सरकार द्वारा 1990 में बाबा साहेब को भारत रत्न से सम्मानित किया गया। बाबा साहेब की स्मृति के स्थानों पर पंचतीर्थों का निर्माण एवं उनके विचारों के अध्ययन के लिए शोध पीठ की स्थापना प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में हुई। सामाजिक न्याय के लिए कार्य करने वाले महापुरुषों को प्रतिष्ठा देने का कार्य प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा योजनाबद्ध तरीके से हुआ। भगवान बिरसा मुंडा के जन्मदिवस को जनजाति गौरव दिवस की घोषणा, संत कबीरदास की पुण्य स्थली मगहर को भव्य बनाना, संत रविदास के जन्म स्थान काशी पर विकास का प्रकल्प, संत ज्योतिबा फुले, संत वसवेश्वर, नारायण गुरु आदि महापुरुषों के विचारों का ह्लमन की बातह्ल के समय उल्लेख, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की इन महापुरुषों के प्रति संवेदनशीलता को प्रकट करता है।

क्यों घटती जाती तादाद लोकसभा में आजाद उम्मीदवारों की?

-आर.के.सिन्हा

बुजुर्ग हिन्दुस्तानियों को याद होगा ही कि एक दौर में वी.के.कृष्ण मेनन, आचार्य कृपलानी, एस.एम.बैनर्जी, मीनू मसानी, लक्ष्मीमल सिंघवी, इंद्रजीत सिंह नामधारी, करणी सिंह, जी. जी. स्वैल जैसे बहुत सारे नेता आजाद उम्मीदवार होते हुए भी लोकसभा का कठिन चुनाव जीत जाते थे। पर अब इन आजाद उम्मीदवारों का आंकड़ा लगातार सिकुड़ता ही चला जा रहा है। अगर 1952 के पहले लोकसभा चुनावों के नतीजों को देखें तो हमें इन विजयी आजाद उम्मीदवारों की संख्या 36 मिलेगी। तब इनका समूह कांग्रेस के बाद दूसरा सबसे बड़ा था। यानि किसी भी गैर-कांग्रेसी दल से बड़ा था। निवर्तमान लोकसभा में निर्दलीय उम्मीदवारों की संख्या सिर्फ तीन रह गई थी। अभी तक मात्र 202 निर्दलीय उम्मीदवार लोकसभा में पहुंचे हैं। बेशक, लोकसभा का चुनाव अपन बलबूते पर लड़ना कोई बच्चों का खेल नहीं होता। लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए बहुत सारे संसाधनों की दरकरार रहती है। इसके बावजूद भी अगर कोई निर्दलीय उम्मीदवार चुनाव जीत जाता है, तो इतना तो माना ही जा सकता है कि उसकाआम जनता में गहरा प्रभाव है। पहले लोकसभा चुनावों के बाद 1967 के लोकसभा चुनावों में 34 आजाद उम्मीदवार लोकसभा में पहुंचे थे। देश में इमरजेंसी लगने के बाद 1977 में चुनाव हुआ। तब सिर्फ सात आजाद उम्मीदवार सफल रहे। यह संख्या 1980 में मात्र चार रह गई। 1984 और 1989 के लोकसभा चुनावों में क्रमशः 9 और 8 आजाद उम्मीदवार ही निर्दलीय रूप से लोकसभा चुनाव जीतने में कामयाब रहे। कह सकते हैं

कि हरेक लोकसभा चुनावों में निर्दलीय के रूप में चुनाव लड़ने वाले कुछ न कुछ विजयी रहे हैं। बेशक, ये सभी अपने-अपने क्षेत्रों में जनता के बीच जुझारू प्रतिबद्धता के साथ कुछ काम तो करते होंगे। वर्ना ये सब लोकसभा में कभी नहीं पहुंच पाते। खासतौर पर तब जबकि चुनावों में धन का इस्तेमाल तो बढ़ता ही जा रहा है। निश्चित रूप से लोकसभा का चुनाव जीतने वाले निर्दलीय उम्मीदवार अपने आप में बहुत बुलंद शख्सियत के मालिक होते हैं। इनमें से कुछ मनीषी भी रहे हैं। कृपलानी जी 1947 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष थे। वे गांधी जी के सबसे उत्साही और विश्वासपात्र शिष्यों में से एक थे। उन्होंने लगभग एक दशक तक कांग्रेस के महासचिव के रूप में भी कार्य किया था। लक्ष्मीमल सिंघवी जैसे सरस्वती पुत्र भी सदियों में पैदा होते हैं। वे ख्यातिलब्ध न्यायविद, संविधान विशेषज्ञ, कवि, भाषाविद एवं लेखक थे। वे ह्लधर्मयुगह्ल में विधि संबंधी मामलों में खूब लिखते थे। जब मैं ह्लधर्मयुगह्ल में आवरण कथाएं लिखा करता था। उनका जन्म जोधपुर में हुआ था। वे 1952 से 1967 तक तीसरी लोक सभा के सदस्य रहे। चाहे सांसद रहे हों या किसी और संस्था से जुड़ गए हों, लेकिन उन्होंने वेतन के रूप में हमेशा एक रुपया ही लिया था। आप कानपुर में जाकर अब भी एस.एम. बैनर्जी के बारे में पूछ लें । आपको लोग उनके तमाम किस्से सुनाएँगे। वे एक विख्यात मजदूर नेता थे। वे पश्चिम बंगाल से कानपुर में नौकरी करने के लिए आए थे। कानपुर को उन्होंने अपनी कर्मभूमि बना लिया था। कोलकाता से आये मजदूर नेता एस.एम. बैनर्जी ने 1957 में निर्दलीय चुनाव लड़कर जीत हासिल की तो 1962, 1967 और 1971 तक जीत का सेहरा वही पहनते रहे। शायद कानपुर अकेला शहर होगा, जहां चार बार लगातार कोई निर्दलीय सांसद चुना गया हो। आपको विजयी हुए निर्दलीय उम्मीदवारों में इस तरह के कई नाम मिल जाएंगे जो उस लोकसभा क्षेत्र से विजयी हुए, जहाँ से उनका उस क्षेत्र से कोई सीधा संबंध नहीं था। वहां पर जनता से जुड़कर और उनके सुख-दुःख का हिस्सा बनकर वे वहां के हो गए। कृपलानी जी सिंध (अब पाकिस्तान) से आए थे। वे बिहार से सांसद बने। इंदरजीत सिंह नामधारी का परिवार देश के विभाजन के वक्त पाकिस्तान से बिहार आकर बस गया था। वे बरसों बिहार के ट्रांसपोर्ट मंत्री भी रहे। बिहार के विभाजन के बाद वे झारखंड में सक्रिय हो गए। इंदर सिंह नामधारी झारखंड के पहले विधान सभा अध्यक्ष बने। वे वनांचल राज्य आंदोलन के प्रमुख नेता थे जिसने दक्षिण बिहार के लिए अलग राज्य की मांग की थी। अब डॉ. करणी सिंह की भी बात कर लेते हैं। हो सकता है कि नई पीढ़ी को उनके संबंध में कम जानकारी हो। वे देश के चोटी के निशानेबाज थे। डॉ. करणी सिंह शूटिंग रेंज किसी खिलाडी के नाम पर रखा गया राजधानी का पहला स्टेडियम माना जा सकता है। आमतौर पर यह नहीं होता। ड़ॉ. करणी सिंह रेंज का निर्माण 9 वें एशियाई खेलों के निशानेबाजी के मुकाबलों के लिए 1982 में हुआ था। डॉ. करणी सिंह बीकानेर के राज परिवार से थे। वे देश के पहले निशानेबाज थे जिन्हें 1961 में ह्यअर्जुन पुरस्कारह्ल देकर सम्मानित किया गया था। उनके बारे में कहा जाता है कि वे राज परिवार से आने के बावजूद आम जनता के सुख-दुख में शामिल होते रहते थे। वे 1952 से 1977 तक लगातार पांच बार सांसद रहे। उन्होंने दो चुनाव में 70 से 71 फीसदी मत प्राप्त किए थे। उनके बाद इस मत प्रतिशत को प्राप्त करने में कोई भी पार्टी प्रत्याशी सफल नहीं हो पाया। बीकानेर लोकसभा क्षेत्र से लगातार पांच बार सांसद रहने का रिकॉर्ड करणी सिंह के नाम है। अब लोकसभा चुनाव का उत्सव देश देख रहा है। सारा देश जानता है कि अब चुनाव लड़ना कितना खचीर्ला हो गया है। कैंपेन इतनी महंगी हो गई है कि कोई भी इंसान आजाद उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने से पहले कई बार जरूर सोचता होगा। इसके बावजूद तमाम जनता के बीच में काम करने वाले राजनीतिक कार्यकर्ता चुनावी रणभूमि में कूदने से पीछे नहीं रहते। उम्मीद करनी चाहिए कि देश आगामी लोकसभा में पहले से अधिक आजाद उम्मीदवारों को देखेगा।

सिख धर्म की स्थापना को लेकर मनाया जाता है बैसाखी पर्व

-संजय गोस्वामी

बैसाखी का त्योहार वसंत ऋतु की शुरूआत का प्रतीक माना जाता है। इसे वैसाखी या बैसाखी के नाम से भी जाना जाता है। हर साल बैसाखी का त्यौहार 13 या 14 अप्रैल बैसाखी को फसल पकने और सिख धर्म की स्थापना के रूप में मनाया जाता है। ऐसा कहा जाता है कि इसी दिन सिख पंथ के 10वें गुरु श्री गुरु गोविंद सिंह जी ने खालसा पंथ की स्थापना की प्रत्येक वर्ष 13 या 14 अप्रैल माह को बैसाखी में पड़ती है गुरु गोविंद सिंह जी के द्वारा सन- 1699 में 13 अप्रैल बैसाखी के दिन खालसा पंथ की स्थापना की गई। यह सिखों के इतिहास की सबसे महत्वपूर्ण घटना मानी जाती है। खालसा का मतलब होता है खालिस यानि शुद्ध जो मन, वचन एवं कर्म से पूरी तरह से शुद्ध हो और समाज के प्रति पूरी तरह से समर्पण का भाव रखता हो। पंज प्यारे की स्थापना से पहले सिख समुदाय की एक सभा में उन्होंने सबके सामने पूछा, कौन अपने सिर का बलिदान देना चाहता है? उसी समय एक स्वयं सेवक तुरंत सामने आकर इस बात के लिए तैयार हो गया जिसके बाद गुरु गोविंद सिंह जी उसे अपने साथ दूसरे तंबू में ले गए जब कुछ देर बाद वे वापस लौटे तो उनकी तलवार पर खून लगा हुआ था। उसके बाद गोविंद जी ने दोबारा भीड़ में खड़े लोगों से वही सवाल पूछा तो फिर से उसी प्रकार एक और व्यक्ति राजी हो गया और उनके साथ चला गया। जिसके बाद वे फिर वह खून से सनी तलवार लेकर बाहर आए। इसी तरह से एक-एक करके जब पांचवा स्वयंसेवक भी उनके साथ तंबू के भीतर चला गया, तब इसके कुछ समय बाद गुरु गोविंद सिंह सभी जीवित सेवकों के साथ वापस बाहर आ गए और उन्होंने उन्हें पंज प्यारे या पहले खालसा का नाम दिया। इस तरह से पंज प्यारे की स्थापना हुई।। वह दुनिया के अकेले ऐसे व्यक्ति होंगे, जिनके पिता और बच्चों की उनके सामने हत्या कर दी गई। सिख समाज के लिए इस दिन का विशेष महत्व होता है। इस दिन गुरु द्वारों में शब्द, प्रार्थना, लंगरों का आयोजन होता है, साथ ही उनके बलिदानों एवं उपदेशों को याद किया जाता है। गुरु गोबिद सिंह मानवता एवं त्याग के प्रतीक थे। उन्हें धर्म और मानव जाति के कल्याण हेतु अद्वितीय योगदान के लिए भी जाना जाता है।प्रत्येक वर्ष पौष माह के शुक्ल पक्ष सप्तमी को गुरु गोबिद सिंह जयंती मनाई जाती है। ऐतिहासिक तथ्यों के अनुसार गुरु गोबिद सिंह का जन्म 22 दिसंबर, 1666 में पटना (बिहार) में हुआ था। पिता का नाम गुरु तेग बहादुर और माता गुजरी थी। बाल्यावस्था में उन्हें गोविंद के नाम से पुकारा जाता था। गोविंद सिंह बाल्यकाल से बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। गुरु गोविंद सिंह ने खालसा पंथ की स्थापना की थी। गुरु गोबिंद सिंह सिख पंथ के दसवें गुरु थे। इसके बाद उन्होंने गुरु परंपरा को खत्म कर गुरु ग्रंथ साहिब को स्थाई गुरु घोषित कर दिया। जब औरंगजेब ने गुरु तेगबहादुर का कत्ल करवा दिया, तो उनकी शहादत के बाद उनकी गद्दी पर गुरु गोविंद सिंह को बैठाया गया। उस समय उनकी उम्र मात्र 9 वर्ष थी। गुरु की गरिमा बनाये रखने के लिए उन्होंने अपना ज्ञान बढ़ाया और संस्कृत,फारसी,पंजाबी और अरबी भाषाएं सीखीं। गुरु गोविंद सिंह ने धनुष-बाण, तलवार, भाला आदि चलाने की कला भी सीखी।उन्होंने सिखों को अपने धर्म,जन्मभूमि और स्वयं अपनी रक्षा करने के लिए संकल्पबद्ध किया और उन्हें मानवता का पाठ पढ़ाया। पंच प्यारे भी गुरु गोविंद सिंह की ही देन है। केशगढ़साहिब में आयोजित सभा में गुरु गोविंद सिंह ने ही पहली बार पंच प्यारों को अमृत छकाया था।

आज का राशिफल

मेष आज का दिन आर्थिक मामलों में काफी शानदार होगा और आपके रुके कार्य पूर्ण होंगे।

तुला दिन खुशी में बीतेगा। आपको अकस्मात धन लाभ होने से आपके कोष में वृद्धि होगी।

वृषभ आज आपके सम्मान में वृद्धि होगी। कोई इच्छा पूर्ण होने से आपका मन प्रसन्न होगा।

वृश्चिक बिजनस के सिलसिले में किसी की सलाह लेने की आवश्यकता पड़ सकती है।

मिथुन आपकी पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आपको राज्य से सम्मान और प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी।

धनु आज का दिन मिश्रित फलकारक है। आज आप अपना पुराना लोन चुका पाएंगे।

कर्क ग्रहों की शुभ दशा से आपको उत्तम संपत्ति की प्राप्ति होगी और बहुत दिनों से रुका धन मिलेगा।

मकर आपके धन में वृद्धि होगी। आज का दिन आपके लिए भाग्य और विकास से भरा होगा।

सिंह आज आपके रुके कार्य पूर्ण होंगे। परिवार के लोगों से आपको हर प्रकार का सहयोग प्राप्त होगा।

कुंभ आज का दिन सफलता से भरा होगा। आपको हर कार्य में सफलता प्राप्त होगी।

कन्या आज आर्थिक मामलों में लाभ होगा और आपकी कारोबार से जुड़ी योजनाएं पूर्ण होंगी।

मीन वृद्धि होगी और कारोबार से जुड़ी योजनाएं सफल होंगी। चंद्रमा की शुभ दृष्टि से आपको लाभ होगा।

विशेष

2024 के लोकसभा चुनाव का सत्य

2024 के लोकसभा चुनाव की विशात बिछ चुकी है। इंडिया गठबंधन सीधे मुकाबले में आकर खड़ा हो गया है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जेल में बंद है। आयकर ईड़ी और सीबीआई सक्रिय है। कांग्रेस पार्टी का खाता आयकर ने बंद कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट से ही कांग्रेस पार्टी को राहत मिल पाई। सुप्रीम कोर्ट से संजय सिंह को जमानत मिल पाई। चुनावी बांड को लेकरसुप्रीम कोर्ट के आदेश पर एक बड़ा खुलासा हुआ। गोदी मीडिया इसको लेकर शांत रहा। यह कोई बड़ा मुद्दा नहीं बना। भाजपा ने इस मामले में चुप्पी साध ली है। प्रधानमंत्री और भाजपा नेताओं ने जिन विपक्षी दलों के नेताओं के ऊपर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे। उन सबको भाजपा में लेकर आ गए हैं। मुख्यमंत्री उपमुख्यमंत्री के पद दे दिए हैं। राज्यसभा सदस्य बना दिया है। चुनाव की टिकट दे दी है। जिसके कारण अब भ्रष्टाचार का मुद्दा भी जनता के सिर चढ़कर नहीं बोल रहा है। धार्मिक ध्रुवीकरण का वातावरण नहीं बन पा रहा है। मतदान में जनता क्या सोचती है,भारत के हिंदू क्या सोचते हैं। इसका पता तो चुनाव परिणाम के बाद ही लगेगा। सुप्रीम कोर्ट के निर्णय भी इस चुनाव को प्रभावित करने वाले होंगे, ऐसा कहा जा रहा है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1629: इंग्लैंड और फ्रांस का युद्ध समाप्त हुआ. 1659: दिल्ली की तख्त की लड़ाई में औरंगजेब ने दारा को शिकस्त दी. 1865: अमेरिकी राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन की मौत गोली मारे जाने के बाद अगले दिन हुई. 1897: डा.भीमराव अम्बेडकर का जन्म हुआ. 1942: टाइटैनिक उत्तरी अटलांटिक में 450 व्यक्तियों सहित डूबा. 1945: द्वितीय विश्व युद्ध में अमेरिका ने जापान के शाही महल पर बमबारी की. 1962: आधुनिक कर्नाटक के निमार्ता एस.विश्वेश्वरया का निधना. 1966: महात्मा गांधी के अंतिम जीवित पुत्र रामदास गांधी का निधन. 1978: एशिया की सबसे बड़ी बिल्डिंग सनसाइन-60 का टोकियो में उद्घाटन. 1988: सोवियत संघ ने अफगानिस्तान में अपना हस्तक्षेप समाप्त करने संबंधी समझौता किया.

दैनिक पंचांग

14 अप्रैल 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

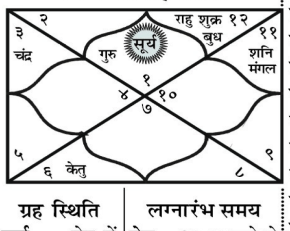

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	मेष	05.43 बजे से
चंद्र	मिथुन में	वृष	07.23 बजे से
मंगल	कुंभ में	मिथुन	09.21 बजे से
बुध	मीन में	कर्क	11.34 बजे से
गुरु	मेष में	सिंह	13.50 बजे से
शुक्र	मीन में	कन्या	16.02 बजे से
शनि	कुंभ में	तुला	18.13 बजे से
राहु	मीन में	वृश्चिक	20.28 ब.से
केतु	कन्या में	धनु	22.44 बजे से
		मकर	00.49 बजे से
		कुंभ	02.35 बजे से
		मीन	04.08 बजे से

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

रविवार 2024 वर्ष का 105 वां दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** बसंत। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** चैत्र **पक्ष** शुक्ल **तिथि** षष्ठी 11.44 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** आर्द्रा 01.35 बजे रात्र को समाप्त। **योग** अतिगण्ड 23.33 बजे को समाप्त। **करण** तैतिल 11.44 बजे तदनन्तर गर 23.53 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 05.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 09° 31' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1871949 **जूलियन दिन** 2460414.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2550 **हिजरी सन्** 1445 **महीना** सव्वाल **तारीख** 04 **विशेष** यमुना छठ, विशु कानी, अम्बेडकर जयंती, अग्नि निरोधक दिवस।

दिन का चौघड़िया					रात का चौघड़िया				
उद्वेग	05.56	से	07.23	बजे तक	शुभ	05.36	से	07.09	बजे तक
चर	07.23	से	08.51	बजे तक	अमृत	07.09	से	08.41	बजे तक
लाभ	08.51	से	10.18	बजे तक	चर	08.41	से	10.14	बजे तक
अमृत	10.18	से	11.46	बजे तक	रोग	10.14	से	11.46	बजे तक
काल	11.46	से	01.14	बजे तक	काल	11.46	से	01.19	बजे तक
शुभ	01.14	से	02.41	बजे तक	लाभ	01.19	से	02.51	बजे तक
रोग	02.41	से	04.09	बजे तक	उद्वेग	02.51	से	04.24	बजे तक
उद्वेग	04.09	से	05.36	बजे तक	शुभ	04.24	से	05.53	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

केरल में कमजोर हो रही कांग्रेस

असल लड़ाई तो लेफ्ट और भाजपा के बीच 'ओथुकम मार्का' पॉलिटिक्स की है!

हाल ही में एक घोटाले ने अटकलों को और बढ़ा दिया है। ईडी ने त्रिशूर जिले के करुवनूर सर्विस कोऑपरेटिव बैंक में 150 करोड़ रुपये के घोटाले की जांच की है, जिसमें यह निष्कर्ष निकाला गया है कि घोटाले की शुरुआत सीपीएम नेताओं के इशारे पर हुई थी, जिनमें से कई सदस्यों ने बिना सदस्यता के बैंक में खाते रखे थे। कथित तौर पर, उन्होंने इस पैसे का इस्तेमाल जमीन खरीदने और चुनावों में फंडिंग के लिए किया।

(दिलीप मेनन)

राहुल गांधी ने 3 अप्रैल बुधवार को वायनाड से पर्चा भर दिया। पर्चा दाखिले से पहले उन्होंने वहां एक रोड शो किया जिसमें भारी भीड़ उमड़ी थी। लेकिन कुल मिलाकर, केरल में कांग्रेस एक कमजोर ताकत की तरह दिख रही है। इससे इस बार बीजेपी को कुछ सीटें जीतने में मदद मिल सकती है - पार्टी का अनुमान 4 से 5 सीटों के बीच है।2019 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी केरल की 20 सीटों में से एक भी नहीं जीत पाई थी। जबकि राज्य की विधानसभा में ऐतिहासिक रूप से लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (सीपीएम के नेतृत्व में) और यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (कांग्रेस के नृेत्व में) के बीच झूलता रहा ह।

बीजेपी के हिंदू राष्ट्रवाद को केरल में बहुत कम समर्थन मिला है, जहां महत्वपूर्ण ईसाई और मुस्लिम अल्पसंख्यकों द्वारा राजनीतिक धर्मनिरपेक्षता को मजबूत किया गया है। न ही मोदी के विकास के नारे को भारत के सबसे विकसित राज्यों में से एक में कोई खास समर्थन मिला है। ऐसे में सवाल लाजिमी है कि इस बार ऐसा क्यों हो सकता है?

हाल ही में एक घोटाले ने अटकलों को और बढ़ा दिया है। ईडी ने त्रिशूर जिले के करुवनूर सर्विस कोऑपरेटिव बैंक में 150 करोड़ रुपये के घोटाले की जांच की है, जिसमें यह निष्कर्ष निकाला गया है कि घोटाले की शुरुआत सीपीएम नेताओं के इशारे पर हुई थी, जिनमें से कई सदस्यों ने बिना सदस्यता के बैंक में खाते रखे थे। कथित तौर पर, उन्होंने इस पैसे का इस्तेमाल जमीन खरीदने और चुनावों में फंडिंग के लिए किया।

घोटाले के बारे में अफवाहें उड़ रही हैं और कहा जा रहा है कि इससे सीपीएम का राजनीतिक संकल्प कमजोर होगा, जहां वह अभी भी मजबूत है। यह बैंक घोटाला सीपीएम के खिलाफ लगाए गए भ्रष्टाचार के आरोपों की एक श्रृंखला में सबसे हालिया है। सोने की तस्करी और केरल के सीएम पिनाराई के एक जल-विद्युत परियोजना से संबंधित वित्तीय घोटाले में शामिल होने के आरोप हैं। सवाल यह है कि क्या बीजेपी भ्रष्टाचार के मुद्दे पर सीपीएम को घेरने में कामयाब रही है? क्या वह वामपंथ को उसकी अपनी ओथुकम की राजनीति पर उठाएगी?

ओथुकम शब्द रोजमर्रा की मलयालम बातचीत में प्रचलित है, लेकिन यह केरल में एक प्रमुख राजनीतिक सिद्धांत को भी संदर्भित करता है। आप बस में किसी से ओथुंगी निक्कुका कह सकते हैं, या बहुत अधिक जगह लिए बिना और अन्य यात्रियों पर झुके बिना खड़े रहने के लिए कह सकते हैं। यदि आप शाम को देर से ऑटो ड्राइवर से सवारी के लिए कहते हैं, तो वह आपको बता सकता है कि वह वंडी ओथुकन कोंडुपोकुका, यानी उसे रात के लिए रख देगा। यदि आप एक सेकंड क्लास ट्रेन के डिब्बे में अपना सामान फैलाते हैं, तो आपसे ओन्नू ओथुक्की वेक्कनम (इसे एक साथ रखने)

के लिए कहा जा सकता है।

ये सभी वाक्यांश अनुशासित नियंत्रण के सिद्धांत का आह्वान करते हैं। यह स्थानीय पितृसत्ता का भी एक प्रमुख सिद्धांत है। युवा महिलाओं को अक्सर माता-पिता, शिक्षकों और जनता के सदस्यों द्वारा ओथुकम या नियंत्रण और स्त्री व्यवहार दिखाने के लिए आदेश दिया जाता है - सार्वजनिक रूप से धीरे से बोलना, बड़ों का सम्मान करना और पुरुषों की आंखों में देखने से बचना। इस स्त्री ओथुकम को मलयालम फिल्मों में ऊर्जावान रूप से विकसित किया जाता है, जहां विनम्र, हमेशा प्यार करने वाली महिलाएं अपने पुरुषों के जीवन में अनुग्रह के एक स्थायी स्रोत के रूप में दिखाई देती हैं।

ओथुकम या हिंसक नियंत्रण का सिद्धांत, केरल में विरोधियों को अधीनस्थ और हावी करने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली राजनीतिक हिंसा का केंद्र है। 60 से अधिक वर्षों से, उत्तरी केरल में सीपीएम और आरएसएस कैडरों के बीच संघर्ष में लगभग 200 लोगों की जान चली गई है और कई हजार घायल हुए हैं। केरल में भारत में आरएसएस इकाइयों की सबसे बड़ी संख्या है (हालांकि, वे विधायिका या संसद में बीजेपी सीटों में तब्दील नहीं होती हैं)।

सीपीएम के लिए ओथुकम की राजनीति का मतलब आरएसएस और अन्य राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों द्वारा उत्पन्न खतरे को रोकना है। यह विश्वविद्यालय और कॉलेज परिसरों को युद्ध के मैदानों में बदल देता है जहां युवा पुरुषों को हिंसा के माध्यम से राजनीतिक रूप से बपतिस्मा दिया जाता है। कोई भी युवा सीपीएम कार्यकर्ता जो पार्टी अनुशासन के नियमों को तोड़ सकता है, उसे ओथुकम के अधीन किया जाएगा।

दूसरी ओर, आरएसएस स्थानीय परिवारों और गृहिणियों के साथ लगन से काम कर रहा है। जन्म, विवाह और मृत्यु संस्कारों में शामिल हो रहा है, जबकि ओथुकम के साथ-साथ हिंदू धर्मपरायणता की खेती कर रहा है। यह धीमा जमीनी काम सबरीमाला तीर्थस्थल में महिलाओं के प्रवेश के लिए राज्यव्यापी आंदोलनों के दौरान उभरा।

सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का विरोध करते हुए, जो सार्वभौमिक प्रवेश की अनुमति देता है, पवित्र रूप से आधुनिक मलयाली महिलाओं का एक आंदोलन रेडी टू टैग के तहत रैली निकाली, जिसमें त्रुटिहीन रूप से उचित, स्त्री हिंदू व्यवहार और ओथुकम का नियंत्रण प्रदर्शित किया गया। इस अभियान ने राज्य में हिंदू भावना में धीमी वृद्धि का संकेत दिया।

जबरदस्ती नियंत्रण के ओथुकम सिद्धांत को बीजेपी की राष्ट्रीय रणनीति में गूंज मिलती है। ईडी की गिरफ्तारियों और धमकियों की बढ़ती संख्या यकीनन राजनीतिक भय की संस्कृति पैदा कर रही है और दलबदल का कारण बन रही है, जिससे सभी विपक्ष खत्म हो रहे हैं।

इसलिए, केरल के लिए बड़ा सवाल यह है कि जब 26 अप्रैल को चुनाव होंगे, तो क्या बीजेपी अपना खाता खोलेगी? क्या सीपीएम को नियंत्रित करने का पार्टी का प्रयास - उसे ओथुकम के अधीन करने के लिए, संभवतः कई भ्रष्टाचार जांचों के माध्यम से - एक कमजोर वामपंथ और एक अलग तरह की राजनीतिक लड़ाई को जन्म देगा? वैसे, ओथुकुका शब्द का अर्थ समझौता करना भी है। अगर हम मान लें कि वामपंथ दबा हुआ महसूस कर रहा है, तो क्या यह बीजेपी के लिए चुनावी दरवाजा खोलने के लिए पर्याप्त है? या केरल एक बार फिर हिंदू राजनीति से अछूता रहेगा? (लेखक इतिहासकार हैं।)

अगर नहीं है वोटर कार्ड तो भी कर सकेंगे मतदान

19 अप्रैल से देश में लोकसभा चुनाव के मतदान की शुरूआत होगी। अब मतदाताओं के लिए बड़ी राहत भरी खबर है। चुनाव आयोग ने कहा कि अगर किसी मतदाता के पास वोटर कार्ड नहीं है तो उसे अन्य फोटो युक्त पहचान पत्र से अपनी पहचान को सत्यापित करना होगा। इसके बाद वह अपना मत डाल सकेगा। मगर मतदाता सूची में नाम का होना जरूरी है। उल्लेखनीय है कि देश में लोकसभा चुनाव सात चरणों में होंगे। वहीं अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, ओडिशा और आंध्र प्रदेश में विधानसभा चुनाव भी हो रहे हैं।

इसके बाद वह अपना मत डाल सकेगा। मगर मतदाता सूची में नाम का होना जरूरी है। उल्लेखनीय है कि देश में लोकसभा चुनाव सात चरणों में होंगे। वहीं अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, ओडिशा और आंध्र प्रदेश में विधानसभा चुनाव भी हो रहे हैं।

इन दस्तावेज को दिखा कर सकेंगे मतदान

- आधार कार्ड
- मनरेगा जॉब कार्ड
- बैंक या डाकघर की फोटोयुक्त पासबुक
- श्रम मंत्रालय द्वारा जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड
- ड्राइविंग लाइसेंस
- पैन कार्ड
- स्मार्ट कार्ड
- भारतीय पासपोर्ट
- फोटो के साथ पेंशन दस्तावेज
- केंद्र या राज्य सरकारों या पीएसयू द्वारा जारी फोटो युक्त सेवा आई कार्ड
- सांसदों, विधायकों और एमएलसी को जारी आधिकारिक पहचान पत्र

सामाजिक न्याय मंत्रालय द्वारा जारी दिव्यांग आई कार्ड

त्रुटियों को नजरअंदाज करने को कहा

चुनाव आयोग का पूरा ध्यान इस पर है कि कोई वास्तविक मतदाता अपना मत देने से वंचित न रहे। आयोग ने राज्य चुनाव अधिकारियों को लिपिकीय या वर्तनी संबंधी त्रुटियों को नजरअंदाज करने को कहा है। हालांकि मतदाता पहचान पत्र से वोटर की पहचान को सत्यापित करना जरूरी होगा।

अगर दूसरी विधानसभा का है वोटर कार्ड तो क्या करें?

अगर किसी दूसरे विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचन अधिकारी द्वारा जारी पत्र किसी मतदाता के पास है तो वह भी स्वीकार किया जाएगा। बस शर्त यह है कि मतदाता का नाम उस मतदान केंद्र की सूची में होना जरूरी है, जहां वह आया है।

मेल नहीं खाती तस्वीर तो ये करें

अगर किसी मतदाता की तस्वीर बेमेल है तो उसे चिंता करने की जरूरत नहीं है। चुनाव आयोग द्वारा सूचीबद्ध उपरोक्त वैकल्पिक फोटो दस्तावेज को दिखाकर मतदाता अपना वोट डाल सकता है। वहीं अपने पासपोर्ट के विवरण के आधार पर पंजीकृत प्रवासी भारतीय की मतदान केंद्र पर पहचान सिर्फ उनके मूल पासपोर्ट के आधार होगी।

लोकसभा चुनाव 2019 में पांच सबसे बड़ी जीत में तीन अकेले गुजरात से

चुनावी सरगर्मी अब जोर पकड़ने लगी है। पहले चरण के मतदान की तारीख भी नजदीक आ गई है। सभी राजनीतिक दल भी अपनी चुनावी तैयारियों को अंतिम रूप देने में लग गए हैं। गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव 2024 सात चरणों में होगा। इसमें 19 अप्रैल को पहले, 26 अप्रैल को दूसरे, 7 मई को तीसरे, 13 मई को चौथे, 20 मई को पांचवें, 25 मई को छठवें एवं 1 जून को सातवें चरण का मतदान कराया जाएगा। वहीं सभी चरणों के लिए 4 जून को मतगणना होगी। फिलहाल आइए नजर डालते हैं 2019 लोकसभा चुनाव के नतीजों पर कि पिछले चुनाव में सबसे बड़ी और सबसे छोटी जीत कौन सी रही थीं।

पांचों सीट पर एक ही पार्टी का था कब्जा

लोकसभा चुनाव 2024 की चुनावी सरगर्मी के बीच आइए नजर डालते हैं पिछले चुनाव के नतीजों पर कि 2019 में किन प्रत्याशियों ने सबसे बड़ी जीत दर्ज की थीं। इनमें कुछ खास आंकड़े निकलकर सामने आए हैं। इनमें से पांच सबसे बड़ी जीत में तीन अकेले गुजरात की सीटें शामिल थीं।

चुनावी सरगर्मी अब जोर पकड़ने लगी है। पहले चरण के मतदान की तारीख भी नजदीक आ गई है। सभी राजनीतिक दल भी अपनी चुनावी तैयारियों को अंतिम रूप देने में लग गए हैं। गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव 2024 सात चरणों में होगा। इसमें 19 अप्रैल को पहले, 26 अप्रैल को दूसरे, 7 मई को तीसरे, 13 मई को चौथे, 20 मई को पांचवें, 25 मई को छठवें एवं 1 जून को सातवें चरण का मतदान कराया जाएगा। वहीं सभी चरणों के लिए 4 जून को मतगणना होगी।

फिलहाल आइए नजर डालते हैं 2019 लोकसभा चुनाव के नतीजों पर कि पिछले चुनाव में सबसे बड़ी और सबसे छोटी जीत कौन सी रही थीं। बता दें कि पिछले चुनाव में पा ंच सबसे बड़ी जीतों में तीन अकेले गुजरात राज्य की सीटें शामिल थीं। खास बात यह भी रही कि पांच सबसे बड़ी जीत वाली सभी सीटें भाजपा के खाते में गई।

सबसे बड़ी जीत

लोकसभा चुनाव 2019 में मतों के लिहाज से सबसे बड़ी जीत गुजरात के नवासार लोकसभा सीट पर दर्ज की गई थी। यहां पर भाजपा के सीआर पाटिल ने 6,89,668 वोटों के साथ भारी अंतर से विजय हासिल की थी। दूसरी सबसे बड़ी जीत राजस्थान के भीलवाड़ा से थी, जहां पर भाजपा के सुभाष बहेड़िया ने 6,12,000 मतों के अंतर से अपने प्रतिद्वंदी को करारी शिकस्त दी थी। तीसरी सबसे बड़ी जीत गुजरात की वडोदरा सीट पर दर्ज की गई थी, जहां पर भाजपा के रंजनबेन भट्ट ने 5,89,177 मतों के अंतर से विजय हासिल की थी। इसके बाद चौथी सबसे बड़ी जीत पश्चिमी दिल्ली से प्रवेश वर्मा ने 5,78,486 मतों के अंतर के साथ प्राप्त की थी।

कब होंगे गुजरात में चुनाव

बता दें कि इस बार लोकसभा चुनाव के लिए गुजरात की सभी 26 संसदीय सीटों पर तीसरे चरण में 7 मई को मतदान होगा। भाजपा ने सभी सीटों के लिए प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है, जबकि कांग्रेस की ओर से कुछ सीटों पर उम्मीदवार का एलान होना बाकी है। पिछले चुनाव में भाजपा ने सभी 26 सीटों पर जीत हासिल कर राज्य में क्लीन स्वीप किया था। इस बार भी वह ये रिकॉर्ड बरकरार रखना चाहेगी। वहीं कांग्रेस चाहेगी कि वह भाजपा के गढ़ में उसे चुनौती दे पाए।

ऑनलाइन टीचिंग में चुन सकते हैं पार्ट टाइम या फुल टाइम कॅरियर

एजुकेशन एक्सपर्ट कहते हैं कि ऑनलाइन ट्यूशन वास्तव में होम ट्यूशन का ही एक एडवांस मैथड है। इसमें ई-ट्यूटरिंग के जरिए बच्चों को पढ़ाया जाता है। ऑनलाइन ट्यूटरिंग का मूल लाभ यह है कि ट्यूटर छात्र को किसी भी स्थान से, यहां तक कि वह अपने घर पर रहकर भी टीचिंग कर सकता है। ऑनलाइन टीचिंग के दौरान समय को पहले से ही सुनिश्चित किया जाता है और फिर ऑनलाइन क्लासरूम में छात्र व टीचर मिलते हैं और पढ़ते व पढ़ाते हैं। इस नौकरी के बारे में सबसे अच्छी बात यह है कि इसे आप अपने समय के अनुसार, पार्ट टाइम या फुल टाइम कॅरियर चुन सकते हैं। इसके अलावा यह आय का एक अच्छा स्त्रोत प्रदान करता है।

योग्यता

कॅरियर एक्सपर्ट की मानें तो एक ऑनलाइन ट्यूटर के पास विशेषज्ञता के आधार पर योग्यता होनी आवश्यक है। मसलन, आप किसी विशेष भाषा के ऑनलाइन ट्यूटर बनना चाहते हैं तो आपके उस भाषा से संबंधित कम से कम सर्टिफिकेट कोर्स अवश्य करना चाहिए। इसके अलावा, बीएड, एमएड या नेट, आदि के बाद भी आप शिक्षण के क्षेत्र को चुन सकते हैं।
एक ऑनलाइन ट्यूटर बनने के लिए सबसे जरूरी स्किल है पढ़ाई के प्रति जुनून। अर्थात ना सिर्फ आपको दूसरों को पढ़ाना पसंद होना चाहिए, बल्कि खुद भी हमेशा कुछ ना कुछ नया सीखने की चाहत होनी चाहिए। चूंकि आप ऑनलाइन टीचिंग कर रहे हैं, इसलिए आपमें तकनीकी गुण भी होने चाहिए। मसलन, कंप्यूटर व इंटरनेट के इस्तेमाल के साथ-साथ बच्चों के लिए प्रेजेंटेशन आदि भी बनाने आने चाहिए। इसके अलावा, ऑनलाइन टीचिंग के दौरान आपके कम्युनिकेशन स्किल भी काफी अहम् हैं। याद रखें कि दूसरों को पढ़ाना एक बेहद सीरियस काम है और इसके लिए कमिटमेंट की जरूरत होती है।
ऑनलाइन ट्यूटर बनने के लिए आपको बहुत अधिक मेहनत करने की आवश्यकता नहीं है। अगर आप अब तक ट्यूशन पढ़ाते आए हैं तो अब आप उन्हीं बच्चों को ऑनलाइन ट्यूशन पढ़ाने की शुरूआत कर सकते हैं। इसके अलावा, ऐसी कई कंपनियां व वेबसाइट हैं, जो टीचर्स को हायर करके ऑनलाइन पढ़ाने का अवसर प्रदान करते हैं। ऐसे में आपको ऑनलाइन छात्र ढूंढने की भी जरूरत नहीं है। बस इन कंपनियों के साथ जुड़कर आप एक अच्छा करियर बना सकते हैं।

आमदनी

ऑनलाइन ट्यूशन एक ऐसा क्षेत्र है, जहां पर अनुभवी टीचर्स काफी अच्छी खासी कमाई कर सकते हैं। शुरूआत में एक टीचर करीबन 200 रूपए प्रति घंटा चार्ज कर सकते हैं। वहीं कुछ समय के अुनभव, बाद आप 500 रूपए प्रति घंटा प्राप्त कर सकते हैं। अगर आप इस क्षेत्र में अपनी क्वालिटी को साबित करते हैं और छात्रों को आपके पढ़ाने का तरीका पसंद आता है, तब आपकी कमाई की कोई सीमा नहीं है।

सेरिकल्चरिस्ट के लिए उपलब्ध हैं करियर की असीम संभावनाएं

अगर आपको फार्म प्रोडक्शन और उससे जुड़ी प्रक्रिया में रुचि है, तो आप बन सकते हैं बेहतरीन सेरिकल्चरिस्ट।

एग्रीकल्चर एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें बेहतरीन करियर का स्कोप तो है ही, देश की अर्थव्यवस्था को गति देने का शानदार मौका भी है। यही नहीं, विस्तृत होने के कारण इससे जुड़ी कई सब-फील्ड्स हैं, जिनमें करियर की असीम संभावनाएं मौजूद हैं। ऐसी ही एक सब-फील्ड है, सेरिकल्चर। दुनिया भर में भारत के सिल्क की बढ़ती मांग के कारण सेरिकल्चरिस्ट के लिए बहुत-से करियर ऑप्शंस उपलब्ध हैं।

क्या है सेरिकल्चर?

सेरिकल्चर फार्मिंग पर आधारित और व्यवसायिक रूप से बेहद आकर्षक गतिविधि है। मूलतः कीटों से रेशम बनाने की प्रक्रिया को सेरिकल्चर कहते हैं, लेकिन अब यह उद्योग सिर्फ कीटों तक सीमित नहीं है बल्कि मल्बरी कल्टिवेशन और पोस्ट कोकून टेक्नोलॉजी जैसी नई प्रक्रियाओं से जुड़ चुकी है। आज के समय में यह एग्रो-बेस्ड इंडस्ट्री, ग्रामीण भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में अहम भूमिका निभा रही है।

कौन-से कोर्स?

इस फील्ड में करियर बनाने के लिए आप सेरिकल्चर या सिल्क टेक्नोलॉजी में बीएससी या डिप्लोमा इन सेरिकल्चर टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट कर सकते हैं। हालांकि इसके लिए इंटर में आपके पास बायोलॉजी और केमिस्ट्री जैसे विषय होने जरूरी हैं। आम डिग्री कोर्स से अलग सेरिकल्चर या सिल्क टेक्नोलॉजी में चार साल का डिग्री कोर्स होता है, जबकि पोस्ट ग्रेजुएशन दो साल का होता है। आप चाहें, तो इस फील्ड में स्पेशलाइजेशन और फिर पीएचडी भी कर सकते हैं। ग्रेजुएशन में स्टूडेंट्स को सिल्कवर्म रियरिंग, ब्रीडिंग एंड जेनेटिक्स, सिल्क रीलिंग एंड स्पिनिंग, सिल्क ग्रेडिंग एंड टेस्टिंग, मॉरीकल्चर, फूड प्लांट्स, सिल्क वीविंग टेक्नोलॉजी, सिल्क डाइंग, प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी जैसे विषय पढ़ाए जाते हैं।

प्रमुख संस्थान

- सेंट्रल सेरिकल्चरल रिसर्च एंड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, मैसूर
- शेरे-कश्मीर यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी, जम्मू
- तमिल नाडु एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, कोयंबत्तूर
- यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसे, बेंगलुरू
- बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर यूनिवर्सिटी, लखनऊ
- दिल्ली यूनिवर्सिटी, दिल्ली
- शिवाजी यूनिवर्सिटी, कोल्हापुर

जरूरी स्किल्स

इस फील्ड में करियर बनाने के लिए शारीरिक दमखम की बहुत जरूरत होती है। इसके अलावा आपमें धैर्य, समर्पण तथा अलग-अलग व खराब मौसम में भी काम करने की क्षमता होनी चाहिए। साथ ही, साइंस प्रैक्टिकल व साइंटिफिक गतिविधियों में रुचि होना चाहिए। भविष्य की संभावनाएं बतौर सेरिकल्चरिस्ट, आपके पास नौकरी व एंटरप्रेन्योरशिप के कई विकल्प मौजूद हैं। खास बात यह है कि देश के हर राज्य में सेरिकल्चर विभाग मौजूद है, जो इसके उत्पादन व मार्केटिंग की देख-रेख का काम करते हैं। आप सरकारी क्षेत्र में केंद्र सरकार की एजेंसियों जैसे सेंट्रल सिल्क बोर्ड, सिल्क एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल, एफएओ, नाबार्ड, कृषि विज्ञान केंद्र आदि में काम कर सकते हैं।
इसके अलावा रिसर्च सेंटर्स, सेरिकल्चर यूनिट्स, एग्रीकल्चर सेक्टर से जुड़े बैंक्स में भी अपना करियर प्लान कर सकते हैं। अगर आप इंडस्ट्री से जुड़कर काम करना चाहते हैं, तो सेरिकल्चर फार्म में बतौर मैनेजर, या फिर सिल्क रीलिंग, सिल्क वीविंग मिल, डाइंग, प्रिंटिंग अथवा स्पिनिंग मिल में काम कर सकते हैं। केंद्र सरकार कई स्कीम्स स्पॉन्सर करती है, जहां आपको करियर के बेहतरीन अवसर मिल सकते हैं। आप खुद का वीविंग तथा एक्सपोर्ट का बिजनेस कर सकते हैं।

कितनी आय

जो प्रोफेशनल्स अच्छी ट्रेनिंग के साथ पब्लिक सेक्टर में अपना करियर शुरू करते हैं, उनकी शुरूआती सैलरी 15 से 20 हजार रुपए प्रति माह होती है, जबकि प्राइवेट सेक्टर में आप 20 से 25 हजार रुपए प्रति माह की सैलरी से शुरूआत कर सकते हैं। सैलरी अनुभव के साथ बढ़ती है। हालांकि इस पर भी काफी कुछ निर्भर करता है कि आप कहां काम कर रहे हैं। बतौर एंटरप्रेन्योर आप बेहतरीन कमाई कर सकते हैं। एयरइंडिया में जॉब पाने का मौका, ट्रेनी केबिन क्रू के पद पर वैकेंसीज

विद्यार्थियों के एंटरप्रेन्योरशिप पोटेंशियल को निखारते हैं बी-स्कूल

इसमें कोई शक नहीं कि बिजनेसमैन की वर्तमान पीढ़ी उच्च शिक्षित है और इनमें से अधिकांश के पास टेक्निकल व मैनेजमेंट डिग्रियां हैं। यदि हम भारत के सर्वश्रेष्ठ मैनेजमेंट संस्थानों के करिकुलम को देखें, तो पाएंगे कि इनमें फोकस केवल किताबी ज्ञान पर नहीं होता, बल्कि विद्यार्थियों के एंटरप्रेन्योरशिप पोटेंशियल को निखारने पर भी होता है।

इस बात पर बहस लंबे समय से चल रही है कि देश के सर्वश्रेष्ठ बिजनेस स्कूल्स से ली गई मैनेजमेंट की डिग्री सफल एंटरप्रेन्योर बनने में कितनी और कैसे काम आती है। इस मुद्दे के पक्ष और विपक्ष दोनों ही में तर्क दिए जाते हैं। इसमें कोई शक नहीं कि बिजनेसमैन की वर्तमान पीढ़ी उच्च शिक्षित है और इनमें से अधिकांश के पास टेक्निकल व मैनेजमेंट डिग्रियां हैं। ऐसा कहा जाता है कि क्लास में पढ़ाई जानी वाली थ्योरी कभी भी काम करते हुए हासिल किए गए व्यवहारिक ज्ञान की जगह नहीं ले सकती। मगर यदि हम भारत के सर्वश्रेष्ठ मैनेजमेंट संस्थानों के करिकुलम को देखें, तो पाएंगे कि इनमें फोकस केवल किताबी ज्ञान पर नहीं होता, बल्कि विद्यार्थियों के एंटरप्रेन्योरशिप पोटेंशियल को निखारने पर भी होता है। तो चलिए, इस बात पर बिंदुवार नजर डालते हैं कि किसी टॉप बिजनेस स्कूल में पढ़ने पर आपको क्या मिलता है। बिजनेस स्टडीज एंड एडमिनिस्ट्रेशन प्रोग्राम्स आपको मौजूदा बिजनेस शैलियों, मार्केट रिसर्च डेटा, रियल टाइम तथा तथ्यात्मक केस स्टडीज का एक्सपोजर देते हैं, जो बेहद मूल्यवान साबित होता है। इन मॉडल्स और ट्रैंड्स के बारे में अच्छी तरह जानकर आप इन्हें अपने बिजनेस पर लागू कर सकते हैं। एक प्रकार से यह दूसरों की गलतियों से सीखने के समान होगा। किसी टॉप बिजनेस संस्थानके विद्यार्थी होने के नाते आपका एक्सपोजर देश तक सीमित भी नहीं रहेगा।

टेक्नोलॉजी

हम बेहद तेज रफ्तार दुनिया में जी रहे हैं और जहां तक बात नई व इनोवेटिव टेक्नोलॉजी की है, तो हम चल ही नहीं रहे, बल्कि दौड़ रहे हैं। किसी टॉप बिजनेस स्कूल के विद्यार्थी होने के नाते आपको विभिन्ना नए टूल्स व टेक्नोलॉजीस को समझने और उनके साथ प्रयोग करने का अवसर मिलता है। ऐसे सॉफ्टवेयर, जो मैथमेटिकल मॉडलिंग को सरल बना दें और स्मार्ट प्रेजेंटेशन को वास्तविकता में बदल दें, आपको अपना बिजनेस शुरू करने में काफी मदद कर सकते हैं। ऐसी छोटी-छोटी बातों से आपके कामकाज को एक प्रोफेशनल टच मिल जाता है।

स्किल्स

किसी टॉप बिजनेस स्कूल में जाने से यह भी सुनिश्चित हो जाता है कि आपकी सॉफ्ट स्किल्स में निखार आएगा, जैसे पब्लिक स्पीकिंग, इंटर-पर्सनल कम्युनिकेशन, क्रिएटिविटी, लीडरशिप आदि। ये स्किल्स उन लोगों के लिए बहुत मायने रखती हैं, जो अपना बिजनेस चलाते हैं और रोजाना कई लोगों से डील करते हैं, फिर चाहे वे कर्मचारी हों, क्लाइंट हों या वेंडर आदि हों।

सही लोगों से मुलाकात

किसी अच्छे इंस्टीट्यूट में पढ़ते हुए आपको कई प्रसिद्ध हस्तियों से मिलने का मौका मिलता है। ये हस्तियां विजिटिंग फैकल्टी या गेस्ट प्रेजेंटर के तौर पर वहां आ सकती हैं। फिर, यह भी संभव है कि आपको अपने सहपाठियों में से ही कोई भावी बिजनेस पार्टनर मिल जाए! सर्वश्रेष्ठ एमबीए कॉलेज देश की सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं को आकर्षित करते हैं। इसलिए यहां आपकी जान-पहचान ऐसे प्रतिभाशाली लोगों से होने की संभावना काफी अधिक रहती है। यह जान पहचान किसी-न-किसी रूप में काम ही आती है।

साख मायने रखती है

इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि किसी टॉप बिजनेस स्कूल से डिग्री लेकर जब आप सबको उस बिजनेस स्कूल का नाम बताएंगे, तो एंटरप्रेन्योर के तौर पर आपकी प्रामाणिकता भी बढ़ जाएगी। इससे आपके साथ डील करने वाली पार्टियों का आपके प्रति विश्वास बढ़ेगा। कुल मिलाकर, देश के किसी दिग्गज बिजनेस स्कूल से मैनेजमेंट की डिग्री लेना फायदे का ही सौदा होता है क्योंकि यहां आपको केवल किताबी ज्ञान ही नहीं मिलता, बल्कि इससे कहीं अधिक लाभ प्राप्त होता है।

वॉटर मैनेजमेंट में अपना करियर बना सकते हैं युवा

जल संरक्षण व प्रबंधन पर अब सरकारें और औद्योगिक प्रतिष्ठान भी ज्यादा जोर दे रहे हैं। इन समस्याओं से निपटने के लिए वॉटर मैनेजमेंट के प्रोफेशनल्स की जरूरत बढ़ रही है। ये ऐसे प्रशिक्षित लोग होते हैं, जिन्हें वॉटर हार्वेस्टिंग, वेस्ट वॉटर ट्रीटमेंट तथा वॉटर रिसाइक्लिंग की अच्छी समझ होती है। उधर, भूजल के स्तर को सुधारने के लिए आधुनिक तकनीकों की भी मांग बढ़ रही है। केंद्रीय जल संसाधन विभाग की ओर से जारी राष्ट्रीय जल नीति में भी पानी के कुप्रबंधन पर चिंता जताई गई है। रिपोर्ट में ज्यादा से ज्यादा वैज्ञानिक प्लानिंग पर जोर देने की बात कही गई है। जाहिर-सी बात है कि दिनो-दिन बढ़ते जल संकट को दूर करने के लिए वॉटर साइंटिस्ट, एन्वायर्नमेंट इंजीनियर, ट्रेंड वॉटर कंजर्वेशनिस्ट या कहें विभिन्न प्रकार के वॉटर मैनेजमेंट प्रोफेशनल्स की मांग बनी रहेगी। ग्रीन जॉब्स मार्केट में आकर्षक जॉब्स के अवसर बहुत हैं। वॉटर मैनेजमेंट में ट्रेंड प्रोफेशनल्स की जल प्रबंधन से जुड़े सरकारी विभागों में तथा वॉटर प्रोजेक्ट्स में खूब मांग है। निजी क्षेत्र में भी पेयजल आपूर्ति तथा वेस्ट वॉटर ट्रीटमेंट से संबंधित कार्यों के लिए प्रशिक्षित लोगों को ही हायरिंग में तवज्जो दी जा रही है। बड़े-बड़े उद्योग, रियल एस्टेट सेक्टर और एनजीओ भी वॉटर हार्वेस्टिंग डिजाइनिंग तथा जल संचयन के लिए वॉटर मैनेजमेंट की पृष्ठभूमि वाले प्रोफेशनल्स की सेवाएं ले रहे हैं। आप चाहें, तो कंसल्टेंट बनकर भी करियर बना सकते हैं क्योंकि ऐसे लोगों की वॉटर ट्रीटमेंट सिस्टम्स के संचालन और देखरेख के लिए मांग लगातार बढ़ रही है।

क्वॉलिफिकेशन

जल प्रबंधन और संरक्षण पर आधारित कई तरह के कोर्स देश के विभिन्न सरकारी और निजी संस्थानों में संचालित हो रहे हैं। युवा वॉटर साइंस, वॉटर कंजर्वेशन, वॉटर मैनेजमेंट, वॉटर हार्वेस्टिंग, वॉटर ट्रीटमेंट तथा वॉटर रिसोर्स मैनेजमेंट जैसी किसी भी स्ट्रीम में कोर्स करके अपना करियर बना सकते हैं। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) में वॉटर हार्वेस्टिंग एंड मैनेजमेंट नाम से ऐसा ही एक सर्टिफिकेट कोर्स संचालित हो रहा है। 10वीं पास युवा यह कोर्स कर सकते हैं। अगर आप बायोलॉजी विषय में 12वीं पास हैं, तो एक्वा साइंस या वॉटर साइंस में बीएससी और एमएससी भी कर सकते हैं। एग्रीकल्चर/ सिविल इंजीनियरिंग, केमिकल इंजीनियरिंग, जियोलॉजी, एन्वायर्नमेंटल स्टडीज या बायोलॉजी में बैचलर्स की पढ़ाई करके वॉटर साइंटिस्ट, एन्वायर्नमेंट इंजीनियर, बायोलॉजिस्ट, हाइड्रो जियोलॉजिस्ट या जियोलॉजिस्ट बन सकते हैं।

सैलरी कितनी?

वॉटर मैनेजमेंट में डिप्लोमाधारी युवा शुरूआत में आसानी से 15 से 25 हजार रुपए प्रति माह सैलरी पा सकते हैं। वहीं, वॉटर साइंटिस्ट या इंजीनियर को भी 30 से 40 हजार रुपए प्रति माह की सैलरी मिल जाती है।

क्या है वॉटर मैनेजमेंट?

देश-दुनिया में वॉटर कंजर्वेशन एंड मैनेजमेंट की कोशिश कई स्तरों पर चल रही है ताकि दिनो-दिन गहराते जल संकट से पार पाया जा सके। इसके लिए नदियों और भूजल में बढ़ रहे प्रदूषण को कम करने से लेकर भूजल स्तर सुधारने, परंपरागत जल स्रोतों को सुरक्षित रखने तथा आधुनिक तकनीकों के सहारे वॉटर हार्वेस्टिंग की विधियां विकसित करने व वेस्ट वॉटर ट्रीटमेंट जैसे अनेक उपायों पर जोर दिया जा रहा है। कम पानी से कृषि की उत्पादकता बनाए रखने का प्रयास भी इसी मुहिम का हिस्सा है।

संक्षिप्त समाचार

1 के शेयर ने दिया 40000 प्रतिशत रिटर्न, हर दिन बदल रहा किस्मत

नई दिल्ली, एजेंसी। रियल एस्टेट से जुड़ी कुछ कंपनियों ने निवेशकों को मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। ऐसी ही एक कंपनी-हजूर मल्टी प्रोजेक्ट्स है। बीते कुछ साल में बीएसई-सूचीबद्ध इस माइक्रोकैप कंपनी के शेयर ने निवेशकों को मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। हजूर मल्टी प्रोजेक्ट्स के शेयरों ने केवल 5 वर्षों में 40000 प्रतिशत का शानदार रिटर्न दिया है। इस रिटर्न की वजह से निवेशकों की किस्मत बदली है। आपको बता दें कि बीते दिनों कंपनी ने फंड जुटाने की योजना के बारे में ऐलान किया था। इसके बाद से कई दिन से हजूर मल्टी प्रोजेक्ट्स के शेयर में अपर सर्किट लग रहा था। हालांकि, शुक्रवार को शेयर लाल निशान पर बंद हुए। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शेयर की कीमत 389.05 रुपये थी। एक दिन पहले के मुकाबले शेयर 1.99 प्रतिशत टूटकर बंद हुआ था। अगर किसी निवेशक ने 5 साल पहले हजूर मल्टी प्रोजेक्ट्स के इक्विटी शेयरों में 1 लाख रुपये का निवेश किया था और होल्ड बनाए रखे होंगे तो ऐसे निवेशकों की रकम 4 करोड़ रुपये से अधिक हो गई है। इस शेयर की कीमत करीब 5 साल पहले 1 रुपये के स्तर पर थी। हजूर मल्टी प्रोजेक्ट्स ने स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग के जरिए जानकारी दी है कि उसका बोर्ड अधिकृत शेयर पूंजी बढ़ाने के प्रस्ताव पर विचार करने के लिए 12 अप्रैल को बैठक करेगा। बोर्ड कंपनी की बढ़ती व्यावसायिक जरूरतों को पूरा करने के लिए फंड जुटाने के प्रस्ताव पर भी विचार करेगा। कंपनी ने एक नियामक फाइलिंग में कहा- इक्विटी शेयर, वारंट, अन्य सिक्योरिटीज, निजी प्लेसमेंट, योग्य संस्थागत प्लेसमेंट, राइट्स इश्यू या ऐसे अन्य तरीके से कंपनी फंड जुटाएगी। कंपनी की बढ़ती व्यावसायिक जरूरतों के लिए फंड जुटाने का प्रस्ताव है। बता दें कि हजूर मल्टी प्रोजेक्ट्स इंफ्रा और रियल एस्टेट के कारोबार में लगी है। कंपनी ने तीसरी तिमाही में 10.29 करोड़ रुपये का प्रॉफिट हासिल किया था।

रक्षा मंत्रालय ने एचएएल कंपनी को दिया 65000 करोड़ का टेंड

नई दिल्ली, एजेंसी। बाजार में सुस्ती के बीच डिफेंस सेक्टर से जुड़ी कंपनी- हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड या (एचएएल) के शेयर रॉकेट की तरह बढ़ने लगे। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को शेयर इंट्रा-डे के दौरान तीन प्रतिशत से अधिक बढ़ गया। ट्रेडिंग के दौरान शेयर की कीमत 3677 रुपये पर पहुंच गई। यह शेयर का ऑल टाइम हाई है। कारोबार के अंत में यह शेयर 2.05 प्रतिशत बढ़कर 3637.90 रुपये पर बंद हुआ। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के शेयरों में उछाल की वजह कंपनी से जुड़ी एक खबर है। दरअसल, रक्षा मंत्रालय ने भारत में निर्मित 97 एलसीए मार्क 1ए लड़ाकू जेट खरीदने के लिए कंपनी को टेंडर जारी किया है। इस टेंडर की कीमत 65000 करोड़ से अधिक होने की उम्मीद है और यह केंद्र सरकार द्वारा स्वदेशी सैन्य हार्डवेयर के लिए दिया जाने वाला अब तक का सबसे बड़ा ऑर्डर होगा। यह ऑर्डर भारतीय वायुसेना को मिग-21, मिग-23 और मिग-27 के अपने बेड़े को बदलने में मदद करेगा। पिछले एक महीने में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के शेयर ने 11.34 फीसदी रिटर्न दिया है। वहीं, एक साल में कंपनी ने निवेशकों को 158.8 फीसदी रिटर्न दिया है।

820 पर जाएगा अडानी पावर का शेयर! कर्ज कम कर रही समूह की दिग्गज कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। बीते कुछ साल में पावर सेक्टर से जुड़ी दो दिग्गज कंपनियां-अडानी पावर और टाटा पावर के शेयरों ने मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। इस दोनों ही कंपनियों ने दम दिखाकर निवेशकों को मालामाल किया है। गौतम अडानी समूह की पावर कंपनी अडानी पावर के शेयरों ने एक साल में अपने शेयरधारकों को 200 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न दिया है।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट

शेयर बाजार विशेषज्ञों के मुताबिक अडानी पावर के शेयर अपने रिकॉर्ड उच्च स्तर से गिरावट का अनुभव कर रहे हैं। हालांकि, एक्सपर्ट का कहना कि वैल्यूएशन के लिहाज से अडानी पावर के शेयर आकर्षक दिख रहे हैं। एक्सपर्ट ने मिड से लॉन्ग टर्म के निवेशकों को बाजार में करेक्शन का इंतजार करने की सलाह दी है। पेस 360 के सह-संस्थापक अमित गोयल ने कहा-अडानी पावर की बात करें तो लगभग 646 के 52 वीक हाई पर पहुंच गया था और यह अब लगभग 8 प्रतिशत गिर गया है। एसएस वेल्थस्ट्रीट की संस्थापक सुगंधा सचदेवा ने कहा-अडानी पावर के शेयर की कीमत जनवरी 2022 में लगभग 100 से बढ़कर वर्तमान में 595 हो गई है।

हालांकि, अडानी पावर के शेयर आकर्षक बने हुए हैं क्योंकि यह कंपनी लगातार कर्ज में कमी कर रही है। कंपनी की वर्तमान में 15.21 गीगावॉट से अपनी थर्मल क्षमता को 21 गीगावॉट तक विस्तारित करने की योजना भी है। ये पॉजिटिव संकेत हैं।

टारगेट प्राइस क्या है

पेस 360 के अमित गोयल ने कहा- हमारा आउटलुक टाटा पावर शेयरों की तुलना में अडानी पावर के शेयरों को जमा करने के पक्ष में है। फिर भी किसी विशेष स्टॉक में निवेश पर विचार करने से पहले पर्याप्त मार्केट करेक्शन की प्रतीक्षा करना समझदारी होगी। अडानी पावर का शेयर लंबी अवधि के नजरिए से 750 और फिर 820 के स्तर तक बढ़ने की क्षमता रखता है। एसएस वेल्थ स्ट्रीट की सुगंधा सचदेवा ने कहा कि अडानी पावर के शेयरों ने 500 प्रति शेयर के स्तर पर मजबूत आधार बनाया है। निवेशक बाय-ऑन-डिप्स स्ट्रैटजी को बनाए रख सकते हैं।

चौथी तिमाही में TCS ने कमाए 61,237 करोड़ रुपए, नेट प्रॉफिट 9.1 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज ने शुक्रवार को वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही के नतीजों का ऐलान कर दिया। शेयर बाजारों को दी सूचना में कंपनी ने बताया कि QyFY24 में उसका नेट प्रॉफिट 9.1 फीसदी बढ़कर 12,434 करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

एक्सचेंज फाइलिंग के मुताबिक, TCS के रेवन्यू में भी इजाफा हुआ है और यह वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही में 3.5 फीसदी बढ़कर 61,237 करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

कैसी रही TCS के शेयर की चाल

शुक्रवार को क्लस्थ पर, TCS के शेयर में मामूली तेजी देखी गई। यह 0.45 फीसदी चढ़कर 4000.30 रुपए प्रति शेयर के भाव पर बंद हुआ।

उदय कोटक ने दे दी बड़ी चेतावनी, सोच-समझकर करें खर्च और इन्वेस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। कोटक महिंद्रा बैंक के फाउंडर और नॉन एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर उदय कोटक ने बड़ी चेतावनी दी है। दिग्गज बैंकर उदय कोटक ने वैश्विक उथल-पुथल के लिए तैयार रहने को कहा है। वहीं उन्होंने सोच-समझकर खर्च और इन्वेस्ट करने की बात कही है। आर्थिक मोर्चे पर उन्होंने भारी उठा-पटक की चेतावनी दी है। उदय कोटक के मुताबिक, 90 डॉलर प्रति बैरल पर कच्चे तेल की कीमतों से महंगाई के लंबे समय तक ऊंची रहने की संभावना है। इससे दुनियाभर में ब्याज दरें ऊंची बनी रह सकती हैं। भारत में भी ऐसा ही रुझान रह सकता है। कोटक महिंद्रा बैंक के संस्थापक ने यह भी कहा कि इसकी एक अप्रत्याशित वजह चीन में आर्थिक गिरावट भी है।

उदय कोटक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि यूएस फेडरल रिजर्व अमेरिका में बढ़ती महंगाई से परेशान है। यही वजह है कि तमाम उम्मीदों के बावजूद फेड रिजर्व ने ब्याज दरों में कटौती नहीं की है। इसका ग्लोबल असर जल्द ही दिखाई देगा। उदय कोटक के मुताबिक, अभी सभी के पास सिर्फ एक वाइल्ड कार्ड चीन का आर्थिक रूप से कमजोर होना है। ऐसे में ग्लोबल उठापटक के लिए हम सभी को तैयार हो जाना चाहिए।

दिख रहा ये असर

कोटक की टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब इज़राइल और ईरान के बीच भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक आपूर्ति झटकों के कारण ब्रेंट क्रूड की कीमतें लगभग 90 डॉलर पर कारोबार कर रही हैं। मेक्सिको जैसे कुछ उत्पादकों ने कच्चे तेल का निर्यात भी कम कर दिया है। अमेरिका, इस साल के अंत में होने वाले चुनावों से पहले, अपने रणनीतिक भंडार को फिर से भरना चाहता है। जो यूक्रेन पर रूसी आक्रमण के दौरान आंशिक रूप से खत्म हो गए थे।

दय कोटक के मुताबिक, आरबीआई ब्याज दरों को स्थिर रखकर महंगाई से लड़ने की कोशिश कर रहा है। वित्त वर्ष 2025 में भारत की जीडीपी 7 फीसदी की दर से आगे बढ़ सकती है।

भारतीय रियल एस्टेट का आकार पिछले नौ साल में 73 प्रतिशत बढ़कर 482 अरब डॉलर पर

नई दिल्ली, एजेंसी। आवासीय एवं वाणिज्यिक संपत्तियों की बेहतर मांग और उच्च आर्थिक वृद्धि की वजह से भारतीय रियल एस्टेट बाजार का आकार वर्ष 2015 से 73 प्रतिशत उछलकर 482 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है। एक रिपोर्ट में यह अनुमान जताया गया है। संपत्ति के बारे में परामर्श देने वाली नाइट फ्रैंक और उद्योग मंडल सीआईआई की तरफ से शुक्रवार को संयुक्त रूप से जारी रिपोर्ट के मुताबिक, भारत का रियल एस्टेट बाजार वर्ष 2034 तक करीब तिगुना होकर 1,487 अरब डॉलर का हो जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय रियल एस्टेट बाजार का आकार वर्ष 2015 में 279 अरब डॉलर था और वर्ष 2024 में बढ़कर 482 अरब डॉलर हो चुका है जो कुल आर्थिक उत्पादन का 7.3 प्रतिशत है। बढ़ती अर्थव्यवस्था के समर्थन से देश में रियल एस्टेट क्षेत्र में महत्वपूर्ण बदलाव आया है। भारत के रियल एस्टेट क्षेत्र का लगभग 250 सहायक उद्योगों से किसी-न-किसी तरह का संबंध है। सलाहकार फर्म ने कहा कि यह कृषि क्षेत्र के बाद सबसे अधिक रोजगार पैदा करने वालों में से एक है, जो कुल रोजगार का 18 प्रतिशत है। सीआईआई-नाइट फ्रैंक इंडिया रिपोर्ट का अनुमान है कि 2034 तक भारत के रियल एस्टेट क्षेत्र का विस्तार 1.5 लाख करोड़ डॉलर तक होने की उम्मीद है, जो कुल आर्थिक उत्पादन में 10.5 प्रतिशत का योगदान देगा। सलाहकार कंपनी ने रियल एस्टेट क्षेत्र के बाजार आकार में वृद्धि के लिए बढ़ती आवासीय मांग, कार्यालय स्थल की जरूरत में वृद्धि, होटल और खुदरा क्षेत्र के विस्तार को जिम्मेदार ठहराया है। नाइट फ्रैंक इंडिया के वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक (शोध, परामर्श, बुनियादी ढांचा एवं मूल्यांकन) गुलाम जिया ने कहा, ÷आने वाले दशक में भारत की आर्थिक उन्नति में अभूतपूर्व उछाल आएगा, जिसमें रियल एस्टेट क्षेत्र आधारशिला बनने के लिए तैयार है।÷ वर्ष 2034 में आवासीय बाजार 906 अरब डॉलर मूल्य का हो जाने की उम्मीद है जबकि कार्यालय क्षेत्र 125 अरब डॉलर का योगदान देगा।

बैंकों के कमजोर नतीजों ने दिया झटका, तीन दिन में 1.7 प्रतिशत टूटा एस एंड पी 500

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी बाजारों में लगातार तीसरे दिन गिरावट जारी रही। कई बड़े बैंकों ने नतीजों के सीजन की शुरुआत खराब नतीजों के साथ की है। इसके अलावा बढ़ते भू-राजनीतिक दबावों ने भी बाजार पर दबाव बढ़ा दिया है। मीडिया में खबरें हैं कि ईरान अपने जनरलों की मौत का बदला लेने के लिए इजराइल पर अब तक के सबसे भीषण हमले के की तैयारी में है। इससे निपटने को लिए इजराइल भी तैयार है। एक और विनाशकारी युद्ध की आशंका ने बाजार पर अपना असर दिखाया है।

अमेरिकी बाजार टूटे

भारतीय समयानुसार रात 12 अप्रैल को रात 9:30 बजे, एसएंडपी 500 एक फीसदी गिरकर 5,147.24 पर और नैस्डैक कंपोजिट 1.12 फीसदी गिरकर 16,257.53 पर दिख रहा था। डाओ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज भी लगभग एक फीसदी गिरकर 38,141.86 पर कारोबार कर रहा था।

बॉन्ड से लेकर सोने और डॉलर तक सुरक्षित निवेश विकल्पों की बढ़ी चमक : ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट में कहा गया है कि 2024 में ग्रीनबैक के उच्चतम स्तर पर पहुंचने के कारण ट्रेजरी यील्ड पूरे अमेरिकी कर्व के ऊपर चला गया। शुक्रवार को आर्थिक आंकड़ों ने भी निवेशकों के मूड को सुधारने में कोई मदद नहीं की। महंगाई बढ़ने के साथ उपभोक्ताओं के सेंटिमेंट पर दबाव देखने को मिला। ऐसे में निवेशक बांड से लेकर सोने और डॉलर तक बाजार के सुरक्षित माने जाने वाले कोनों की शरण लेते दिख रहे हैं।

मिली-जुली रही यूरोपीय बाजारों की चाल : कल एनएसई निफ्टी में एक फीसदी की गिरावट के बाद गिफ्ट निफ्टी भी 0.59 फीसदी गिरकर 22,453.00 पर आ गया। ब्रिटेन का इकोनॉमिक आउटपुट उम्मीद के अनुरूप आने से यूरोपीय बाजारों में मिश्रित कारोबार हुआ। अर्थव्यवस्था के जल्द ही मंदी से बाहर निकलने की उम्मीद के साथ एफटीएसइ लगभग एक फीसदी बढ़कर 7,995.58 पर पहुंच गया। हालांकि, डीएएक्स 0.13 फीसदी गिरकर 17,930.32 पर और सीएसी 0.16 फीसदी गिरकर 8,010.83 पर कारोबार कर रहा था।

एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार : इससे पहले दिन के 12 अप्रैल के कारोबारी सत्र के दौरान एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार दिखा। निक्केई 0.21 प्रतिशत बढ़कर 39,523.55 पर बंद हुआ। हालांकि, मार्च में चीन के घटते निर्यात और आयात के कारण हैंग सेंग 2.18 फीसदी गिरकर 16.721.69 पर आ गया।

शुक्रवार को भारतीय इंडेक्स लाल निशान में हुए बंद : उधर कमजोर ग्लोबल संकेतों के कारण शुक्रवार को भारतीय इंडेक्स अपने सर्वकालिक हाई से गिरकर लाल निशान में बंद हुए। निफ्टी 1 फीसदी से ज्यादा गिरकर 22,519.40 पर और सेंसेक्स 1.06 फीसदी गिरकर 74,244.90 पर बंद हुआ। डीआईआई ने 6,341.53 करोड़ रुपये की शुद्ध खरीदारी की जबकि एफआईआई/एफपीआई ने 8,027.00 करोड़ रुपये की शुद्ध बिक्री की। इजराइल-ईरान के संभावित युद्ध की तैयारी के चलते शुक्रवार को कच्चे तेल में उछाल आया। डब्ल्यूटीआई क्रूड 1.46 फीसदी बढ़कर 86.26 पर और ब्रेंट 1.27 फीसदी बढ़कर 90.88 पर पहुंच गया।

फिनटेक इंडस्ट्री में अशनीर ग्रोवर की री-एंट्री, मेडिकल लोन के लिए लॉन्च करेंगे ऐप

नई दिल्ली, एजेंसी। फिनटेक कंपनी भारतपे के को-फाउंडर और पूर्व एमडी अशनीर ग्रोवर एक नए ऐप को लॉन्च करने वाले हैं। इस ऐप का नाम- जीरोपे होगा, जो मेडिकल लोन प्रोवाइड करने वाला है। इस ऐप की लॉन्चिंग के साथ अशनीर ग्रोवर फिनटेक इंडस्ट्री में दूसरी पारी की शुरुआत करेंगे। बता दें कि लंबे समय से भारतपे और अशनीर ग्रोवर के बीच कानूनी विवाद चल रहा है।

गूगल प्लेस्टोर लिस्टिंग के अनुसार जीरोपे अभी ट्रायल मोड में है। इसे थर्ड यूनिकॉर्न द्वारा विकसित किया गया है। ग्रोवर ने जनवरी 2023 में अपनी पत्नी माधुरी जैन ग्रोवर और चंडीगढ़ स्थित उद्यमी असीम घावरी के साथ थर्ड यूनिकॉर्न लॉन्च किया। थर्ड यूनिकॉर्न की स्थापना ग्रोवर ने भारतपे से बाहर निकलने के बाद की थी।

साल 2023 में क्रिकपे नामक एक फंतासी गेमिंग प्लेटफॉर्म लॉन्च किया था। यह कंपनी ड्रीम11, मोबाइल प्रीमियर लीग (एमपीएल) और गेम्स24×7 के माय11सर्कल जैसे प्रतिद्वंद्वियों को टक्कर दे रही है। इसने वीवेक वेंचर्स इन्वेस्टमेंट्स और रिशायु एलएलपी की भागीदारी के साथ हरु ग्रोथ फंड के नेतृत्व में सीड राउंड में 3.5 मिलियन डॉलर जुटाए। जीरोपे ऐप दिल्ली स्थित गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) मुकुट फिनवेस्ट के साथ साझेदारी में 5 लाख रुपये तक के तत्काल प्री-अप्रूव्ड लोन की पेशकश करेगा। ऐप वेबसाइट का कहना है कि इस सेवा का लाभ केवल भागीदारी वाले अस्पतालों में ही उठाया जा सकता है। बता दें कि अब फिनटेक कंपनियों समेत अन्य बैंकिंग प्लेटफॉर्म भी मेडिकल बेस्ड लोन देने के लिए नई-नई स्कीम लॉन्च कर रहे हैं। हाल ही में सार्वजनिक क्षेत्र के केनरा बैंक ने अस्पताल के खर्च में कमी को पूरा करने के लिए कर्ज देने की योजना सहित कई नये उत्पाद पेश किये हैं। हेल्थकेयर लोन सुविधा उन ग्राहकों के लिए उपलब्ध है जिनके इलाज का खर्च बीमा राशि से अधिक है।

कंसल्टिंग फर्म बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप और सिंगापुर स्थित वेंचर कैपिटल फर्म बी कैपिटल की एक संयुक्त रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत का डिजिटल हेल्थकेयर बाजार 2030 तक 37 बिलियन का राजस्व जनरेट कर सकता है। इसमें से अकेले हेल्थकेयर फंडिंग 5 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है।

सरकार ने चालू वित्त वर्ष के लिए कोयला उत्पादन का लक्ष्य 17 करोड़ टन तय किया

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने चालू वित्त वर्ष (2024-25) के दौरान देश में निजी उपयोग और वाणिज्यिक कोयला ब्लॉक से 17 करोड़ टन कोयला उत्पादन का लक्ष्य रखा है। बीते वित्त वर्ष में निजी उपयोग और वाणिज्यिक कोयला ब्लॉक से 14.71 करोड़ टन सूखा कोयले का उत्पादन किया था, जो वित्त वर्ष 2022-23 में 11.6 करोड़ टन कोयला उत्पादन से 26 प्रतिशत ज्यादा था।

एक अधिकारी ने कहा कि कोयला मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव एम नागराजू ने चालू वित्त वर्ष के लिए कोयला उत्पादन लक्ष्य की समीक्षा की। समीक्षा बैठक में 74 कोयला खानों के प्रतिनिधि भी मौजूद थे। अधिकारी ने कहा, ÷कोयला ब्लॉक आवंटियों को 2024-25 में 17 करोड़ टन उत्पादन लक्ष्य हासिल करने का भरोसा है।÷

भारतीय स्टार्टअप गुड गम ने च्यूइंग गम इंडस्ट्री में क्रांति ला दी, करोड़ों में खेल रहे भाई!

नई दिल्ली, एजेंसी। स्टार्टअप के युग में इको-फ्रेंडली सॉल्यूशन ट्रेंड बन गए हैं। इसका एक बड़ा उदाहरण भारतीय स्टार्टअप गुड गम है। यह एक ऐसा ब्रांड है जिसने च्यूइंग गम इंडस्ट्री में क्रांति ला दी है। गुड गम 100 प्रतिशत बायोडिग्रेडेबल चीजों से बना है। यह प्लास्टिक वेस्ट को कम करने में महत्वपूर्ण योगदान देता है। गुड गम के संस्थापक दो भाई हैं। इनका नाम भुवन बी नागोरी और मयंक बी नागोरी है। जब अपना आइडिया इन्होंने शार्क टैंक में पेश किया था तब जजों की ओर से ऑफरों की बरसात हो गई थी। आइए, यहां उनकी सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

कतिना पढ़े-लिखे हैं दोनों भाई

गुड गम अलग तरह का स्टार्टअप है। इसे बनाने का श्रेय नागोरी भाइयों को जाता है। बड़े भाई का नाम मयंक बी नागोरी है। छोटे का भुवन बी नागोरी। वे बेंगलुरु से ताल्लुक रखते हैं। दोनों की स्थायी समाधानों में साझा दिलचस्पी है। यह उनके रिश्ते को और गहरा कर देता है। 29 साल के मयंक बी.एम.एस. कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग से केमिकल इंजीनियरिंग में ग्रेजुएट हैं। नॉटिंघम यूनिवर्सिटी से उन्होंने फूड प्रोडक्शन मैनेजमेंट में पोस्टग्रेजुएट डिग्री हासिल की है। दूसरी ओर 24 साल के छोटे भुवन के पास क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु से बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन की डिग्री है। उन्होंने मास्टरपीस हार्डवेयर के लिए रिटेल सेल्स मैनेजर के रूप में अपना करियर शुरू किया था। अक्टूबर 2021 में उन्होंने मयंक के साथ गुड गम की नींव रखी। गुड गम चारकोल, रास्पबेरी, दालचीनी और लेमन सहित अलग-अलग तरह के स्वादिष्ट फ्लेवर में आता है। इसकी सामग्री में चिकल ट्री सैप, एसेंशियल ऑयल, नैचुरल स्वीटनर्स और फलों के अर्क शामिल हैं। ये इन च्यूइंग गम को न सिर्फ बायोडिग्रेडेबल बल्कि किड्स-फ्रेंडली और डायबेटिक-फ्रेंडली भी बनाते हैं। संस्थापकों का टारगेट रेगुलर च्यूइंग गम के हानिकारक असर के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। इन च्यूइंग गम में अक्सर पॉलीविनाइल एसीटेट होता है। इस केमिकल का इस्तेमाल टायर मैन्यूफैक्चरिंग में होता है।

संक्षिप्त समाचार

कैंडिडेट्स शतरंज- गुकेश की पहली हार, शीर्ष स्थान से फिसले

टोरंटो (कनाडा), एजेंसी। रूस के इयन नेपोमनियाच्ची (4.5) अमेरिकी नाकामुरा (3.5) से ड्रॉ खेलकर इकलौती बढ़त पर हैं। महिला वर्ग में आर वैशाली को चीन की ली टिंगजी (4) से हार का सामना करना पड़ा, जबकि कोनेरू हंपी ने यूक्रेन की मुजिशुक (2.5) से ड्रॉ खेला। दोनों के 2.5 अंक हैं। डी गुकेश को कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट में पहली हार का सामना करना पड़ा। उन्हें फ्रांस के फिरोजा अलीरेजा के खिलाफ अच्छी स्थिति में होने के बावजूद मात सहनी पड़ी। इस हार के बाद गुकेश (4) को संयुक्त शीर्ष स्थान भी गंवाना पड़ा। अब वह आर प्रगनानंदा और फैबियानो कारुआना के साथ दूसरे स्थान पर हैं। प्रगनानंदा (4) और शीर्ष वरीय कारुआना (4) ने सातवें दौर की बाजी ड्रॉ खेली। विदित गुजराती (3.5) का भी अजरबैजान के निजात एबासोव (2) से मुकाबला बराबरी पर छूटा। रूस के इयन नेपोमनियाच्ची (4.5) अमेरिकी नाकामुरा (3.5) से ड्रॉ खेलकर इकलौती बढ़त पर हैं। महिला वर्ग में आर वैशाली को चीन की ली टिंगजी (4) से हार का सामना करना पड़ा, जबकि कोनेरू हंपी ने यूक्रेन की मुजिशुक (2.5) से ड्रॉ खेला। दोनों के 2.5 अंक हैं। चीन की झोंगयी तान (5) ने रूस की अलेक्जेंडर गोर्याचकिना (4.5) से ड्रॉ खेल महिला वर्ग में अपनी बढ़त को कायम रखा है। सात दौर के बाद टूर्नामेंट का आधा पड़ाव समाप्त हो चुका है। अब अगले सात दौर में विश्व चैंपियन चीन के डिंग लिरेन को चुनौती देने वाले का फैसला होगा। टूर्नामेंट में पहली बार चीजें गुकेश की योजनाओं के अनुसार नहीं चलीं।

पांच मैचों की सीरीज में भारतीय हॉकी टीम की चौथी हार

पर्थ, एजेंसी। भारतीय हॉकी टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टेस्ट में 1-3 से हार का सामना करना पड़ा। पांच मैचों की श्रृंखला में यह मेहमान टीम की चौथी हार है। बिजली कड़कने के कारण 40 मिनट देरी से शुरू हुए मैच में चारों गोल पेनाल्टी कॉर्नर पर आए। भारत ने कप्तान हरमनप्रीत की मदद से 12वें मिनट में बढ़त बनाई थी लेकिन जेरेमी हेवर्ड (19वां मिनट, 47 वां मिनट) ने दो और जैक वेल्क (54वां मिनट) ने ऑस्ट्रेलिया की जीत सुनिश्चित की। पहले टेस्ट में भारत को 1-5, दूसरे में 2-4 और तीसरे में 1-2 से हार का सामना करना पड़ा था। न्यूजीलैंड भारतीय सेना की हॉकी टीम की ओर से 1926 में किए गए दौरे के सौ वर्ष होने का जश्न मनाने जा रहा है। तीन माह तक चले इस दौरे की टीम में हॉकी के जादूगर ध्यानचंद भी शामिल थे। माना जाता है कि इसी दौरे से ध्यानचंद का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उदय हुआ था।भारत में न्यूजीलैंड के राजदूत डेविड पाइन ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि 2026 दोनों देशों के संबंधों का विशेष वर्ष होगा। उन्होंने कहा कि इस जश्न के लिए एक समिति का गठन हो चुका है और समय के अनुसार चीजें आगे बढ़ती चली जाएंगी।

हिटमैन बोले -हम जीत सकते हैं विश्व टेस्ट चैंपियनशिप

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि उन्होंने अभी संन्यास के बारे में नहीं सोचा है। घरेलू धरती पर विश्व कप का खिताब जीतने का मौका गंवाने के बाद रोहित को उम्मीद है कि भारत विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल 2025 में खेलेगा। 36 वर्षीय रोहित, दक्षिण अफ्रीका में भारत की 2007 पुरुष टी20 विश्व कप जीत और इंग्लैंड में 2013 चैंपियंस ट्रॉफी जीत के सदस्य थे।

वह और भारत घरेलू मैदान पर 2023 पुरुष वनडे विश्व कप खिताब जीतने की कगार पर थे, लेकिन अहमदाबाद में फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हार ने उन उम्मीदों को खत्म कर दिया। ये वही साल था जब भारत को लंदन के द ओवल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ डब्ल्यूटीसी 2023 फाइनल में भी हार मिली थी।

रोहित ने ब्रेकफास्ट विद चैंपियंस के एक एपिसोड में कहा कि मैंने वास्तव में संन्यास के बारे में नहीं सोचा है। लेकिन, मैं नहीं जानता कि जिंदगी आपको कहां ले जाती है। मैं इस समय भी अच्छा खेल रहा हूं - इसलिए मैं सोच रहा हूं कि मैं इसे जारी रखूंगा। कुछ और साल और फिर, मुझे नहीं पता कि मैं वास्तव में वह विश्व कप जीतना चाहता हूं और 2025 में लॉर्ड्स में विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल होगा, उम्मीद है कि भारत इसमें सफल होगा।

विश्व कप फाइनल के दुख के बारे में बात करते हुए, जहां भारत की दस मैचों की जीत का सिलसिला बुरी तरह समाप्त हुआ था। रोहित ने कहा कि मेरे लिए 50 ओवर का विश्व कप ही वास्तविक विश्व कप है। हम उस 50 ओवर के विश्व कप को देखकर बड़े हुए हैं। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि यह भारत में हमारे घरेलू दर्शकों के सामने हो रहा था। हमने उस फाइनल तक बहुत अच्छा खेला, मैंने सोचा, ठीक है अब हम इससे एक कदम दूर हैं सभी चीजें ठीक से कर रहे हैं।

वह कौन सी चीज है जिसके कारण हम विश्व कप हार सकते हैं? ईमानदारी से कहूं तो मेरे दिमाग में एक भी बात नहीं आई, क्योंकि मुझे लगा कि हमने सभी मानकों पर सही का निशान लगा दिया है, हम अच्छी क्रिकेट खेल रहे हैं। हम सभी को लगा कि एक दिन बुरा होगा और मुझे लगता है कि वह हमारा बुरा दिन था। ईमानदारी से कहूं तो, मैंने नहीं सोचा था कि हमने उस फाइनल में खराब क्रिकेट खेला था, कुछ चीजें हमारे अनुकूल नहीं थीं। लेकिन ऑस्ट्रेलिया उस दिन काफी बेहतर था।

गरीबी में आटा गीला...

आरसीबी को लगा तगड़ा झटका स्टार ऑलराउंडर मैक्सवेल हुए चोटिल

नईदिल्ली, एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए अब तक आईपीएल 2024 बहुत खराब रहा. टीम ने 6 मैच खेल लिए हैं, जिसमें उन्हें सिर्फ 1 में ही जीत नसीब हुई है. बेंगलुरु सीज़न में 1 जीत हासिल करने वाली इकलौती टीम है. 1 जीत के साथ टीम प्वाइंट्स टेबल में सबसे नीचे यानी 10वें पायदान पर मौजूद है. अब इन मुश्किल हालातों के बीच टीम को बड़ा झटका लगा है. टीम का स्टार ऑलराउंडर चोटिल हो गया है. दरअसल आरसीबी के लिए बिग शो कहे जाने वाले स्टार ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल को अंगूठे में चोट लग गई है. एक रिपोर्ट के मुताबिक मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेले गए पिछले मैच में फील्डिंग के दौरान मैक्सवेल को चोट लगी थी. आकाश दीप की बॉलिंग पर ऑन साइड में फील्डिंग करते हुए मैक्सवेल का अंगूठा चोटिल हुआ था. चोट के बाद वह मैदान के बाहर चले गए थे. बेंगलुरु अपना अगला मैच 15 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेलेगी. हैदराबाद के खिलाफ मैक्सवेल बाहर हो सकते हैं.

खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं मैक्सवेल

मैक्सवेल ने अब तक इस सीज़न 6 पारियां खेल ली हैं, जिसमे 3 बार वह डक पर आउट हुए. इसके अलावा बाकी तीन पारियों में उन्होंने 03, 28 और 01 रन बनाया है. वहीं बॉलिंग में उन्होंने 4 विकेट झटके हैं.

मैंने भारत में जो देखा, वो कहीं नहीं देखा...

डेब्यू में धमाके के बाद मैकगर्क की जुबां पर आई दिल की बात

नईदिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया की युवा सनसनी जेक फ्रेजर-मैकगर्क ने आईपीएल डेब्यू में धमाका कर दिया। दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) का हिस्सा मैकगर्क ने शुक्रवार को लखनऊ सुपर जांयट्स (एलएसजी) के खिलाफ शानदार अर्धशतकीय पारी खेली। वन डाउन उतरे मैकगर्क के बल्ले से 35 गेंदों में 55 रन निकले। उन्होंने दो चौके और पांच छक्के ठोके। उन्होंने पृथ्वी शॉ (19) के साथ दूसरे विकेट के लिए 39 और कप्तान ऋषभ पंत (41) के संग तीसरे विकेट के लिए 77 रन की अहम साझेदारी की। डीसी ने 168 रन का टारगेट 11 गेंद बाकी रहते हासिल कर लिया। मैकगर्क आईपीएल डेब्यू मैच में फिफ्टी जड़ने वाले 22वें खिलाड़ी हैं।डीसी ने चोटिल पेसर लुंगी एनगिडी के रिप्लेसमेंट के रूप में मैकगर्क को स्क्वॉड में शामिल किया था। वह 50 लाख रुपये के बेस प्राइस पर डीसी से जुड़े थे। आईपीएल डेब्यू में यादगार पारी खेलने के बाद 22 वर्षीय मैकगर्क की जुबां पर दिल की बात आ गई। उन्होंने भारत की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि भारत में आईपीएल में जैसे शानदार माहौल है, वैसा कभी अनुभव नहीं किया। उन्होंने मैच के बाद कहा, मैंने पिछले पांच-छह बाहर बैठकर बिताए हैं और मैदान पर उतरने के लिए उत्सुक रहा। मैं पहला गेम जीतने पर बेहद खुश हूं।

अपनी मानसिकता और शरीर को पहले रखना प्राथमिकता: जेसन रॉय

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज जेसन रॉय ने कहा है कि उन्हें अपनी मानसिकता और शरीर को पहले रखने के लिए मौजूदा आईपीएल 2024 सीजन से हटना पड़ा, जहां उन्हें कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के साथ खेलना था। रॉय के आईपीएल 2024 से हटने का मतलब था कि केकेआर को इंग्लैंड के साथी सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट को साइन करना पड़ा। श्रेयस अय्यर के पीठ के निचले हिस्से की चोट के कारण बाहर होने और शाकिब अल हसन के सीज़न के लिए उपलब्ध नहीं होने के बाद रॉय आईपीएल 2023 में केकेआर में आए और आठ मैचों में 35.63 की औसत और 151.60 के स्ट्राइक-रेट से 285 रन बनाए जिसमें दो अर्धशतक शामिल थे। मुझे लगता है कि इस साल के आईपीएल को मिस करना एक बहुत बड़ा निर्णय था। केकेआर ने पिछले साल एक अच्छे वर्ष के बाद मुझे रिटेन करके मुझ पर इतना भरोसा किया और पूरे साल और अन्य सभी प्रतियोगिताओं में उनके लिए उपलब्ध रहा, मुझे लगा जैसे मैं उनका एहसानमंद हूं।

रॉय ने द एथलीट्स वॉयस पॉडकास्ट के नवीनतम एपिसोड में कहा कि यह एक बहुत बड़ा निर्णय था, लेकिन मैंने यह निर्णय सिर्फ इसलिए लिया क्योंकि यह मेरी बेटी का पांचवां जन्मदिन था। मैं अपने साल की शुरुआत के बाद काफी थक गया था।

इस वर्ष, 2023 में भारत में 2023 पुरुष एकदिवसीय विश्व कप के लिए इंग्लैंड की टीम से बाहर होने के बाद, रॉय ने आईएलटी20 के दो मैचों में अबू धाबी नाइट राइडर्स का प्रतिनिधित्व करने से पहले डरबन के सुपर जाइंट्स के लिए एसए20 खेला। वह पीएसएल 2024 में क्वेटा ग्लैडियेटर्स के लिए खेलेंगे।

मैं बहुत अधिक क्रिकेट नहीं खेलकर आया हूं, इसलिए मैं केकेआर के प्रति बहुत ईमानदार था और हमारे बीच एक शानदार रिश्ता है। उन्होंने कहा, मैं क्यों नहीं आ रहा हूं, इस पर सहमति और इस तरह की बातें। वे पूरी तरह से समझ गए, इसलिए मैं इसके लिए उनका बहुत आभारी हूं, लेकिन मुझे खुद को सबसे पहले रखना था। रॉय की आईपीएल 2024 से वापसी भी दो साल पहले की सीख से हुई, जब उन्हें खेल से अनिश्चितकालीन ब्रेक लेने के लिए मजबूर होना पड़ा और गुजरात टाइटन्स के लिए आईपीएल 2022 से चूक गए। वह मेरे लिए बहुत बड़ी सीख थी, आप जानते हैं कि इस वर्ष यह निर्णय लेने में सक्षम होना, और यह एक निश्चित तरीके से दिख सकता है। लेकिन इसका किसी और से कोई लेना-देना नहीं है। यह आपका निर्णय है - मेरा एक युवा परिवार है, मैं एक वयस्क व्यक्ति हूं और मैंने बहुत सारे विचारों के बाद यह निर्णय लिया है। मैं सिर्फ एक सुबह उठा और सोचा, आप जानते हैं क्या - मुझे वास्तव में भारत के लिए उस उड़ान पर जाने का मन नहीं है।

उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि इस पर बहुत विचार किया गया है, और इसके बारे में बात करना बहुत आसान हो गया है और निर्णय लेना कहीं अधिक आसान हो गया है, सिर्फ इसलिए कि आप जानते हैं, खासकर पिछले अनुभवों से, कि यह आपके लिए क्या कर सकता है।

आयुष बडोनी ने आईपीएल में एमएस धोनी के रिकॉर्ड की बराबरी

नईदिल्ली, एजेंसी। आईपीएल के 17वें सीजन के 26वें मुकाबले में लखनऊ सुपर जाएंट्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मुकाबला खेला गया जिसमें ऋषभ पंत की कप्तानी में दिल्ली ने इस मैच को 6 विकेट से अपने नाम किया। इस मुकाबले में लखनऊ की टीम ने टॉस जीतने के बाद पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया था, जिसमें उन्होंने 41 के स्कोर तक जहां अपने शुरुआती 2 विकेट गंवाए थे तो वहीं 94 के स्कोर तक टीम ने अपने 7 विकेट गंवा दिए थे। यहां से लखनऊ के लिए मैच में लड़ने लायक स्कोर तक पहुंचना काफी मुश्किल दिख रहा था, लेकिन 24 साल के युवा खिलाड़ी आयुष बडोनी ने अरशद खान के साथ मिलकर स्कोर को 167 के स्कोर तक पहुंचा दिया। आयुष के बल्ले से 35 गेंदों में 55 रनों की नाबाद पारी देखने को मिली जिसके दम पर उन्होंने आईपीएल में महेंद्र सिंह धोनी के एक खास रिकॉर्ड की भी बराबरी कर ली।

आईपीएल में नंबर-7 की पोजीशन पर आया बडोनी का दूसरा अर्धशतक

आयुष बडोनी को लखनऊ सुपर जाएंट्स ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में नंबर 7 की पोजीशन पर बल्लेबाजी करने के लिए मैदान पर भेजा था, जिसके बाद उन्होंने एक छोर से पारी को संभालने के साथ रनों की गति को भी बढ़ाने का काम किया। आयुष ने अरशद खान के साथ मिलकर 42 गेंदों में 73 रनों की साझेदारी। आयुष ने अपनी नाबाद 55 रनों की पारी के दम पर आईपीएल इतिहास में धोनी के खास रिकॉर्ड की भी बराबरी कर ली। आईपीएल इतिहास में इस मुकाबले से पहले नंबर-7 की पोजीशन पर बल्लेबाजी करते हुए भारतीय खिलाड़ी के तौर पर सिर्फ धोनी ने ही 2 फिफ्टी प्लस रनों की पारी खेली थी, वहीं बडोनी जो पहले एक बार इस कारनामे को अंजाम दे चुके थे उन्होंने दूसरी बार ऐसा करने के साथ धोनी के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। बडोनी ने इससे पहले साल 2023 के आईपीएल सीजन में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ लखनऊ के मैदान पर खेले गए मुकाबले में नंबर-7 की पोजीशन पर बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 59 रनों की पारी खेली थी।

आंद्रे रसेल ने खेली हैं अब तक सबसे ज्यादा अर्धशतकीय पारियां नंबर-7 पर

आईपीएल इतिहास में अब तक नंबर-7 की पोजीशन पर सबसे ज्यादा अर्धशतकीय पारियां खेलने का रिकॉर्ड आंद्रे रसेल के नाम पर है, जिन्होंने 5 बार इस कारनामे को अंजाम दिया है। वहीं इसके बाद आयुष बडोनी, पैट कमिंस और महेंद्र सिंह धोनी का नाम है जिन्होंने 2-2 बार ये कारनामा अब तक किया है। बडोनी को लेकर बात की जाए तो साल 2022 के सीजन से वह लखनऊ की टीम का हिस्सा हैं और अब तक उन्होंने 33 मैचों में 21.95 के औसत से 483 रन बनाए हैं, जिसमें 3 अर्धशतकीय पारियां भी शामिल हैं। बडोनी का अब तक 131.97 के स्ट्राइक रेट के साथ रन बनाए हैं।

धोनी की झलक के लिए फैन ने खरीदे 64,000 रुपए के आईपीएल टिकट

नईदिल्ली, एजेंसी। महेंद्र सिंह धोनी के भारत में एक से बढ़कर एक फैन है. उनकी दीवानगी फैंस के सिर पर चढ़कर बोलती है. धोनी के एक फैन ने दावा किया कि उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स के टिकट को 64, 000 रुपये खर्च कर खरीदा, ताकि वो थाला का दीदार कर सकें. इसके लिए इस फैन ने बेटियों की स्कूल फीस में देरी कर दी. उन्होंने कहा कि वह पहले टिकट लेना चाहते थे, जिस वजह से उन्होंने अपनी 3 बेटियों की फीस में देरी कर दी. इस फैन के साथ उसकी तीन बेटियों ने थाला के मैच का दीदार किया.

सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में इस फैन दावा किया. चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में केकेआर के खिलाफ मैच के टिकट इस फैन ने 64 हजार रुपए खर्च कर खरीदे. धोनी 8 अप्रैल को आईपीएल 2024 में केकेआर के ख?िलाफ हुए मैच में बल्लेबाजी करने के लिए उतरे थे. इस मैच को चेन्नई सुपर किंग्स ने 7 विकेट से जीता था. इस फैन ने दावा किया कि 64,000 रुपये खर्च कर जो टिकड खरीदे, उससे उन्होंने और उनकी 3 बेटियों ने मैच देखे. इस फैन ने दावा किया, मुझे टिकट नहीं मिला, इसलिए मैंने ब्लैक में 64,000 रुपये में टिकट खरीदे. मुझे अभी भी स्कूल की फीस जमा करनी है, लेकिन हम एमएस धोनी को सिर्फ एक बार देखना चाहते थे. इस फैन ने स्पोर्ट्सवॉक चेन्नई चैनल के साथ एक से यह बात कही.

3 बेटियों की फीस में की देरी

सोशल मीडिया पर फैन्स ने उठाए सवाल

वहीं इस शख्स की बेटी ने एक वीडियो में कहा, मेरे पिता ने इन टिकटों को पाने के लिए बहुत मेहनत की है, जब धोनी खेलने आए तो हम बहुत खुश थे. हालांकि इस बात से सोशल मीडिया पर फैन्स काफी नाराज दिखे. उन्होंने शख्स की प्राथमिकताओं पर सवाल खड़े कर दिए, कई लोग इस फैसले की आलोचना करते हुए नजर आए.

चेन्नई की टीम आईपीएल 2024 में ऋतुराज गायकवाड़ की कप्तानी में खेल रही है. अब तक आईपीएल में उसने 5 मैच खेले हैं, जहां 3 में उसे जीत मिली है और 2 में हार. अब चेन्नई का अगला मुकाबला 14 अप्रैल को मुंबई इंडियंस से होगा.

लखनऊ सुपर जायंट्स ने रचा इतिहास

लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम ने गुजरात टाइटंस को जीतने के लिए 168 रनों का टारगेट दिया। टीम के लिए टॉप ऑर्डर के बल्लेबाज अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए। लेकिन बाद में युवा आयुष बडोनी ने दमदार खेल दिखाया और उनकी वजह से ही टीम सम्मानजनक स्कोर बना पाई। लेकिन लखनऊ की टीम ने सनराइजर्स हैदराबाद का एक बड़ा रिकॉर्ड तोड़ दिया है।

मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स के की शुरुआत अच्छी नहीं रही। जब ओपनर बल्लेबाज क्विंटन डि कॉक सिर्फ 19 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। इसके बाद तो जैसे विकेट का पतझड़ लग गया। टीम के लिए देवदत्त पड्डीक्कल 3 रन, मार्कस स्टोइनिस 8 रन, निकोलस पूरन जीरो रन और दीपक हुड्डा ने 10 रन बनाए। कुलदीप यादव के आगे लखनऊ के बल्लेबाज बुरी तरह से फ्लॉप नजर आए। टीम ने 77 रनों पर ही 5 विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद 94 रनों पर लखनऊ के 7 अहम बल्लेबाज पवेलियन लौट चुके थे। इससे टीम की पारी सिमटती हुई नजर आ रही थी।

एयर फोर्स ऑफिसर का रोल निभाएंगे अक्षय, सारा-निम्रत भी आएंगी नजर

अक्षय कुमार की फिल्म 'बड़े मियां छोटे मियां' हाल ही में रिलीज हुई है। अब सुनने में आया है कि एक्टर जल्द ही वीर पहाड़िया की डेब्यू फिल्म 'स्काई फोर्स' की शूटिंग पर जुटेंगे। फिल्म में वीर एयर फोर्स ऑफिसर के रोल में होंगे। वहीं अक्षय इसमें एक एक्सटेंडेड कैमियो रोल प्ले करेंगे। वो फिल्म में वीर के कोच के रोल में नजर आएंगे।

रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म के 10 दिन के शूट के लिए अक्षय मेकर्स से 50 करोड़ रुपए चार्ज कर रहे हैं। इस फिल्म की कहानी 1965 में हुए भारत-पाकिस्तान युद्ध के इर्द-गिर्द बुनी गई है। मेकर्स का दावा है कि तब इंडिया ने पाकिस्तान पर पहली एयर स्ट्राइक की थी। फिल्म में अक्षय और वीर के अलावा सारा अली खान और निम्रत कौर भी नजर आएंगी। फिल्म इस साल 2 अक्टूबर को रिलीज हो सकती है। मेकर्स ने पिछले साल 2 अक्टूबर को गांधी-शास्त्री जयंती पर इस फिल्म का टीजर शेयर किया था।

प्रियामणि ने की महिला प्रधान फिल्मों पर बात

अभिनेत्री प्रियामणि बॉलीवुड में खूब सुर्खियां बटोर रही हैं। शाहरुख खान की ब्लॉकबस्टर फिल्म जवान में अभिनय करने के बाद वह इस साल की शुरुआत में आर्टिकल 370 में अभिनय करती हुई नजर आईं। इन दिनों अभिनेत्री अजय देवगन के साथ फिल्म मैदान में दिखाई दे रही हैं। हाल ही में एक बातचीत में अभिनेत्री ने अपनी फिल्मों की सफलता और महिला केंद्रित फिल्मों को लेकर बात की है। इसके साथ ही उन्होंने भी अपनी राय साझा कि क्या भारतीय सिनेमा अभी भी पुरुष प्रधान है।

प्रियामणि ने सफलता से निपटने के बारे में बात करते हुए कहा, मैंने अभी तक सफलता से नहीं निपटी हूं। मेरी पिछली फिल्में जिस तरह से बनी हैं और हमें जो प्रतिक्रिया और प्यार मिला है, मैं उससे बेहद खुश हूं। बॉक्स ऑफिस नंबर मेरे लिए ज्यादा मायने नहीं रखते, कहीं न कहीं अगर कोई फिल्म अच्छा प्रदर्शन नहीं करती है, तो यह मायने रखता है। मगर बाकी सभी लोग अगर खुश हैं तो यह मेरे लिए मायने रखता है।
इसके साथ ही इंडस्ट्री से मान्यता प्राप्त करने के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि अगर कोई फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई कर रही है, तो मुझे उस वैधता की आवश्यकता है। फिर चाहे फिल्म ने 100 करोड़ रुपये कमाए हों। मैं जिस स्थान पर अभी हूं, उसे लिए मुझे इसकी आवश्यकता नहीं है। मेरा काम मेरे लिए बोलता है। साथ ही लोगों का प्यार ही मेरे लिए मान्यता है।
अभिनेत्री ने महिला-केंद्रित फिल्मों पर बात करते हुए कहा, मैंने कई महिला-केंद्रित फिल्में भी की हैं, जो कि पुरुषों द्वारा निर्देशित थीं। पुरुष-प्रधान इंडस्ट्री में बहुत कम महिला-केंद्रित फिल्मों ने अच्छा प्रदर्शन किया है। अगर आप साउथ की फिल्में गिनें, तो भी आप कुछ चुन सकते हैं। अब बहुत सारे सिनेमा आ रहे हैं, जहां महिलाएं पूरी फिल्म अपने कंधों पर ले रही हैं। प्रियामणि ने कहा, साउथ की भी कई फिल्मों में अभिनेत्रियां आगे रहती हैं। नयनतारा इसका सबसे अच्छा उदाहरण हैं। उन्होंने अपने करियर को इतनी खूबसूरती से बैलेंस किया है। वह महिला-केंद्रित फिल्में कर रही हैं, जो अच्छा प्रदर्शन भी कर रही हैं। उन्होंने जवान जैसी फिल्म की, जिसने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। फिल्म में उन्हें उतनी ही अहमियत दी गई जितनी शाहरुख खान को दी गई।

अपने काम पर लगाना चाहती हूं पूरा ध्यान

अभिनेत्री नोरा फतेही अक्सर अपने डांस और लुक की वजह से चर्चा में बनी रहती हैं। लोग उनके डांस को खूब पसंद करते हैं। नोरा फतेही एक बार फिर से सुर्खियों में हैं। उन्होंने फिल्म उद्योग में अपने साथ हुए बुरे व्यवहार को लेकर बात की है। इसे जानकार उनके प्रशंसकों को धक्का लगा है। इसके साथ ही नोरा ने भारतीय पुरुषों के व्यवहार पर भी प्रकाश डाला है। आइए जानते हैं कि अभिनेत्री ने क्या कहा है।
नोरा फतेही ने डेटिंग के मामले में भारतीय पुरुषों के प्रति विदेशियों के नजरिए पर चर्चा की। हाल ही में, एक चैट शो में अभिनेत्री ने टिप्पणी की कि भारतीय पुरुष कुछ पहलुओं में मध्य पूर्वी और अफ्रीकी पुरुषों से मिलते जुलते हैं। अगर कोई यूरोप से है तो उसका नजरिया अलग होगा। नोरा ने भारतीय पुरुषों पर बात करते हुए कहा, आप लोग बिल्कुल मध्य पूर्वी और अफ्रीकी लोगों की तरह हैं। ईमानदारी से कहूं तो सच में कोई अंतर नहीं है।
भारतीय पुरुषों पर बोलीं नोरा
उन्होंने कहा,, मुझे लगता है कि जहां तक मेरे पिछले रिश्ते का सवाल है। वह एक प्यारी लड़की है और वह अपने लिए हर रूप से अच्छा कर रही है। वह एक स्टार बन रही है और अपने पूरे मन के साथ काम रही है, जिसे दर्शकों द्वारा स्वीकार किया जा रहा है और वह आगे बढ़ रही है। मुझे लगता है कि यही महत्वपूर्ण है और मैं उसे शुभकामनाएं देती हूं और उसे अपना काम जारी रखने की सलाह भी देती हूं।

इस प्रोजेक्ट में आएंगी नजर

बता दें कि नोरा को हाल ही में मडगांव एक्सप्रेस में देखा गया था, जो कुणाल खेमू द्वारा निर्देशित और फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी द्वारा निर्मित थी । दिव्येंदु, प्रतीक गांधी और अविनाश तिवारी की मुख्य भूमिका वाली यह कॉमेडी 22 मार्च को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। वर्कफ्रंट की बात करें तो नोरा फतेही आगामी प्रोजेक्ट बी हैप्पी में भी नजर आने वाली हैं।

अनुपम खेर की फिल्म तन्वी द ग्रेट के लिए कोरियोग्राफी करेंगी कृति महेश

घूमर, ढोलीडा और गर्मी जैसे गानों को कोरियोग्राफ करने वाली राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता कृति महेश अनुपम खेर द्वारा निर्देशित फिल्म तन्वी द ग्रेट में कोरियोग्राफी करेंगी। अनुपम खेर ने इंस्टाग्राम पर इसकी घोषणा करते हुए कृति के बगल में पोज देते हुए एक फोटो शेयर की। उन्होंने लिखा, यह बताते हुए खुशी हो रही है कि राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता कोरियोग्राफर कृति महेश मेरी निर्देशित फिल्म तन्वी द ग्रेट के गानों की कोरियोग्राफी कर रही हैं। कोरियोग्राफर की प्रशंसा करते हुए अनुपम ने कहा, वह अपनी संवेदनशीलता, कल्पनाशीलता और निश्चित रूप से अपनी प्रतिभा के साथ स्क्रीन पर जादू पैदा करती हैं। तन्वी द ग्रेट का हिस्सा बनने के लिए कृति को धन्यवाद। अनुपम द्वारा निर्देशित इस फिल्म में ऑस्कर विजेता संगीत निर्देशक एम.एम. कीरावनी और जापानी डीओपी केइको नकाहारा भी हैं। अपना आभार व्यक्त करते हुए कृति ने कहा, तन्वी द ग्रेट मेरे दिल में एक विशेष स्थान रखती है। मुझ पर विश्वास करने के लिए मैं अनुपम खेर की आभारी हूं। हम साथ मिलकर दर्शकों के लिए एक यादगार फिल्म देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। अपने 69वें जन्मदिन पर राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेता ने अपनी अगली निर्देशित फिल्म तन्वी द ग्रेट की घोषणा की, जिससे 22 साल बाद निर्देशक की कुर्सी पर उनकी वापसी हुई। अनुपम ने 2002 में अनिल कपूर, फरदीन खान और अभिषेक बच्चन अभिनीत फिल्म ओम जय जगदीश से निर्देशन की शुरुआत की थी।

प्रियंका चोपड़ा ने मंकी मैन के लिए देव पटेल की सराहना की

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने मंकी मैन के साथ निर्देशक के रूप में अपनी प्रभावशाली शुरुआत के लिए भारतीय मूल के ब्रिटिश अभिनेता-फिल्म निर्माता देव पटेल की प्रशंसा की है। प्रियंका ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर पटेल और फिल्म के कलाकारों को धन्यवाद दिया, जिसमें सिकंदर खेर और शोभिता धूलिपाला भी शामिल हैं। अभिनेत्री ने लिखा - ब्रावो देव पटेल क्या प्रभावशाली शुरुआत है! प्रियंका ने शोभिता धूलिपाला, सिकंदर खेर और निर्माता जॉर्डन पील को भी टैग किया। फिल्म में शार्लटो कोपले, मकरंद देशपांडे, अश्विनी कालसेकर और अन्य भी हैं। देव पटेल की एक्शन थ्रिलर एक युवक की यात्रा पर आधारित है, जो भ्रष्ट नेताओं के कारण हुई अपनी मां की मौत के लिए न्याय मांगने के मिशन पर निकलता है। मंकी मैन भारत में 19 अप्रैल को रिलीज़ होने वाली थी, लेकिन अब इसकी रिलीज़ अनिश्चित काल के लिए टाल दी गई है। जहां तक प्रियंका की बात है तो वह फिलहाल अपनी आने वाली फिल्म हेड्स ऑफ स्टेट की शूटिंग में व्यस्त हैं।

चंदू चैंपियन में कार्तिक ने निभाई अब तक की सबसे कठिन भूमिका

बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन इन दिनों बैक टू बैक हिट फिल्मों पर काम कर रहे हैं। अभिनेता इन दिनों अपनी फिल्म भूल भुलैया 3 की शूटिंग में बिजी चल रहे हैं। वहीं, उनकी फिल्म चंदू चैंपियन भी जल्द सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। हाल ही में कार्तिक ने इस फिल्म को लेकर बातचीत की है। उन्होंने कहा कि उनकी ये फिल्म उनके करियर की अब तक की सबसे कठिन फिल्मों में से एक है। कार्तिक आर्यन ने नो फिल्टर नेहा सीजन 6 में अपनी आने वाली फिल्म चंदू चैंपियन के बारे में बात की। नेहा के शो का छठा सीजन दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींच रहा है। इस बार नेहा के मेहमान कार्तिक आर्यन बने हैं। इस दौरान अभिनेता ने खुलासा किया कि चंदू चैपियन उनकी अब तक की सबसे कठिन भूमिकाओं में से एक है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि चंदू चैंपियन अब तक की सबसे कठिन फिल्मों में से एक है, क्योंकि इसमें बहुत सारी चाइनीज है। यह सिर्फ मुरलीकांत पेटकर जी की यात्रा नहीं है, ये उनकी जिंदगी पर आधारित फिल्म है। उन्होंने भारत के लिए पैरालिंपिक में स्वर्ण पदक जीता था। उनकी यात्रा किसी भी यात्रा से अलग है। मुझे जब पहली बार फिल्म सुनाई गई थी मुझे यकीन नहीं हुआ था कि ये किसी की सच्ची कहानी हो सकती है।

अपकमिंग फिल्म रुस्लान पर बोले आयुष शर्मा

अपने छह साल के करियर में आयुष शर्मा तीसरी फिल्म 'रुस्लान' लेकर आ रहे हैं। इससे पहले उन्होंने लवयात्री' और 'अंतिम' की है। अपकमिंग फिल्म में आयुष रुस्लान का रोल निभा रहे हैं और उनके अपोजिट सुश्री श्रेया मिश्रा हैं। आयुष के पिता के रोल में साउथ एक्टर जगपति बाबू और अन्य प्रमुख भूमिकाओं में विद्या मालवदे, मनीष गहरवार व गेस्ट अपीरियंस में सुनील शेट्टी भी हैं। ये फिल्म 26 अप्रैल को सिनेमाघर में रिलीज होने जा रही है। आयुष शर्मा ने खास बातचीत की।

65 दिन के शूटिंग शेड्यूल को पूरा करने में दो साल लगे

फिल्म को हैदराबाद, मुंबई और आज़रबाइजान में शूट किया गया। हैदराबाद में 10 दिन, अजरबैजान में 20 और बाकी शूटिंग मुंबई में कंप्लीट हुई। इस फिल्म को शूट करने में टेक्निकली 65 दिन लगे, पर इसे दो साल से ब्रेक ले-लेकर प्लानिंग के साथ शूट कर रहे हैं। एक्शन सीक्रेंसेस काफी बड़े थे, इसलिए शूटिंग प्लानिंग करने में काफी समय जाता था। हमें दो बार अजरबैजान जाना पड़ा।

डिफरेंट टाइप एक्शन देखने को मिलेगा

इस एक्शन सीक्रेंस शूट करने का सबसे चैलेंजिंग बात ठंड रही। अजरबैजान में पहाड़ के ऊपर शूट करना था। ठंड के साथ-साथ पहाड़ के ऊपर हवा चलती थी, जो कंपा देने वाली होती थी। वहां कभी -4 डिग्री तो कभी -6 डिग्री तापमान में शूट किया। हमारा आइडिया बर्फ में शूट करना था, पर उस दिन बर्फ नहीं, बल्कि बहुत ठंड मौसम था। ठंड में एक्शन करना और एक समय सात-आठ लोगों को मारना बड़ा चैलेंजिग रहा। टेलर में जो एक्शन सीक्वेंस दिखाई देख रहे हैं, वह मात्र एक पार्ट है। इसके आगे-पीछे और बड़ा एक्शन सीक्वेंस है। इस बारे में कभी सोचा ही नहीं था कि यह सीन कर सकूंगा, क्योंकि इसमें कोई कट और कैमरा ट्रिक नहीं अपनाई गई है। इसके साथ ही यह रॉ लोग हैं, जो एक्शन के दौरान पंच और लात-घूसे खा रहे हैं और गिर पड़ रहे हैं। मेरे लिए यह सबसे ज्यादा यादगार मूवमेंट रहा। फिल्म में कोरियन एक्शन के साथ-साथ नाइफ फाइट, गन फाइट, मुक्केबाजी आदि डिफरेंट टाइप के एक्शन सीक्वेंस देखने को मिलेगा।

छह किलो वजन कम करने के लिए दिए गए थे मात्र 18 दिन

मेरे लिए सबसे इंपोर्टेंट बात बॉडी चेंज करना रहा। 'अंतिम' में मैंने बॉडी बहुत बड़ी की थी, जबकि 'रुस्लान' में एक यंग लड़के के रोल में दिख रहा हूं, जो म्यूजिशियन भी है। इसके लिए खुद को पतला करना था और साथ ही साथ बॉडी बनाई थी। देखेंगे तो 'अंतिम' में काफी रॉ एक्शन था। उसमें मारधाड़ ज्यादा थी, जबकि इसमें स्टाइलिश एक्शन बहुत ज्यादा है, क्योंकि मेरा किरदार ट्रेंड है, इसलिए सही टाइम पर गन पकड़ना और सही टाइम पर उसे लैंड करना है। इसके लिए फाइटिंग की स्टाइल को पूरी तरह री-इगनाइट करना पड़ा। उसमें टाइम लगा। लेकिन इसकी तैयारी और फिल्माने आदि में बहुत मजा आया। 'अंतिम' में मेरी जो बॉडी थी, उससे छह किलो वजन कम करना था और इसके लिए सिर्फ 18 दिन दिए गए थे।18 दिन में सब किया। दिन में दो बार कार्डियो करता था। फिर वर्कआउट करता था। दिन में सिर्फ 6 बॉयल अंडे और ब्रोकली ही खाता था।

फिल्म का क्लाइमैक्स सीन फिल्माने में पांच दिन लगे

फिल्म का क्लाइमैक्स सीन फिल्माने में पांच दिन लगे। फिल्म में यह क्लाइमेक्स सीक्वेंस 15 मिनट का होगा। देखेंगे तो यह सिर्फ एक्शन फिल्म नहीं है, बल्कि इमोशन से भरी एक्शन फिल्म है। इसमें मारधाड़ इसलिए नहीं हो रहा है कि हमें एक्शन दिखाना है। सबसे इंपॉर्टेंट रुस्लान नामक लड़के की कहानी है, जो गिटार बजाने वाला इंसान लायन बनता है।

एक्शन-रोमांस के साथ-साथ कॉमेडी और फैमिला ड्रामा करना चाहूंगा

मैं काफी खुश हूं कि यह मौका मिला है। यह अवसर मिला है, इसलिए कहीं न कहीं इसके लिए एक्साइटेड भी हूं। इस ऑपर्च्युनिटी के साथ-साथ और भी चैलेंजिंग काम करना चाहता हूं। मैं एक्शन, रोमांस जोनर करने के साथ-साथ कॉमेडी, फैमिली ड्रामा आदि जोनर की फिल्में करना चाहता हूं। एक बार फिर से गैंगस्टर बनना चाहता हूं। आई थिंक, अभी तो मेरी शुरुआत है। मेरे दिल को जो भी कहानी छुएगी, उसे करना चाहूंगा।

'रुस्लान' के बाद अगली फिल्म कब तक आ सकती है

कोशिश कर रहा हूं कि अब थोड़ा जल्दी स्पीड पकड़ूं। मेरी कुछ ऐसी डेस्टिनी रही है कि जिन फिल्मों में काम किया है, वे मेरे लिए कुछ नई थीं, इसलिए उन्हें बनाने, एडिट करने में समय लग गया। अब कोशिश कर रहा हूं कि कुछ ऐसी फिल्में चूज करूं, जिसे जल्दी शूट कर सकूं ताकि जल्द ही बाहर निकाल सकूं। एक्शन फिल्म बहुत टाइम लगाती हैं। मैं भी चाहता हूं कि एक साल में कई पिक्चरें लेकर आऊं। मेरी पाइप लाइन में कुछ पिक्चरें हैं, जिनके बारे में जानकारी जल्द साझा करूंगा।